MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 19 अक्टूबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-287

टाइगर पर फ़ायरिंग

सात राउंड गोलियां चलीं, एक संदिग्ध गिरफ्तार, ड्राइवर समेत दो घायल

मुंबई, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिने अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर रविवार शाम गोलीबारी की घटना से सनसनी फैल गई। जुहू स्थित पुष्पा पार्क के आसपास मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने अभिनेता की कार को निशाना बनाते हुए सात राउंड गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गए।

घटना के दौरान टाइगर श्रॉफ सुरक्षित रहे, जबकि उनके ड्राइवर फिरदौस और एक अन्य व्यक्ति उमेश चरण (35) घायल हो गए। खबर लिखे जाने तक पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध को सांताक्रूज इलाके से गिरफ्तार कर लिया था।

कार पर फायरिंग की घटना के बाद टाइगर श्रॉफ की पहली तस्वीर .

पुलिस उपायु
क्त मोहित गर्ग के अनुसार, टाइगर श्रॉफ फुटबॉल खेलने के बाद अपने ड्राइवर के साथ घर लौट रहे थे। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने उनकी कार के पास पहुंचकर फायरिंग कर दी। गोलीबारी में श्रॉफ के ड्राइवर फिरदौस के बाएं हाथ में गोली लगी, जबकि पास में खड़े उमेश चरण को भी गोली लगी। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिरदौस को नानावटी अस्पताल और उमेश चरण को कूपर अस्पताल ले जाया गया। दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, सफेद शर्ट पहने तीनों हमलावर वारदात के बाद एसवी रोड और विले पार्ले रेलवे स्टेशन की ओर भाग गए। घटनास्थल जुहू पुलिस स्टेशन और पुष्पा पार्क से लगभग 350 मीटर दूर बताया गया है। पुलिस ने शुरुआत में कार की खिड़कियां टूटने के कारण कांच के टुकड़ों से अभिनेता को मामूली खरोंचें आने की जानकारी दी थी, लेकिन पश्चिम क्षेत्र-दो के पुलिस उपायुक्त मोहित गर्ग ने स्पष्ट किया कि टाइगर श्रॉफ को कोई चोट नहीं आई है।

ड्राइवर फिरदौस को गोली लगने के बाद टाइगर श्रॉफ स्वयं गाड़ी चलाकर उन्हें नानावटी अस्पताल ले गए। अभिनेता के पिता जैकी श्रॉफ ने भी उनके सुरक्षित होने की पुष्टि की है। घटना की गंभीरता को देखते हुए जुहू पुलिस और मुंबई अपराध शाखा के अधिकारी जांच में जुट गए हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) मनोज शर्मा भी घटनास्थल पर पहुंचे थे।

15 टीमें जांच में जुटीं

हमलावरों का पता लगाने के लिए पुलिस ने 15 टीमें बनाई हैं। जुहू पुलिस और मुंबई अपराध शाखा के अधिकारी घटनास्थल तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की तस्वीरों और वीडियो की जांच कर रहे हैं, ताकि हमलावरों की पहचान करने के साथ उनके भागने के रास्ते का पता लगाया जा सके। पुलिस प्रत्यक्षदर्शियों से भी पूछताछ कर रही है। वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिलों और हमलावरों के हुलिये के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया में जुटी है। साथ ही, टाइगर श्रॉफ से यह जानकारी ली जा रही है कि क्या उन्हें हाल ही में कोई धमकी भरा फोन आया था या कोई चेतावनी दी गई थी। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि गोलीबारी किसने की और इसके पीछे क्या वजह थी।

गैंग के दावे

गोलीबारी के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट और कथित ऑडियो सामने आया, जिसमें अनिल पंडित और हरमन संधू नाम के व्यक्तियों ने हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया है। इन दावों में टाइगर श्रॉफ को सलमान खान के साथ उनके जुड़ाव या काम करने के कारण निशाना बनाने की बात कही गई है। हालांकि, पुलिस ने अब तक इस दावे की पुष्टि नहीं की है कि गोलीबारी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने ही कराई थी।

कथित पोस्ट में कहा गया कि टाइगर श्रॉफ को पहले समझाया गया था, लेकिन उन्होंने बात नहीं मानी। संदेश में मुंबई फिल्म उद्योग के उन अन्य लोगों को भी धमकी दी गई है, जो कथित तौर पर गिरोह की बात नहीं मानेंगे या सलमान खान के साथ काम करेंगे। रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि अनिल पंडित का संबंध लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से है, लेकिन पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

ऑडियो में धमकी

हमले के बाद अनिल पंडित के नाम से एक कथित ऑडियो प्रसारित हुआ। इसमें वक्ता ने अपना परिचय अनिल पंडित के रूप में देते हुए खुद को लॉरेंस का छोटा भाई बताया और कहा कि मुंबई में टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले की जिम्मेदारी वह और उसका बड़ा भाई हरमन संधू लेते हैं। ऑडियो में कहा गया कि अभिनेता को पहले समझाया गया था, लेकिन बात नहीं मानने पर हमला किया गया। कथित ऑडियो में आगे कहा गया कि फिल्म उद्योग में जो भी लोग उनके खिलाफ जाकर काम करेंगे या सलमान खान के साथ मिलकर काम करेंगे, उन्हें मार दिया जाएगा। इसमें सलमान खान को भी धमकी देते हुए उनके परिवार को नुकसान पहुंचाने की बात कही गई है। ▶8पर

ग्वालियर में मातम

ट्रक हादसे में 15 की मौत

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास हुए दर्दनाक ट्रक हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई। कई घायल अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हैं। हादसे के बाद अस्पताल परिसर में गम और गुस्से का माहौल है। अपनों को खोने वाले परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कई परिजन प्रशासन पर सवाल उठाते हुए आक्रोशित हो गए हैं।

बेटे को खोया

हादसे में अपने बेटे को खोने वाली दिव्यांश की मां की आंखों से आंसू नहीं रुक रहे हैं। उन्होंने कहा, वहां मेरी बहू, मेरे बड़े और छोटे बेटे थे। मुझे सुबह छह बजे बताया गया। मेरी बेटी उन्हें ढूंढने गई, लेकिन पुलिस ने उसे ढूंढने नहीं दिया। पुलिस उसे ढूंढने में मेरी मदद क्यों नहीं करती? मुझे बताओ, अगर यह तुम्हारा अपना बच्चा होता, तो क्या तुम्हें दर्द नहीं होता?

इलाज में लापरवाही?

एक परिजन ने प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन पर आरोप लगाया कि घायलों को समय रहते अस्पताल नहीं पहुंचाया गया। उन्होंने कहा, अगर हादसा रात दो बजे हुआ था, तो उसे सुबह चार बजे अस्पताल क्यों ले जाया गया? उन्हें उसी समय अस्पताल ले आना चाहिए था। अब बच्चे की जान चली गई है और अधिकारी कह रहे हैं कि कागजों पर हस्ताक्षर कर दो।

जिंदा को भी मारा

उन्होंने आगे कहा, हमें बताया गया था कि उसका इलाज चल रहा है। हमें अंदाजा भी नहीं था कि हमारा बच्चा अब नहीं रहा। जो जिंदा था, उसे भी मार दिया। हम तो सोच रहे थे कि इलाज चल रहा है। हमें क्या पता था कि उसकी मौत हो गई है। वे तो यहीं कह रहे थे कि इलाज चल रहा है।

भाई की दर्दनाक मौत

घटना के वक्त मौके पर मौजूद एक पीड़िता ने अपने भाई को खोने का दर्द बयां किया। उसने कहा, हादसे के वक्त मैं वहीं पर थी। मेरा भाई बाहर गेट पर खड़ा था और हम अंदर चले गए थे। वह अंदर नहीं आ रहा था। इतने में वहां ट्रक आया और सीधे घुस गया।

ऐसे हुआ हादसा

डबरा की ओर से आ रहा धान से भरा एक ट्रक चीनोर से शीतला माता मंदिर की ओर उतरने वाली ढलान पर खड़ा था। अचानक प्रेशर रिलीज होने की आशंका के चलते ट्रक ढलान पर तेजी से नीचे उतरने लगा और मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं को रौंदता हुआ मंदिर के मुख्य प्रवेश डर तक जा पहुंचा।

15 की मौत, 39 घायल

हादसे के बाद लगभग 39 घायलों को जयारोग्य अस्पताल के सरकारी ट्रॉमा सेंटर में लाया गया। घायलों में ड्यूटी पर तैनात दो होमगार्ड भी शामिल हैं।

अस्पताल में अब तक 15 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कुछ घायलों की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

घुसपैठ नाकाम, दो आतंकी ढेर

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। भारत में आतंकवाद फैलाने के लिए पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओजेके) में एक बार फिर आतंकी प्रशिक्षण शिविर सक्रिय किए जाने की खबरें सामने आई हैं। जानकारी के मुताबिक, सर्जिकल स्ट्राइक और हवाई हमलों में भारत द्वारा ध्वस्त किए गए आतंकी शिविरों को फिर से सक्रिय कर दिया गया है। इन शिविरों में 100 से अधिक आतंकियों को भारत में हमले करने की ट्रेनिंग दिए जाने का दावा किया जा रहा है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की योजना भारत में एक बार फिर बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने की बताई जा रही है। प्रशिक्षण पूरा कर चुके आतंकियों को भारत में घुसपैठ कराने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, भारतीय जवानों की सतर्कता के कारण आतंकियों की कोशिश नाकाम हो रही है। सुरक्षाबलों ने शनिवार (17 अक्टूबर) को कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराया। जानकारी के मुताबिक, मारे गए आतंकी बर्फबारी का फायदा उठाकर नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास जुमागुंड इलाके में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। वे अपने इरादों में कामयाब होते, उससे पहले ही सुरक्षाबलों की गोलीबारी का शिकार हो गए। भारतीय जवानों की मुस्तैदी के कारण वे आगे नहीं बढ़ पाए और सीमा के पास ही मारे गए। घटना के बाद पूरे इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पहाड़ों पर बर्फबारी शुरू होते ही पाकिस्तान समर्थित आतंकियों के एक बार फिर भारत में घुसपैठ कर दहशत फैलाने की कोशिश करने की आशंका है। इसके लिए वे नियंत्रण रेखा के बेहद ऊंचाई वाले इलाकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने इन इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है। ▶8पर

फ्रांस आगज़नी पर ट्रंप का नया बम

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। फ्रांस में बढ़ती महंगाई, स्कूलों की बदहाली और जीवन-यापन की बढ़ती लागत के खिलाफ शुरू हुए राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों ने भीषण हिंसा और आगजनी का रूप ले लिया है। शनिवार को हुए उग्र प्रदर्शनों के बाद रविवार को भी पूरे फ्रांस में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने फ्रांस की स्थिति के लिए बड़े पैमाने पर हो रहे आव्रजन और पश्चिमी उदारवादी नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने फ्रांस से अपनी सीमाएं बंद करने और हालात पर नियंत्रण करने की अपील की है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा, फ्रांस जल रहा है! एक बिल्कुल अलग दुनिया से आए लोगों के आव्रजन और उनके दिलों में भरी नफरत ने उस देश को तहस-नहस कर दिया है, जो कभी महान था। अपनी सीमाएं बंद करो और नियंत्रण हासिल करो, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।फ्रांस में 17 अक्टूबर को हुए प्रदर्शनों में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। फ्रांस के गृह मंत्रालय के मुताबिक, प्रदर्शनों में करीब 5.5 लाख लोगों ने हिस्सा लिया, जबकि श्रमिक संगठन सीजीटी ने यह संख्या लगभग आठ लाख बताई। प्रदर्शनकारियों में छात्र, श्रमिक संघों के सदस्य और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे।ये प्रदर्शन बढ़ती जीवन-यापन लागत, सार्वजनिक सेवाओं की बिगड़ती स्थिति और बदहाल शिक्षा व्यवस्था के विरोध में आयोजित किए गए थे। कई जगहों पर मार्च शांतिपूर्ण तरीके से शुरू हुए, लेकिन कुछ शहरों में हालात बिगड़ गए और हिंसा भड़क उठी। फ्रांस के लिमोज शहर में आगजनी की एक घटना में प्रदर्शनकारियों ने 143 साल पुराने नगर भवन में आग लगा दी। ▶8पर

दुनिया में उबाल

नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन

दुनिया के कई देशों में इन दिनों असंतोष और विरोध प्रदर्शनों का दौर देखने को मिल रहा है। भारत से लेकर यूरोप और अमेरिका तक, विभिन्न देशों में सरकार की नीतियों के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। फ्रांस, इटली और अल्बानिया से लेकर अर्जेंटीना और तुर्किये तक महंगाई, बेरोजगारी और आवास संकट जैसे मुद्दों को लेकर जोरदार प्रदर्शन हो रहे हैं।फ्रांस और अल्बानिया में सरकार विरोधी प्रदर्शनों ने प्रशासन के सामने बड़ी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। फ्रांस में राष्ट्रपति चुनाव से पहले जनता का गुस्सा सामने आया है।

फ्रांस: महंगाई पर गुस्सा

फ्रांस में प्रदर्शनों की दो प्रमुख वजहें हैं। एक ओर बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतों को लेकर जनता में आक्रोश है, वहीं दूसरी ओर छात्र और शिक्षक स्कूलों की बदहाल स्थिति तथा शिक्षा बजट में कटौती का विरोध कर रहे हैं।

▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32°
न्यूनतम : 19°

मंदिर सील : तोड़फोड़ पर विरोध

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में करीब 200 साल पुराने हिंदू मंदिर को प्रशासन ने सील कर दिया है। डेरा इस्माइल खान जिले में स्थित रामलीला मंदिर को व्यावसायिक प्लाजा बनाने के लिए तोड़ने की कोशिश की गई थी। इसके बाद हिंदू समुदाय के लोगों और नागरिक समाज के कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। शनिवार को स्थानीय प्रशासन ने मंदिर को अपने कब्जे में लिया, जिसके बाद इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) ने इसे सील कर दिया। यह मंदिर डेरा इस्माइल खान शहर के बीच रहिम बाजार इलाके में स्थित है। इस सप्ताह की शुरुआत में स्थानीय लोगों को मंदिर की इमारत गिराने की कोशिश किए जाने की जानकारी मिली थी। इसके बाद वे मौके पर पहुंचे और तोड़फोड़ का काम रुकवा दिया। डेरा सिविल सोसायटी और स्थानीय ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सोहेल अहमद अजमी ने बताया कि जानकारी मिलने के बाद वह अन्य लोगों के साथ मंदिर पहुंचे थे। उनके मुताबिक, मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने दावा किया था कि उसे मंदिर गिराने का ठेका मिला है। घटना के बाद नागरिक समाज के प्रतिनिधियों और हिंदू समुदाय के लोगों ने बैठक की। उन्होंने मंदिर को गिराने का विरोध करते हुए संपत्ति के मालिकाना हक और वहां किसी भी व्यावसायिक निर्माण की वैधता की जांच की मांग की। उन्होंने निर्वाचित प्रतिनिधियों से इस मामले को पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में उठाने की भी अपील की। ▶8पर

रिजिजू का हमला

भारत बांग्लादेश नहीं

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया के कई देशों में इस समय हिंसा और विरोध प्रदर्शनों का माहौल बना हुआ है। फ्रांस में बड़े पैमाने पर आंदोलन हो रहे हैं। कई जगहों पर आगजनी और दुकानों में लूटपाट की घटनाएं सामने आई हैं। इस बीच, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट के जरिए भारत में प्रदर्शन करने वालों पर निशाना साधा।

अपने पोस्ट में उन्होंने कहा, बांग्लादेश में हुई हिंसक घटना और फ्रांस में जो दंगे, आगजनी और लूटपाट हुईं, ठीक वैसी ही साजिश भारत के लिए भी रची गई थी। भारत-विरोधी गिरोहों और कुछ राजनेताओं ने मिलकर युवाओं को भड़काने और हमारी

सड़कों पर हिंसा फैलाने की योजना बनाई थी। लेकिन इस खतरनाक साजिश को रचने वाले भूल गए कि भारत न तो बांग्लादेश है और न ही फ्रांस। भारत में सत्ता परिवर्तन बिल्कुल हो सकता है, लेकिन केवल चुनावों के जरिए, सोरोस के जरिए नहीं।

इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें नेहा बोरा के बांग्लादेश के युवाओं को धन्यवाद देने वाले वीडियो अंश के साथ प्रशांत भूषण के ङ्गसत्ता परिवर्तनफ संबंधी बयान और जुलाई-अगस्त के प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों के दृश्य शामिल हैं। इससे पहले किरेन रिजिजू ने 15 अक्टूबर को भी एक पोस्ट साझा किया था। इसमें उन्होंने कहा था, लड़ाई की रेखा खिंच चुकी है। एक तरफ दिमागी नक्सली हैं और दूसरी तरफ देशभक्त भारतीय। एक तरफ भारत के संविधान में विश्वास रखने वाले लोग हैं और दूसरी तरफ अराजकतावादी हैं।

उन्होंने आगे कहा था कि अब लड़ाई भारत-विरोधी ताकतों और उन देशभक्त भारतीयों के बीच है, जो भारत की रक्षा करना चाहते हैं। ▶8पर

म्यांमार में जमीन के नीचे दबे खजाने पर अमेरिका की नजर, गुप्त बातचीत जारी, इन खनिजों की सप्लाई चेन पर चीन का है मजबूत दबदबा

नाएप्यीडा

म्यांमार में अमेरिका की दिलचस्पी बढ़ गई है, जिस मिलिट्री शासन पर लोकतांत्रिक सरकार को हटाने के बाद सत्ता संभालने के आरोप हैं, उसके साथ अमेरिका गुप्त बातचीत कर रहा है। यह सिर्फ कूटनीति नहीं, बल्कि जमीन के नीचे छिपा ऐसा खजाना है, जिस पर चीन की मजबूत पकड़ है। ये खजाना रेयर अर्थ हैं, जिनका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक कारों, विंड एनर्जी और आधुनिक तकनीक में होता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और म्यांमार के मिलिट्री लीडरशिप के बीच पिछले हफ्ते टोक्यो में एक और दौर की बातचीत हुई, जो एक महीने के अंदर दोनों पक्षों की दूसरी बैठक थी। रिपोर्ट के मुताबिक बातचीत में अमेरिकी विदेश विभाग के खुफिया और रिसर्च डिपार्टमेंट के सहायक सचिव माइकल वेंस ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। अमेरिका के लिए ये खनिज अहम हैं क्योंकि इलेक्ट्रिक गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले मैग्नेट से लेकर विंड एनर्जी के टर्बाइन तक, कई टेक्नोलाजी में इनकी जरूरत पड़ती है। समस्या यह है कि इन खनिजों की सप्लाई चेन पर चीन का मजबूत दबदबा है, जो सिर्फ खनन तक सीमित नहीं है, बल्कि इन्हें साफ करने, प्रोसेस करने और उद्योगों में इस्तेमाल लायक बनाने की क्षमता भी रखता है। अगर चीन सप्लाई रोकता है, तो इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा और दूसरे आधुनिक उद्योगों पर असर पड़ सकता है। दुनिया में भारी रेयर अर्थ की करीब आधी सप्लाई म्यांमार के काचिन राज्य की खदानों से आती है, और वहां से निकले खनिजों का बड़ा हिस्सा प्रोसेसिंग के लिए चीन भेजा जाता है। अमेरिका इसी व्यवस्था में अपनी जगह बनाना चाहता है ताकि चीन पर अपनी निर्भरता कम कर सके। हालांकि, अमेरिकी रणनीति के सामने बड़ी मुश्किलें भी हैं। म्यांमार में जिन इलाकों में रेयर अर्थ खदानें हैं, उनमें से कुछ पर वहां की सेना का नियंत्रण नहीं है। काचिन राज्य में काचिन इंडिपेंडेंस आर्मी जैसे सशस्त्र जातीय संगठनों का प्रभाव है। इसके अलावा, म्यांमार के पास इन खनिजों को उस स्तर तक शुद्ध करने की पर्याप्त क्षमता नहीं है जिसकी आधुनिक उद्योगों में जरूरत होती है। इसका मतलब है कि अगर अमेरिका म्यांमार से खनिज हासिल भी कर ले, तो उसे उनकी प्रोसेसिंग के लिए अलग व्यवस्था बनानी पड़ सकती है। इस पूरी कहानी में भारत का पहलू भी अहम है, भारतीय राजदूत अभय ठाकुर ने बताया था कि महत्वपूर्ण खनिजों की संभावनाएं तलाशने के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल दिसंबर 2024 और फरवरी 2026 में म्यांमार गया था।

न्यूज ब्रीफ

आज बलोचिस्तान जल रहा, नौजवान पहाड़ों पर चढ़ गए हैं: मेंगल

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। बलोचिस्तान नेशनल पार्टी प्रमुख सरदार अख्तर मेंगल ने कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ आपरेशन का लाइसेंस तो दे दिया गया, लेकिन बलोचिस्तान में कितने आपरेशन किए गए और उनके क्या नतीजे निकले आज बलोचिस्तान जल रहा है और नौजवान पहाड़ों पर चढ़ गए हैं। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, मेंगल ने खैबर पख्तूनख्वा के पूर्व मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी और उनके साथियों की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए कहा, इस प्रांत के चुने हुए मुख्यमंत्री और स्पीकर गायब हैं। उनकी सरकार भी छीन ली गई है और शांतिपूर्ण विरोध की इजाजत नहीं है। ऐसा सिस्टम काम नहीं करेगा। खैबर पख्तूनख्वा और बलोचिस्तान के लोगों को यकीन दिलाया जाता है कि वे गुलाम हैं, लेकिन जब तक हम एक देश नहीं बन जाते, हमें गुलाम ही रखा जाएगा। सरदार अख्तर मेंगल ने कहा कि स्पीकर एक संवैधानिक पद है और इस पद पर बैठे व्यक्ति को मार्शल ला के समय भी गिरफ्तार नहीं किया गया था, लेकिन आज स्पीकर देश से गायब हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसे में लोकतंत्र के दावे किसके आधार पर किए जा रहे हैं उन्होंने कहा कि एक तरफ चुने हुए प्रतिनिधि और मंत्री गैरहाजिर हैं, वहीं दूसरी तरफ फार्म 47 के जरिए चुने गए सदस्य भी गैरहाजिर हैं। छह अक्टूबर 1962 को खुजदार में जन्मे अख्तर बलोचिस्तान के पूर्व मुख्यमंत्री मीर अताउल्लाह मेंगल के पुत्र हैं। वह भी 1997 से 1998 तक बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री रहे हैं। वह पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के सदस्य भी रहे हैं। वह पाकिस्तानी सेना और सरकार की नीतियों की कड़े आलोचनक हैं। वह पाकिस्तान से अलगाव और बलोचिस्तान के हालात को लेकर तीखे राजनीतिक बयान देने के लिए जाने जाते हैं।

यूरोपीय देश गैस आपूर्ति के लिए अमेरिका पर निर्भर हो गए: नोवाक

मास्को। रूस के उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने कहा कि यूरोपीय देशों ने अपने गैस आयात के स्रोतों में विविधता लाने की कोशिश तो की पर वह अमेरिका पर निर्भर हो गए हैं। नोवाक ने रशियन एनर्जी वीक फोरम के दौरान सोलोवोव लाइव ब्राडकास्टर को दिए साक्षात्कार में कहा, यूरोपीय देशों की गैस आपूर्ति की मात्रा कम हो गई है। उनकी लागत चार गुना बढ़ गई है। अब वह मुख्य रूप से एक ही आपूर्तिकर्ता अमेरिका से आने वाली लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) पर निर्भर हैं। नोवाक ने कहा कि यूरोप में गैस की कीमतें बढ़कर 1,000 डालर प्रति 1,000 क्यूबिक मीटर तक पहुंच गई हैं, जबकि 10 साल पहले और कोरोना महामारी से पहले भी ये कीमतें 200 से 250 डालर के दायरे में थीं। इसका खामियाजा यूरोपीय उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। रशियन एनर्जी वीक का आयोजन मास्को में 14 से 16 अक्टूबर के बीच किया गया। रिया नोवोस्ती इस फोरम का सूचना भागीदार रहा।

नेपाल के हिमालयी जिलों का न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे पहुंचा

काठमांडू। नेपाल के हिमालयी जिलों का न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे पहुंच गया है। तापमान में लगातार गिरावट आने से ठंड बढ़ गई है। मौसम पूर्वानुमान महाशाखा के प्रवक्ता ने बताया कि 17 हिमालयी जिलों के तापमान संबंधी आंकड़ों के अनुसार, हुम्ला, जुम्ला रोल्पा, डोल्पा, मनांग, मुस्तांग सहित एक दर्जन जिलों के उत्तरी इलाके में सबसे कम न्यूनतम तापमान माइनस 0.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इन इलाकों में बीते शनिवार को न्यूनतम तापमान 1.5 डिग्री और शुक्रवार को 3.0 डिग्री सेल्सियस था। इसी तरह संखुआ सभा, रसुवा, बाजुरा, मुगु, कालिकोट जैसी उत्तरी सीमावर्ती इलाको का तापमान शून्य डिग्री के आसपास पहुँच गया है। जहां-जहां तापमान शून्य के आसपास है उन इलाकों में बर्फबारी होने की जानकारी दी गई है। महाशाखा के अनुसार, रविवार सुबह 8:45 बजे काठमांडू का न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पहले शनिवार को यह 13.8 डिग्री और शुक्रवार को 15.0 डिग्री सेल्सियस था। रविवार को ओखलढुंगा में न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री सेल्सियस, डडेलधुरा में 5.9 डिग्री सेल्सियस, ताप्लेजुंग में 3.7 डिग्री सेल्सियस, वीरेन्द्रनगर में 4.3 डिग्री सेल्सियस, दीपायल में 5.5 डिग्री सेल्सियस , धनकुटा में 5.6 डिग्री सेल्सियस, घोराही में 7.0 डिग्री सेल्सियसऔर पोखरा में 7.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया ।

अल्बानिया में भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन पुलिस ने दागीं रबर की गोलियां

तिराना

यूरोप के बाल्कन प्रायद्वीप पर बसे अल्बानिया में जेन-ज़ी युवा शिक्षा में सुधार और भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार और शिक्षा मंत्रालय में घोटाले को लेकर पिछले पांच दिनों से प्रदर्शन कर रहे छात्र हिंसक हो गए। प्रधानमंत्री एडी रामा के इस्तीफे की मांग करते हुए प्रदर्शनकारियों ने सरकारी इमारतों और बैंकों में आग लगा दी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने रबर की गोलियां चलाईं और अन्य संयमित हथियारों का भी उपयोग किया, जिससे दोनों पक्षों के बीच तनाव अत्यधिक बढ़ गया है।

अल्बानिया के प्रमुख पुलिस अधिकारी स्केंडर हिता ने रबर की गोलियां चलाने से इनकार नहीं किया, लेकिन कहा कि प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए जो भी तरीके अपनाए गए हैं, उन्हें सीमित दायरे में ही इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदर्शनकारियों के साथ अपने अधिकारियों का गलत प्रयोग करने पर सात पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है, क्योंकि उन्होंने उचित बल प्रयोग के सिद्धांत का पालन नहीं किया। हिता ने जानकारी दी कि इस प्रदर्शन के दौरान अभी तक 1,067 लोगों को हिरासत में लिया गया है, और 388 लोगों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इस पूरे प्रदर्शन के दौरान कई आंदोलनकारी और पुलिसवाले घायल भी हुए हैं। बाल्कन प्रायद्वीप का यह देश कथित भ्रष्टाचार और नौकरियों की कमी से जूझ रहा है, और प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि देश में शिक्षा का स्तर बेहद खराब स्तर पर पहुंच गया है।

छात्रों और प्रदर्शनकारियों के गुस्से का सबसे बड़ा निशाना प्रधानंत्री एडी रामा बने हैं, जिन्होंने हाल ही में अपने चौथे कार्यकाल की शुरुआत की है। पिछले हफ्ते जब उनसे प्रदर्शनकारियों के दबाव में इस्तीफा देने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इससे साफ तौर पर इनकार किया। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों के विरोध का सम्मान करती है, लेकिन इस्तीफा नहीं होगा। एक फेसबुक लाइव के दौरान अपनी बात रखते हुए रामा ने कहा, इस मुश्किल समय में मेरी जिम्मेदारी और भी स्पष्ट हो जाती है... अपने नागरिकों की रक्षा करना, न्याय सुनिश्चित करना और अल्बानिया को आगे ले जाना। उन्होंने 2030 तक अल्बानिया को यूरोपीय संघ का हिस्सा बनाने का लक्ष्य भी दोहराया है, जिसकी प्रक्रिया में अल्बानिया मोंटेनेग्रो के साथ सबसे आगे है। हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि रामा सरकार के अधीन अल्बानिया उन गिरोहों का केंद्र बन गया है जो नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी से कमाए गए काले धन को सफेद (मनी लान्ड्रिंग) करना चाहते हैं। इससे अल्बानिया के यूरोपीय संघ में शामिल होने के प्रयासों में मुश्किलें आ रही हैं। इन आरोपों को तब और बल मिला जब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर द्वारा तटीय इलाके में एक रिसार्ट बनवाने के लिए जमीन खरीदने का मामला सामने आया।

खैबर पख्तूनख्वा में इमरजेंसी लागू करने पर पीएम ने दी सफाई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आपातकाल और गवर्नर शासन लागू होने के बाद, प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने अपने फैसले का बचाव किया है। उन्होंने कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ अभियानों में असहयोग के कारण उनकी सरकार को यह कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा। शरीफ ने इस स्थिति के लिए मुख्य विपक्षी पार्टी पर निशाना साधा है। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई प्रांतीय सरकार के अधिकार छीनने को एक अनिच्छा से उठाया गया कदम बताया। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार ने उक्त पार्टी के साथ मामले को सुलझाने के लिए लगातार 48 घंटे तक मैराथन बातचीत की थी और एक ड्राफ्ट भी तैयार किया गया था जिसके तहत उक्त पार्टी को अपना लान्ग मार्च वापस लेना था। उन्होंने कहा कि सरकार ने कई प्रयास किए, लेकिन इसके जवाब में हर दूसरे दिन धमकियां और लंबे मार्च निकाले जा रहे थे। अपने भाई और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के कार्यकाल के दौरान डी-चौक पर दिए गए धरनों और पिछले साल हुए हिंसक प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए उन्होंने उक्त पार्टी के रवैये को भयानक करार दिया। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने संविधान के अनुच्छेद 232 और 234 के तहत 11 अक्टूबर 2026 को खैबर पख्तूनख्वा में आपातकाल की घोषणा की थी। इस आदेश के तहत प्रांत की चुनी हुई सरकार को निलंबित कर सीधे गवर्नर रूल लागू कर दिया गया, जिससे सारी प्रशासनिक और राजनीतिक ताकत गवर्नर के हाथ में चली गई है। इसके बाद से उक्त पार्टी के खिलाफ बड़े पैमाने पर दमनकारी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

होर्मुज में एक सप्ताह में 10 जहाजों पर हमला, ओमान सागर में तेल टैंकर में लगी आग

तेहरान (ईरान)

मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच रविवार से अब तक होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट आफ होर्मुज) में या उसके आसपास कम से कम 10 जहाजों पर हमले हुए हैं। यह जानकारी ब्रिटिश समुद्री एजेंसी ने दी। इस बीच ओमान सागर में एक तेल टैंकर में आग लग जाने की सूचना है। ईरान की नौसेना ने इसकी पुष्टि की है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की नौसेना ने कहा कि ओमान सागर में एक तेल टैंकर में आग लग गई है। इससे पहले, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने बताया था कि होर्मुज जलडमरूमध्य में एक दूसरा तेल सुपरटैंकर नौसैनिक बारूदी सुरंग (नेवल माइन) से टकरा गया और उसमें आग लग गई।

ईरानी नौसेना ने कहा, नियमों का उल्लंघन करते हुए दो मिलियन बैरल से अधिक कच्चा तेल ले जा रहा एक सुपरटैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य से अवैध रूप से गुजरने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान वह एक बारूदी सुरंग से टकरा गया। इसके बाद जोरदार धमाका हुआ और भीषण आग लग गई। इस बयान में घटना की सटीक जगह का खुलासा नहीं किया गया। आईआरजीसी ने कहा, टैंकर ने अपने सभी ट्रैकिंग सिस्टम बंद करके अमेरिकी समर्थन के साथ इस जलडमरूमध्य को पार करने की कोशिश की थी।

यूके मैरीटाइम ट्रेड आपरेशंस मानिटरिंग एजेंसी ((यूकेएमटीओ) ने बताया कि पिछले रविवार से अब तक होर्मुज जलडमरूमध्य या उसके आसपास कम से कम 10 जहाजों पर हमले हुए हैं। फरवरी में युद्ध शुरू होने के बाद से एक हफ्ते में होने वाले हमलों की यह सबसे बड़ी संख्या है। महीने की शुरुआत से अब तक कुल 23 हमले दर्ज किए गए हैं, जो औसत से लगभग दोगुने हैं। ब्रिटिश समुद्री एजेंसी ने जानकारी दी कि सऊदी अरब के तट के पास एक जहाज पर हमला हुआ है। यह घटना एक दिन पहले की बताई गई है।

यूकेएमटीओ ने कहा, एक कैप्टन ने बताया है कि एक छोटी नाव से उनके जहाज पर राकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड से हमला किया गया, जिससे जहाज के पिछले हिस्से को नुकसान पहुंचा है। एजेंसी ने बताया कि जहाज का पूरा क्रू सुरक्षित है।

यूक्रेन 2037 तक 160 अरब डालर से अधिक का सार्वजनिक कर्ज चुकाएगा

मास्को। यूक्रेन आगामी 10 वर्ष में अपने सार्वजनिक कर्ज के भुगतान और उससे जुड़ी अन्य अदायगी के लिए 160.348 अरब डालर चुकाएगा। रिया नोवोस्ती ने यूक्रेन के वित्त मंत्रालय के भुगतान शेड्यूल का विश्लेषण कर यह निष्कर्ष निकाला है। यूक्रेन का वित्त मंत्रालय नियमित रूप से देश के सार्वजनिक कर्ज के लिए एक भुगतान शेड्यूल तैयार करता है। इस शेड्यूल में केवल वे भुगतान शामिल हैं जिन्हें मंत्रालय ने अपने भुगतान कैलेंडर में रखा है। यह यूक्रेन के कुल सार्वजनिक कर्ज की राशि को नहीं दर्शाता है। यह राशि अगस्त के अंत तक 215.55 अरब डालर तक पहुंच गई थी। भुगतान शेड्यूल के अनुसार, यूक्रेन को 2037 के अंत तक अपने विदेशी और घरेलू कर्ज की मूल राशि के रूप में 103.813 अरब डालर और कर्ज से जुड़ी अन्य अदायगी के लिए अतिरिक्त 56.535 अरब डालर चुकाने होंगे। कुल मिलाकर यूक्रेन अगले 10 वर्षों में अपने सार्वजनिक कर्ज की देनदारी को पूरा करने के लिए 160.348 अरब डालर का भुगतान करेगा।

फ्रांस में मैक्रों के खिलाफ लाखों लोग सड़कों पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे, लाठीचार्ज

पेरिस (फ्रांस)

फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के खिलाफ गुस्सा भड़क उठा। लगभग साढ़े पांच लाख लोग सड़कों पर उतरे। अकेले राजधानी पेरिस में प्रदर्शनकारियों की संख्या लगभग एक लाख बताई गई है। आंदोलनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। स्थिति बेकाबू होने पर लाठीचार्ज करना पड़ा। सरकार विरोधी प्रदर्शन राजधानी से बाहर अन्य इलाकों में फैल गया है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, गृहमंत्री लारेंट नुनेज ने बताया कि पूरे फ्रांस में लगभग 5,50,000 प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे, जिनमें से 1,10,000 लोग पेरिस में थे। आयोजकों का अनुमान है कि यह संख्या और भी अधिक थी। इस सप्ताहांत रेनेस, ल्योन और मार्सिले में भी प्रदर्शन हुए। ऐसी तस्वीरें सामने आईं जिनमें लोग ऐतिहासिक मूर्तियों पर चढ़े हुए थे और इमारतों में आग लगी हुई थी। बताया जा रहा है कि शाम होते-होते लिले और मार्सिले में प्रदर्शनकारी सरकारी इमारतों के अंदर घुस गए।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के नेतृत्व में लोकतंत्र असुरक्षित है। वह अरबपति हैं और मीडिया को नियंत्रित करते हैं। हम बदलाव को बदलने के लिए लड़ रहे हैं। दक्षिणी फ्रांस के मार्सिले में प्रदर्शन शुरू होने से पहले हुई झड़पों के दौरान पुलिस ने एक प्रदर्शनकारी को हिरासत में लिया। पुलिस ने कहा कि पेरिस में रात होते ही युवाओं के कुछ समूहों ने लूटपाट की और आग लगा दी। इसके जवाब में पुलिस ने तंग गलियों में आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया।

मैक्रों ने अराजकता फैलाने वालों की निंदा की है। उन्होंने चेतावनी दी कि जिन लोगों ने तोड़फोड़ की है, पुलिस थानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर हमले किए हैं और टाउन हाल में लूटपाट की है उन पर मुकदमा चलाया जाएगा और उन्हें सजा दी जाएगी। पेरिस पुलिस ने कहा, हम दंगाइयों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों पर हमला करने वालों के सामने पीछे नहीं हटेंगे। बताया गया है कि अब तक कम से कम 195 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

मस्क के सैटेलाइट सिस्टम पर प्रतिबंध से यूक्रेन नहीं कर पा रहा ड्रोन का इस्तेमाल: जेलेंस्की

कीव (यूक्रेन)/वाशिंगटन (अमेरिका)

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने कहा कि एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के सैटेलाइट सिस्टम के इस्तेमाल पर यूक्रेन के लिए अभी भी कुछ प्रतिबंध हैं। इस वजह से देश की सेना न तो रूसी हमलावर ड्रोन को रोकने के लिए अपने ड्रोन का इस्तेमाल कर पा रही है और न ही फ्रंट लाइन पर तैनात सैनिकों तक जरूरी सामान पहुंचाने के लिए इनका उपयोग कर पा रही है। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि वह अभी भी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ये प्रतिबंध ट्रंप प्रशासन के किसी राजनीतिक फैसले की वजह से हैं या मस्क की वजह से।

एक्सिओस की रिपोर्ट के अनुसार, इस संबंध में ट्रंप प्रशासन और स्पेसएक्स के अधिकारी एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। एक यूक्रेनी अधिकारी ने कहा, स्पेसएक्स कंपनी का कहना है कि यह एक तकनीकी समस्या है। लेकिन कंपनी में हमारे संपर्क सूत्र बताते हैं कि यह व्हाइट हाउस की तरफ से हो रहा है। जब हम व्हाइट हाउस से पूछते हैं, तो वे कहते हैं कि यह एलन मस्क की तरफ से है।

मस्क ने एक्स पोस्ट में कहा कि स्टारशील्ड सिस्टम में रुकावट डालने में अमेरिकी सरकार शामिल थी। उन्होंने लिखा, स्टारशील्ड सिस्टम अमेरिकी सरकार के स्वामित्व में है और उसी के नियंत्रण में है। इसकी स्पीड या इस्तेमाल पर कोई भी पाबंदी अमेरिकी सेना और अंततः अमेरिकी राष्ट्रपति तय करते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन के इस सिस्टम के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाने में व्हाइट हाउस का कोई हाथ नहीं है।

यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि प्रतिबंध लगने से पहले स्टारलिंक और स्टारशील्ड नेटवर्क उन ड्रोन पर भी काम करते थे जो 400 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलते थे। अब इसे 161 किलोमीटर प्रति घंटे तक सीमित कर दिया गया है। जेलेंस्की ने पत्रकारों से कहा कि देश की सेना ने यूरोपीय संघ के देशों में कारों के जरिए इस सिस्टम का परीक्षण किया। जब कारें 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थीं, तब भी सैटेलाइट सिस्टम काम कर रहा था। लेकिन जैसे ही कारें यूक्रेन की सीमा में दाखिल हुईं, 161 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पर सिस्टम डिस्कनेक्ट हो गया। जेलेंस्की ने कहा, निष्कर्ष यह है कि ये प्रतिबंध यूक्रेन के अंदर तो लागू हैं, लेकिन यूरोपीय संघ के देशों में नहीं। दूसरे शब्दों में कहें तो, यह एक सुनियोजित कदम है। जेलेंस्की ने स्पेसएक्स के इस दावे पर भी संदेह जताया कि स्पीड लिमिट तकनीकी समस्याओं की वजह से लगी है। उधर, अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने भारत यात्रा पर रवाना होने से पहले कहा उन्हें यकीन नहीं है कि जेलेंस्की को पता भी है कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं। रुबियो ने कहा कि अमेरिकी सरकार में किसी ने भी स्टारलिंक की स्पीड कम करने का आदेश नहीं दिया था। उल्लेखनीय है कि यूक्रेनी सेना अपने टोही और इंटरसेप्टर ड्रोन को नियंत्रित करने और चलाने के लिए स्पेसएक्स के स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशन सिस्टम का इस्तेमाल करती है। यूक्रेन दो सैटेलाइट सिस्टम पर निर्भर है। एक है स्पेसएक्स का स्टारलिंक। इसका इस्तेमाल संचार, थल सेना, लाजिस्टिक्स और रक्षात्मक ड्रोन (जो दुश्मन के ड्रोन को मार गिराते हैं) के लिए किया जाता है। दूसरा है स्टारशील्ड, जिसे अमेरिकी सरकार नियंत्रित करती है और इसका इस्तेमाल आक्रामक सैन्य उद्देश्यों के लिए किया जाता है। जेलेंस्की ने बताया कि शुक्रवार को यूक्रेन के मुख्य वार्ताकार रुस्तम उमेरोव ने ट्रंप के सलाहकार और दूत जेरेड कुशनर से बात की, जिसमें स्टारलिंक के मुद्दे पर चर्चा हुई।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कई दिनों से रुके काम भी पूरे हो सकते हैं. पारिवारिक संबंध मधुर रहेंगे. अपनी इमेज सुधारने का मौका भी आपको मिल सकता है. सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके लिए दिन उत्साहवर्धक है और मनोरंजन भी होता रहेगा. परिवार से जुड़े मामलों पर आपको ध्यान देना होगा. कुछ घरेलू उलझे हुए मामले सुलझ सकते हैं. शादीशुदा लोगों को सुख मिल सकता है. प्रेम बढ़ेगा. पुरानी बीमारियों में थोड़ा आराम मिल सकता है.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आप खुद को एनर्जेटिक महसूस करेंगे. और इसी ऊर्जा के चलते जो भी काम आप हाथ में लेंगे वो समय पर जरूर पूरा होगा. और इस बात को लेकर आपकी तारीफ भी होगी. इस राशि के इंजीनीयर्स आज अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे, तो उन्हें सफलता जरूर मिलेगी. आज जीवन में तरक्की के कुछ मौके आपके सामने आएंगे, जिसमें आप अपने जीवनसाथी की सलाह जरूर लें, उनकी सलाह आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगी.आज शिवलिंग का दही से अभिषेक करें, आपके सारे काम पूरे होंगे.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे और कुछ महंगी वस्तुओं की खरीदारी भी कर सकते हैं. भूमि में निवेश भी संभव है. व्यावसायिक रूप से दिन शुभ है. जिस प्रोजेक्ट और असाइनमेंट पर आप वर्तमान में काम कर रहे हैं, वह भविष्य में नई संभावनाओं को खोल सकता है. कार्य स्थल को पुनर्गठित करना या घर पर को पुन: व्यवस्थित करने की योजना पर आप कम कर सकते हैं. कुछ तनाव होने के कारण पारिवारिक माहौल तनावग्रस्त रह सकता है. किसी पारिवारिक सदस्य की अकस्मात बिगडती स्वास्थ्य स्थिति आपको परेशानी में डाल सकती है.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको अपने बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिल सकते हैं. आपके बच्चे समाज में आपका नाम रोशन करेंगे. प्यार दरकिनार हो सकता है क्योंकि कुछ छोटे-मोटे मतभेद अचानक उभरेंगे. आज जैसे ही आप हालात पर पकड़ बनाने की कोशिश शुरू करेंगे, आपकी घबराहट गायब हो जाएगी. अपने प्रयासों में सफलता पाने के लिए आपको मेहनत के साथ-साथ अपनी बुद्धि से भी काम लेना होगा तभी जाकर सकारात्मक परिणाम मिलने के आसार बनेंगें.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार में सुख-शांति बढ़ेगी. कार्यक्षेत्र में नए एग्रीमेंट और समझौते होने की संभावना है. सामाजिक कामकाज में सम्मान मिल सकता है. किसी अच्छे दोस्त से मुलाकात के योग बन रहे हैं. आपका ध्यान किसी दूर स्थान पर ज्यादा रहेगा. ऑफिस में कोई व्यक्ति गुप्त रूप से आपकी मदद कर सकता है. रोमांस के अच्छे अवसर मिलने के योग हैं. पार्टनर आपको आर्थिक मदद कर सकता है. आज आप साथ काम करने वाले की तरफ आकर्षित हो सकते हैं.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा. आज आप किसी काम में बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया एक्सपेरीमेंट करेंगे जिसमें आपको सफलता भी जरूर हासिल होगी. आपका आर्थिक पक्ष भी मजबूत रहेगा. वहीं अगर कुछ दिनों से स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी है तो उसनें आपको सुधार नज़र आएगा. आज लवमेट के साथ किसी रेस्टोरेंट में लंच का प्रोग्राम बना सकते हैं जिससे रिश्तों में आपको ताज़गी महसूस होगी. आज के दिन गाय को गुड खिलाए व्यापार में नए मार्ग खुलेंगे.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कुछ नया काम आरंभ हो सकता हैं। महत्वाकांक्षी उपक्रमों में निवेश करके आप अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं. व्यवसाय विस्तार की योजनाएं बनाई जाएंगी और यदि बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की इच्छा है तो वह भी आपको प्राप्त हो जायेगा. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप दोस्तों और परिवार के साथ आनंदमय समय व्यतीत करेंगे. कुछ जातकों के लिए नवीन प्रेम सम्बन्ध नई आशाओं को जन्म देगा.दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको बच्चों की तरफ से खुशखबरी मिलने के योग नजर आ रहे हैं. परिजनों के साथ उग्र वाद-विवाद होने की संभावना है. छाती में दर्द या अन्य किसी विकार से व्यग्रता का अनुभव हो सकता है. जरूरत से ज्यादा काम अपने सिर पर लेने से टेंशन हो सकती है. आपको मेहनत भी ज्यादा करनी होगी. विरोध में आ रही सभी परेशानियां दूर होगी तथा इन्हें नए कार्य करने के अवसर प्राप्त होंगे. आप पैसा बना सकते हैं बस नये तरीकों को आजमाना होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके काम बनते चले जाएंगे. सोच-समझकर फैसले लेने से ही फायदा हो सकता है. पैसों की स्थिति में अच्छे खासे बदलाव के मौके मिल सकते हैं. परिवार, समाज में आपका महत्व बढ़ेगा. प्रेम संबंधों में सफलता मिलेगी. जीवनसाथी के साथआपके संबंध और गहरे हो सकते हैं. पार्टनर के साथ आज अच्छा समय बीतेगा. सेहत में उतार-चढ़ाव आने की संभावना है. आज सादा और हल्काफुलका भोजन ही करना बहतर रहेगा

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपको सफलता पाने के लिए थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी होगी. साथ ही आज आप मानसिक अशांति से भी ग्रस्त हो सकते हैं. जीवनसाथी से किसी बात को लेकर मनमुटाव हो सकता हैं आज आपको खुद में एनर्जी की कमी महसूस होगी. जिसके चलते आप बेमन से कार्यों को पूरा करेंगे. आपके स्वास्थ्य में भी गिरावट आ सकती है. हालांकि आज आपको किसी की मदद भी मिल सकती है आज आप अपने विचारों और भावनाओं को नियंत्रित रखना ही फायदेमंद होगा. आज के दिन आपको जरुरतमंद की मदद करनी चाहिए

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यदि आप अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहते हैं तो यह एक नए गठबंधन में प्रवेश करने के लिए यह अच्छा समय है. कुछ महत्वपूर्ण कार्य से संबंधित यात्रा पर जाना पड़ सकता है. अच्छी तरह से सोचा गया निर्णय भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करने में मदद करेगा. पारिवारिक हितों को ध्यान में रखते हुए आप कुछ नई बचत योजनाओं को लागू करेंगे. आप राजनीति से जुड़े हुए हैं तो नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपके वैवाहिक जीवन के साथ-साथ अपने करियर को अनदेखा न करें, इन दोनों को आपकी देखभाल की ज़रूरत है. आपको कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे जिसके चलते आपको तनाव और बेचैनी का सामना करना पड़ सकता है. आज अपना आपा न खोएँ, नहीं तो परिवार में कभी न मिटने वाली दरार पड़ सकती है. नुकसान हो सकता है. मेहमानों का आगमन होगा. पारिवारिक सुखों को भोगने का समय आ गया है. अपने हाथों से गौ सेवा करें ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे ।

आज का पंचांग

दिनांक : 19 अक्टूबर 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आश्विन, शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी प्रात: 10:53 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा सायं 03:39 तक
योग : धृति रात्रि 12:34 तक
करण : बव प्रात: 10:53 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:10 ,सूर्यास्त 05:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय :06:10 , सूर्यास्त 05:58 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 05:50 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 05:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : महागौरी पूजन , महाअष्टमी पूजन , सोमश्रवण अमृत सिद्धि योग सायं 03:59 से रात्रि 05:51 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

केबीसीए दुर्गोत्सव 2026: हैदराबाद में सप्तमी पर भव्य सांस्कृतिक उत्सव

7 हजार से अधिक लोगों ने लिया भाग

हैदराबाद, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोंडापुर बंगाली कल्चरल एसोसिएशन (केबीसीए) ने केबीसीए दुर्गोत्सव 2026 के अंतर्गत सप्तमी का भव्य आयोजन सेंटर फॉर कल्चरल रिसोर्सेज एंड ट्रेनिंग (सीसीआरटी), माधापुर, हैदराबाद में किया। इस अवसर पर बंगाली परंपराओं, भक्ति कार्यक्रमों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का रंगारंग संगम देखने को मिला।

दिन की शुरुआत बच्चों की ड्राइंग प्रतियोगिता से हुई, जिसमें छोटे प्रतिभागियों ने दुर्गा पूजा की उत्सवपूर्ण भावना को अपनी रचनात्मकता से जीवंत किया। पारंपरिक महाभोग इस दिन का एक प्रमुख आकर्षण रहा, जिसमें 1,500 से अधिक भक्तों ने भाग लिया और मां दुर्गा का आशीर्वाद लिया। उत्सव में पारंपरिक धुनुचि नाच ने रंग भर दिया। केबीसीए की महिलाओं ने ऊर्जावान प्रदर्शन किया। पारंपरिक लाल-सफेद साड़ी और पंजाबी पोशाक में सजे पुरुष-महिलाओं ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया।

पुरुलिया, बंगाल के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत छऊ नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसकी शक्तिशाली चालें और विशिष्ट लोक परंपराएं सराहनीय रहीं। बच्चों ने हनुमान चालीसा का भावपूर्ण गान प्रस्तुत कर भक्ति का माहौल और गहरा कर दिया।

शाम को टीम ताल के ऊर्जावान संगीत कार्यक्रम ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। सांस्कृतिक संध्या में 7,000 से अधिक लोगों की उपस्थिति ने उत्सव के प्रति बढ़ते जन-समर्थन को दर्शाया।

केबीसीए अध्यक्ष अयन देब बर्मन ने कहा कि परिवारों, भक्तों और आगंतुकों की उत्साही भागीदारी एसोसिएशन के बंगाली संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के प्रयासों के प्रति समुदाय के बढ़ते स्नेह को दर्शाती है। सप्तमी के आयोजन ने सभी आयु वर्ग के लोगों को एक साथ आने और दुर्गा पूजा की भावना का अनुभव करने का मंच प्रदान किया।

उत्सव का सफल संचालन उपाध्यक्ष तनया भट्टाचार्य, महासचिव सुभदीप भट्टाचार्य, संयुक्त सचिव सुभाजीत घोष, कोषाध्यक्ष शशांक मित्रा सहित कार्यकारिणी सदस्यों अनिर्बान गोस्वामी, जे. शंकर परिदा, सौरभ मैती, बिस्वजित् घोष, शौविक एस. मजूमदार तथा स्वयंसेवकों एवं सदस्य परिवारों के सहयोग से हुआ।

केबीसीए दुर्गोत्सव 2026 का आयोजन 16 से 21 अक्टूबर तक चल रहा है। इसका उद्देश्य बंगाली विरासत का संरक्षण, युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन और विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के लोगों के लिए समावेशी मंच तैयार करना है।इस उद्घाटन संस्करण के टाइटल स्पॉन्सर राधे ग्रुप हैं। साथ ही एयरॉक हॉस्पिटल्स, संस्कृति स्कूल, ग्लो बाय कीर्तिलाल, पैलेस हाइट्स तथा अन्य सहयोगी संस्थानों और शुभचिंतकों का भी सहयोग मिला है।

उत्सव 21 अक्टूबर तक सीसीआरटी, माधापुर में जारी रहेगा, जहां और सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा पारंपरिक दुर्गा पूजा की रस्में आयोजित की जाएंगी।

जीवन में नौ बार करें आयम्बिल, घर में होगा सुख-शांति का वास : हितेशमुनिजी म. सा.

लोभ व्यक्ति को कातिल, जबकि संतोष केवली बना देता है : सचिनमुनिजी म. सा.

पूज्य मुकेशमुनिजी म. सा. के सानिध्य में नवपद आयम्बिल ओली आराधना प्रारंभ

हैदराबाद, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रद्धा एवं विधिपूर्वक की जाने वाली आराधना कभी व्यर्थ नहीं जाती। श्रद्धापूर्वक नवपद ओलीजी की आराधना करने वालों के सभी संकट दूर हो जाते हैं। जीवन में प्रत्येक व्यक्ति को नौ बार आयम्बिल की आराधना अवश्य करनी चाहिए। इससे घर में सुख, शांति एवं समृद्धि का वास होता है। ये विचार श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, खैरताबाद एवं श्री मरूधर केसरी रूप सुकून चातुर्मास समिति, त्रयनगर के तत्वावधान में आयोजित धर्मसभा में प्रज्ञारत्न हितेशमुनिजी म. सा. ने व्यक्त किए।

पूज्य दादा गुरुदेव मरूधर केसरी मिश्रीमलजी म. सा., लोकमान्य संत, शेर-ए-राजस्थान एवं वरिष्ठ प्रवर्तक पूज्य गुरुदेव श्री रूपचंदजी म. सा. के शिष्य, मरुधरा भूषण, शासन गौरव एवं प्रवर्तक पूज्य गुरुदेव श्री सुकनमुनिजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती युवा तपस्वी पूज्य श्री मुकेशमुनिजी म. सा. के पावन सानिध्य में रविवार को नवपद आयम्बिल ओली आराधना प्रारंभ हुई। इस अवसर पर हितेशमुनिजी म. सा. ने प्रवचन देते हुए ओली आराधना के अंतर्गत श्रीपाल-मैनासुंदरी चरित्र का वाचन प्रारंभ किया। उन्होंने बताया कि जब श्रीपाल पांच वर्ष के थे, तब उनके पिता का निधन हो गया और उनकी माता को कुष्ठ रोग हो गया। उन्होंने जानकारी दी कि ओलीजी का समापन 26 अक्टूबर को होगा, जबकि ओलीजी करने वाले तपस्वियों का सामूहिक पारणा 27 अक्टूबर को होगा।

धर्मसभा में भगवान महावीर स्वामी की अंतिम देशना उत्तराध्ययन सूत्र की 27 दिवसीय आराधना के पांचवें दिन प्रार्थनार्थी श्री सचिनमुनिजी म. सा. ने आठवें अध्याय ङ्कापिलीयफ का वाचन करते हुए उससे जुड़े प्रसंगों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मुनि कपिल द्वारा इस अध्ययन का गायन किए जाने के कारण इसे ङ्कापिलीयफ कहा गया है। इसमें कपिल कश्यप का वर्णन है। उनके भावों में परिवर्तन आने पर उन्हें धन-वैभव तुच्छ लगने लगा और उन्होंने संतोष के सहारे तृष्णा रूपी शत्रु पर विजय प्राप्त कर ली। परिणामों की शुद्धि हुई और चार घाति कर्मों का क्षय होने से वे केवलज्ञानी बन गए।

सचिनमुनिजी म. सा. ने कहा कि जैसे-जैसे लाभ बढ़ता जाता है, वैसे-वैसे लोभ भी बढ़ता जाता है। जिसे अपनी आत्मा में छिपा वैभव दिखाई देने लगता है, उसे बाहरी खजानों से कोई मतलब नहीं रहता। मुनिश्री ने कहा कि जो कर्तव्य के आँसुओं को भुलाकर स्वार्थ के आँसुओं में डूब जाता है, वह अपने मार्ग से भटक जाता है। बिना सोचे देने वाला शालिभद्र बनता है और सोचकर माँगने वाला केवली बनता है। माँगने से पहले अर्पण करना सीखें, क्योंकि दिया हुआ प्रसाद बन जाता है। उन्होंने कहा, लोभ व्यक्ति को कातिल बना देता है और संतोष व्यक्ति को केवली बना देता है।

धर्मसभा में सेवारत्न श्री हरीशमुनिजी म. सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने उपवास, आयम्बिल, एकासन आदि के प्रत्याख्यान लिए। विभिन्न स्थानों से श्रावक-श्राविकाएँ गुरुदर्शन एवं धर्मलाभ प्राप्त करने के लिए पहुँचे। अतिथियों का खैरताबाद श्री संघ की ओर से स्वागत किया गया।

धर्मसभा में खैरताबाद श्री संघ के चेयरमैन नवरत्नमल गुन्देचा, अध्यक्ष शांतिलाल भलगट, कार्याध्यक्ष धर्मीचंद बोहरा, उपाध्यक्ष शांतिलाल गांधी एवं प्रकाशचंद सेहलोत, मंत्री भरतकुमार झारमुथा, प्रचार-प्रसार मंत्री राहुलकुमार मुणोत, चातुर्मास समिति संयोजक सोहनलाल गुगलिया, माणकचंद पोखरना, अनिलकुमार चाणोदिया, लादूराम डंक, महावीरचंद चाणोदिया, रमेशचंद भलगट, सुभाषचंद सुराणा, बसंतराज भलगट, राजेशकुमार गुन्देचा एवं सुखदेव पटेल आदि उपस्थित थे।

आयम्बिल ओली तप के लाभार्थी नथमल, जगदीश, श्रीपाल एवं महिपाल भंडारी परिवार, हब्सीगुड़ा, हैदराबाद (मरूधर में बुसी) रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री संघ के महामंत्री रणजीतमल गुन्देचा ने किया। धर्मसभा में हैदराबाद के विभिन्न क्षेत्रों से श्रावक-श्राविकाएँ शामिल हुए। चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना के बाद सुबह 9 बजे से मुनिवृंदों के प्रवचन हो रहे हैं।

धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों की भव्य छटा

रजत प्रतिमाओं की स्थापना एवं भव्य डांडिया-गरबा नाइट का आयोजन

हैदराबाद, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन रत्न रमेश पी. तातेड ने बताया कि रसूलपुरा, सिकंदराबाद स्थित तातेड निवास में रजत प्रतिमाओं श्री जीरावला पार्श्वनाथ दादा, श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ दादा तथा श्री ओसिया माताजी की विधि-विधानपूर्वक स्थापना की गई। इस पावन अवसर पर पुष्पाबेन रमेश पी. तातेड सहित परिवार के सभी सदस्यों ने मिलकर भव्य आरती एवं मंगल दीप किया। इसके बाद भगवान को लापसी और नारियल का भोग अर्पित किया गया तथा सभी ने प्रसादी ग्रहण की।

रमेश पी. तातेड, सिरोही ने बताया कि फंटास्टिक मंडेरियन किटी के अंतर्गत भव्य डांडिया-गरबा नाइट का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। इस सांस्कृतिक आयोजन में मनोज-सोनल, मनीष-मीना भौडतरीया, राजेश-मेघना मुथा, कोठारी, दोशी, चौंवटिया एवं भौडतरीया परिवार सहित अन्य गणमान्य सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रंगारंग प्रस्तुतियों और पारंपरिक गरबा-डांडिया ने आयोजन को यादगार बना दिया। धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक उल्लास से परिपूर्ण इन आयोजनों में पारिवारिक एकता, परंपराओं के प्रति सम्मान और सामाजिक मेल-मिलाप की सुंदर झलक देखने को मिली।

नवरात्रि पर यादवराव सूर्यवंशी ने की दुर्गा पूजा

मदनूर, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के एमआरपीएस के वरिष्ठ नेता यादवराव सूर्यवंशी ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ मदनूर मंडल के बड़ा शक्करगा गांव में दुर्गा माता की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर स्थानीय पुरोहित ने नेताओं को विधि-विधानपूर्वक पूजा संपन्न कराते हुए शुभ आशीर्वाद प्रदान किया।

इसी क्रम में मदनूर मंडल के हांडे केलर गांव स्थित दुर्गा माता मंदिर परिसर में महाप्रसाद का आयोजन किया गया। नवरात्रि के अवसर पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों से क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

संगीतमय सुंदरकांड पाठ आयोजित

सिरपुर कागज नगर, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष, कागज नगर मर्चेंट एसोसिएशन के सचिव, पाटा मंच के संस्थापक सदस्य एवं मारवाड़ी समाज के सेवा कार्यों में अग्रणी रहने वाले पुरुषोत्तम झवर के परिवार की ओर से सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिवार के सदस्यों, इष्ट मित्रों एवं स्नेहीजनों ने भाग लिया। कागज नगर के हनुमान मंदिर, गणेश मंदिर और राम मंदिर में प्रत्येक मंगलवार को सायंकाल नियमित रूप से सुंदरकांड पाठ आयोजित होता है। इस धार्मिक परंपरा को निरंतर बनाए रखने का श्रेय पुरुषोत्तम झवर के प्रयासों को दिया जाता है। कार्यक्रम में पंकज कमल असावा ने अपनी मधुर वाणी में संगीतमय सुंदरकांड पाठ प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राधाकिशन झवर परिवार के सभी सदस्य, स्नेहीजन एवं मित्र उपस्थित रहे।

केसीआर तालाब पर वमसी कृष्णा ने उठाए सवाल

100 करोड़ रुपये की लागत और पानी की आपूर्ति पर मांगा जवाब

पेद्दापल्ली, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली के सांसद गड्डम वमसी कृष्णा ने केसीआर तालाब के निर्माण पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से बने इस तालाब की क्षमता 10 करोड़ लीटर है। उन्होंने आरोप लगाया कि कोंडापोचम्मा सागर से पाइपों के जरिए केसीआर के फार्महाउस तक पानी पहुंचाया गया और जनता के धन के उपयोग पर जवाब मांगा। सांसद ने कालेश्वरम परियोजना में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाते हुए कहा कि काका वेंकटस्वामी ने उत्तरी तेलंगाना के किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना का प्रस्ताव रखा था, जिसे बाद में केसीआर सरकार ने पुनर्गठित किया।

उन्होंने कहा कि 1969 के तेलंगाना आंदोलन से लेकर आज तक जनता के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी है और कथित अनियमितताओं को जनता के सामने लाया जाएगा।

बतुकम्मा उत्सव में विधायक पोचारम ने लिया भाग

बांसवाड़ा, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की संस्कृति और परंपरा के प्रतीक बथुकम्मा उत्सव के अवसर पर बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक पोचारम श्रीनिवास रेड्डी ने विभिन्न गांवों में आयोजित समारोहों में भाग लिया। उन्होंने अपने गृह नगर पोचारम के अलावा पोथंगल मंडल के कल्लुरु और वर्णी मंडल के जलालपुर गांव में आयोजित बथुकम्मा उत्सव में सहभागिता की। इसके साथ ही बांसवाड़ा शहर के पुराने बांसवाड़ा स्थित सरस्वती मंदिर के समारोह कक्ष और कल्कि चेरुवु तटबंध पर आयोजित कार्यक्रमों में अपनी पत्नी श्रीमती पुष्पा गारू, बेटियों और बच्चों के साथ भाग लिया।

इन कार्यक्रमों में बांसवाड़ा के राजस्व मंडल अधिकारी (आरडीओ) श्री रविंदर रेड्डी, पोचारम शंभू रेड्डी सहित अन्य लोगों ने भाग लिया।

सुरेश शाटकर ने कोटा दुर्गम्मा का दौरा किया

बांसवाड़ा, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ज़हीराबाद के सांसद सुरेश शाटकर ने बांसवाड़ा के कोटागली में श्री कोटा दुर्गम्मा मंदिर का दौरा किया और मंदिर कमिटी के सदस्यों ने उनका शानदार स्वागत किया। बाद में, कमिटी के सदस्यों ने शाटकर को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस मौके पर बोलते हुए, चझ शाटकर ने भरोसा दिलाया कि वे मंदिर के विकास के लिए अपनी पूरी कोशिश करेंगे। इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेता, मंदिर कमिटी के सदस्य, महिला भक्त और अन्य लोग मौजूद थे।

हिन्दू पौराणिक शास्त्रों के अनुसार हम मंत्र जप के लिए जिस माला का उपयोग करते है, उसमें दानों की संख्या 108 होती है। शास्त्रों में 108 संख्या का अत्यधिक महत्व है। इसके पीछे कई धार्मिक, ज्योतिषक और वैज्ञानिक मान्यताएं हैं, कि माला में 108 ही दाने क्यों होते हैं। आइए हम यहां जानते है ऐसी ही कुछ मान्यताओ के बारे में और जानेंगे आखिर माला का प्रयोग क्यों करना चाहिए मन्त्र जाप के लिए।

क्यों होते है माला में 108 दाने, रुद्राक्ष से बनी माला मंत्र जप के लिए सर्वश्रेष्ठ क्यों

हिन्दू ग्रंथों के अनुसार रुद्राक्ष से बनी माला मंत्र जप के लिए सर्वश्रेष्ठ होती है। रुद्राक्ष को महादेव का प्रतीक माना गया है। रुद्राक्ष में सूक्ष्म कीटाणुओं का नाश करने की शक्ति भी होती है और रुद्राक्ष वातावरण में मौजूद सकारात्मक ऊर्जा को ग्रहण करके साधक के शरीर में पहुंचा देता है। रुद्राक्ष से अलग यह माला तुलसी, स्फटिक, मोती या नगों से भी बनी होती है। प्राचीन काल से ही बडे-बडे तपस्वी, साधु-संत इस उपाय को अपनाते रहे हैं।

भगवान की पूजा के लिए कुश का आसन बहुत जरूरी है, इसके बाद दान-पुण्य जरूरी है। जब भी मंत्र जप करें, माला का उपयोग अवश्य करना चाहिए। माला के बिना संख्याहीन किए गए मंत्र जप का भी पूर्ण फल प्राप्त नहीं हो पाता है। जो भी व्यक्ति माला की मदद से मंत्र जप करता है, उसकी मनोकामनएं बहुत जल्द पूर्ण होती हैं। मंत्र जप निर्धारित संख्या 108 के अनुसार किए जाए तो सर्व श्रेष्ठ रहता है। शास्त्रों के अनुसार एक पूर्ण रूप से स्वस्थ व्यक्ति दिनभर में जितनी बार सांस लेता है, व्यक्ति के सांस से ही माला के दानों की संख्या 108 का संबंध है। सामान्यत: 24 घंटे में एक व्यक्ति करीब 21600 बार सांस लेता है।

दिन के 24 घंटों में से 12 घंटे दैनिक कार्यों में व्यतीत हो जाते हैं और शेष 12 घंटों में व्यक्ति सांस लेता है 10800 बार। शास्त्रों के अनुसार व्यक्ति को हर सांस पर यानी पूजन के लिए निर्धारित समय 12 घंटे में 10800 बार ईश्वर का ध्यान करना चाहिए, लेकिन यह संभव नहीं हो पाता है। इसीलिए 10800 बार सांस लेने की संख्या से अंतिम दो शून्य हटाकर जप के लिए 108 संख्या निर्धारित की गई है। इसी संख्या के आधार पर जप की माला में 108 दाने होते हैं।

वैज्ञानिक महत्त्व:

वैज्ञानिकों के अनुसार माला के 108 दाने और सूर्य की कलाओं का गहरा संबंध है। एक वर्ष में सूर्य 216000 कलाएं बदलता है और वर्ष में दो बार अपनी स्थिति भी बदलता है। छह माह उत्तरायण रहता है और छह माह दक्षिणायन। अत: सूर्य छह माह की एक स्थिति में 108000 बार कलाएं बदलता है। इसी संख्या 108000 से अंतिम तीन शून्य हटाकर माला के 108 मोती निर्धारित किए गए हैं। माला का एक-एक दाना सूर्य की एक-एक कला का प्रतीक है। सूर्य ही व्यक्ति को तेजस्वी बनाता है, सूर्य ही एकमात्र साक्षात दिखने वाले देवता हैं, इसी वजह से सूर्य की कलाओं के आधार पर दानों की संख्या 108 निर्धारित की गई है। माला के दानों की संख्या 108 संपूर्ण ब्रहमांड का प्रतिनिधित्व करती है। ज्योतिष के अनुसार सम्पूर्ण ब्रहमांड को 12 भागों (राशियों) में विभाजित किया गया है। इन 12 भागों (राशियों) के नाम मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर,कुंभ और मीन हैं। इन 12 राशियों में नौ ग्रह सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु विचरण करते हैं। अत: विचरण ग्रहों की संख्या 9 का गुणा 12 राशियों की संख्या में किया जाए तो संख्या 108 प्राप्त हो जाती है। ज्योतिष के अनुसार इसी संख्या के आधार पर जप की माला में 108 दाने होते हैं।

षियों के अनुसार

एक अन्य मान्यता के अनुसार ऋषियों ने में माला में 108 दाने रखने के पीछे ज्योतिषी कारण बताया है। शास्त्रों के अनुसार कुल 27 नक्षत्र बताए गए हैं। हर नक्षत्र के 4 चरण होते हैं और 27 नक्षत्रों के कुल चरण 108 ही होते हैं। माला का एक-एक दाना नक्षत्र के एक-एक चरण का प्रतिनिधित्व करता है। मंत्र जप की माला में सबसे ऊपर एक बडा दाना होता है जो कि सुमेरू कहलाता है। सुमेरू से ही जप की संख्या प्रारंभ होती है और यहीं पर खत्म भी। जप का एक चक्र पूर्ण होकर सुमेरू दाने तक पहुंच जाता है तब माला को पलटा लिया जाता है। सुमेरू को कभी भी लांघना नहीं चाहिए। जब भी मंत्र जप पूर्ण करें तो सुमेरू को माथे पर लगाकर नमन करना चाहिए। इससे जप का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

इस तरह के उपाय से घर में लक्ष्मी का आगमन होता है

लक्ष्मी आगमन के विशेष वास्तु उपचार ।वास्तु शास्त्र का आधार प्रकृति है। आकाश, अग्नि, जल, वायु एवं पृथ्वी इन पांच तत्वों को वास्तु-शास्त्र में पंचमहाभूत कहा गया है। शैनागम एवं अन्य दर्शन साहित्य में भी इन्हीं पंच तत्वों की प्रमुखता है। चीनी फेंगशुई में केवल दो तत्वों की प्रधानता है- वायु एवं जल की। वस्तुत: ये पंचतत्व सनातन हैं। ये मनुष्य ही नहीं बल्कि संपूर्ण चराचर जगत पर प्रभाव डालते हैं। वास्तु शास्त्र पकृति के साथ सामंजस्य एवं समरसता रखकर भवन निर्माण के सिद्धांतों का प्रतिपादन करता है। ये सिद्धांत मनुष्य जीवन से गहरे जुडे हैं। सृष्टिकर्ता परमेश्वर पृथ्वी, जल, तेज (अग्नि), प्रकाश, वायु व आकाश को रचकर, उन्हें संतुलित रखकर संसार को नियमपूर्वक चलाते हैं। मननशील विद्वान लोग उन्हें अपने भीतर जानकर संतुलित हो प्रबल प्रशस्त रहते हैं। इन्हीं पांच संतुलित तत्वों से निवास गृह व कार्य गृह आदि का वातावरण तथा वास्तु शुद्ध व संतुलित होता है, तब प्राणी की प्रगति होती है।

शैनागम एवं अन्य दर्शन साहित्य में भी इन्हीं पंच तत्वों की प्रमुखता है। चीनी फेंगशुई में केवल दो तत्वों की प्रधानता है- वायु एवं जल की। वस्तुत: ये पंचतत्व सनातन हैं। ये मनुष्य ही नहीं बल्कि संपूर्ण चराचर जगत पर प्रभाव डालते हैं।

गृह निर्माण इस प्रकार का हो कि सूर्य का प्रकाश सब दिशाओं से आए तथा सब प्रकार से ऋतु अनुकूल हो, ताकि परिवार स्वस्थ रहे। राह चलता राहगीर भी अंदर न झांक पाए, न ही गृह में वास करने वाले बाहर वालों को देख पाएं। ऐसे उत्तम गृह में गृहिणी की निज संतान उत्तम ही उत्तम होती है। वास्तु शास्त्र तथा वास्तु कला का वैज्ञानिक और आध्यात्मिक आधार वेद और उपवेद हैं।

गृह के मुख्य द्वार को गृहमुख माना जाता है। इसका वास्तु शास्त्र में विशेष महत्व है। यह परिवार व गृहस्वामी की शालीनता, समृद्धि व विद्वत्ता दर्शाता है। इसलिए मुख्य द्वार को हमेशा बाकी द्वारों की अपेक्षा बडा व सुसज्जित रखने की प्रथा रही है। पौराणिक भारतीय संस्कृति के अनुसार इसे कलश, नारियल व पुष्प, केले के पत्र या स्वास्तिक आदि से अथवा उनके चित्रों से सुसज्जित करना चाहिए।

अथर्ववेद में कहा गया है-
पन्चवाहि वहत्यग्रमेशां प्रष्टयो युक्ता अनु सवहन्त।
अयातमस्य दस्ये नयातं पर नेदियोवर दवीय ॥ 10 /8 ॥

मुख्य द्वार चार भुजाओं की चौखट वाला हो। इसे दहलीज भी कहते हैं। इससे निवास में गंदगी भी कम आती है तथा नकारात्मक ऊर्जाएं प्रवेश नहीं कर पातीं। प्रात: घर का जो भी व्यक्ति मुख्य द्वार खोले, उसे सर्वप्रथम दहलीज पर जल छिडकना चाहिए , ताकि रात में वहां एकत्रित दूषित ऊर्जाएं घुलकर बह जाएं और गृह में प्रवेश न कर पाएं।

गृहिणी को चाहिए कि वह प्रात:

सर्वप्रथम घर की साफ-सफाई करे या कराए। तत्पश्चात स्वयं नहा-धोकर मुख्य प्रवेश द्वार के बाहर एकदम सामने स्थल पर सामर्थ्य के अनुसार रंगोली बनाए। यह भी नकारात्मक ऊर्जाओं को रोकती है। मुख्य प्रवेश द्वार के ऊपर केसरिया रंग से 9ग9 परिमाण का स्वास्तिक बनाकर लगाएं। मुख्य प्रवेश द्वार को हरे व पीले रंग से रंगना वास्तुसम्मत होता है। खाना बनाना शुरू करने से पहले पाकशाला का साफहोना अति आवश्यक है। रोसोईये को चाहिए कि मंत्र पाठ से ईश्वर को याद करे और कहे कि मेरे हाथ से बना खाना स्वादिष्ट तथा सभी के लिए स्वास्थ्यवर्द्धक हो। पहली चपाती गाय के, दूसरी पक्षियों के तथा तीसरी कुत्ते के निमित्त बनाए। तदुपरांत परविार का भोजन आदि बनाए।

निवास गृह या कार्यालय में शुद्ध ऊर्जा के संचार हेतुप्रात:

व सायं शंख-ध्वनि करें। गुग्गुल युक्त धूप व अगरवत्ती प्रज्वलित करें तथा क्क का उच्चारण करते हुए समस्त गृह में धूम्र को घुमाएं। प्रात: काल सूर्य को अर्य देकर सूर्य नमस्कार अवश्य करें। यदि परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अनकूल रहेगा, तो गृह का स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा। ध्यान रखें, आईने व झरोखों के शीशों पर धूल नहीं रहे। उन्हें प्रतिदिन साफरखें। गृह की उत्तर दिशा में विभूषक फव्वारा या मछली कुंड रखें। इससे परिवार में समृद्धि की वृद्धि होती है।

मोहिनी के पुत्र हैं भगवान अय्यप्पा

श्रीहरि ने मोहिनी अवतार लिया था। उन्होंने यह अवतार तब लिया, जब समुद्र मंथन से अमृत निकला था। और देवताओं और दानवों में यह वितरित करना था। हालांकि मोहिनी अवतार में श्रीहरि ने छल से देवताओं को अमृत और दानवों को अन्य द्रव्य पिलाया था। पौराणिक मतानुसार दरअसल विष्णु जी के मोहनी रूप को ही अय्यप्पा की मां माना जाता है।

श्रीहरि का मोहिनी रूप काफी आकर्षक था। उन्होंने यह रूप लोककल्याण के लिए लिया था। इस रूप में श्रीहरि एक बहुत सुंदर युवा स्त्री के रूप में प्रकट हुए थे। अग्नि पुराण 3.12 में वर्णित है कि अमृत वितरण के लिए श्रीहरि यानी विष्णु जी द्वारा मोहिनी रूप धारण किया गया। और इसी समय भगवान शिव मोहिनी रूप पर आसक्त होकर स्लखित हो गए थे। किंवदंती है कि जहां शिव स्खलित हुए वह स्थान गंगोत्री था। दरअसल यह तत्व ही अमुल्य पारद तत्व है। गंगाजल के कण-कण में पारद है। हिंदू शास्त्रानुसार यह पारद ही है जो संपूर्ण जगत के सृजन का मूलाधार है क्योंकि यह संसार आदि शक्ति के रज अर्थात गंधक और शिव की वीर्य अर्थात पारद से बना है।

इस व्रत के पुण्य से कई जन्मों के पाप भी नष्ट हो जाते हैं

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मोहिनी एकादशी कहते हैं। धर्मशास्त्रों के अनुसार यह तिथि सब पापों को हरने वाली और उत्तम है ।इस दिन जो व्रत रहता है उसके व्रत के प्रभाव से मनुष्य मोहजाल तथा पापों से छुटकारा पा जाते हैं।

इसकी विधि -

जो व्यक्ति मोहिनी एकादशी का व्रत करे, उसे एकदिन पूर्व अर्थात दशमी तिथि की रात्रि से ही व्रत के नियमों का पालन करना चाहिए। व्रत के दिन एकादशी तिथि में व्रती को सुबह सूर्योदय से पहले उठना चाहिए और नित्य कर्म कर शुद्ध जल से स्नान करना चाहिए। स्नान के लिये किसी पवित्र नदी या सरोवर का जल मिलना श्रेष्ठ होता है। अगर यह संभव न हों तो घर में ही जल से स्नान करना चाहिए। स्नान करने के लिये कुश और तिल के लेप का प्रयोग करना चाहिए। स्नान करने के बाद साफ वस्त्र धारण करने चाहिए। इस दिन भगवान श्रीविष्णु के साथ-साथ भगवान श्रीराम की पूजा भी की जाती है। व्रत का संकल्प लेने के बाद ही इस व्रत को शुरु किया जाता है। संकल्प लेने के लिये इन दोनों देवों के समक्ष संकल्प लिया जाता है। देवों का पूजन करने के लिये कलश स्थापना कर, उसके ऊपर लाल रंग का वस्त्र बांध कर पहले कलश का पूजन किया जाता है।

इसके बाद इसके ऊपर भगवान कि तस्वीर या प्रतिमा रखें तत्पश्चात भगवान की प्रतिमा को स्नानादि से शुद्ध कर उत्तम वस्त्र पहनाना चाहिए। फिर धूप, दीप से आरती उतारनी चाहिए और मीठे फलों का भोग लगाना चाहिए। इसके बाद प्रसाद वितरीत कर ब्राहमणों को भोजन तथा दान दक्षिणा देनी चाहिए। रात्रि में भगवान का कीर्तन करते हुए मूर्ति के समीप ही शयन करना चाहिए। इस एकादशी का व्रत रखने वाले को अपना मन साफरखना चाहिए। प्रात: काल सूर्योदय से पूर्व उठकर स्नान करें। इसके बाद शुद्ध वस्त्र पहनकर भगवान विष्णु की मूर्ति अथवा तस्वीर के सामने घी का दीपक जलाएं और तुलसी, फल, तिल सहित भगवान की पूजा करें। व्रत रखने वाले को स्वयं तुलसी पत्ता नहीं तोडना चाहिए। किसी के प्रति मन में द्वेष की भावना न लाएं और न ही किसी की निंदा करें। व्रत रखने वाले को पूरे दिन निराहार रहना चाहिए। शाम में पूजा के बाद चाहें तो फलाहार कर सकते हैं। एकादशी के दिन रात्रि जागरण का बडा महत्व है। संभव हो तो रात में जागकर भगवान का भजन कीर्तन करें। अगले दिन यानी द्वादशी तिथि को ब्राहमण को भोजन करवाने के बाद स्वयं भोजन करें।

मोहिनी एकादशी व्रत की कथा

भद्रावती नाम की सुंदर नगरी थी। वहां के राजा धृतिमान थे। इनके नगर में धनपाल नाम का एक वैश्य रहता था, जो धन-धान्य से परिपूर्ण था। वह सदा पुण्य कर्म में ही लगा रहता था। उसके पांच पुत्र थे। इनमें सबसे छोटा धृष्टबुद्धि था। वह पाप कर्मों में अपने पिता का धन लुटाता रहता था। एक दिन वह नगर वधू के गले में बांह डाले चौराहे पर घूमता देखा गया। इससे नाराज होकर पिता ने उसे घर से निकाल दिया तथा बंधु-बांधवों ने भी उसका परित्याग कर दिया। अब वह दिन-रात दु:ख और शोक में डूब कर इधर-उधर भटकने लगा। एक दिन किसी पुण्य के प्रभाव से महर्षि कौण्डिल्य के आश्रम पर जा पहुंचा। वैशाख का महीना था। कौण्डिल्य गंगा में स्नान करके आए थे। धृष्टबुद्धि शोक के भार से पीडित हो मुनिवर कौण्डिल्य के पास गया और हाथ जोडकर बोला, ''ब्राहमण ! द्विजश्रेष्ठ ! मुझ पर दया करके कोई ऐसा व्रत बताएं जिसके पुण्य के प्रभाव से मेरी मुक्ति हो।'

कौण्डिल्य बोले:

वैशाख मास के शुक्लपक्ष में 'मोहिनी' नाम से प्रसिद्ध एकादशी का व्रत करो। इस व्रत के पुण्य से कई जन्मों के पाप भी नष्ट हो जाते हैं। धृष्टबुद्धि ने ऋषि की बताई विधि के अनुसार व्रत किया। जिससे वह निष्पाप हो गया और दिव्य देह धारण कर श्री विष्णुधाम को चला गया।

हर समस्या का समाधान है महावीर दर्शन

मानवीय गुणों की उपेक्षा के इस समय में महावीर के कल्याण का दिन हमसे अपने जातीय भेद भुलाकर सत्य से साक्षात का संदेश देता है। भगवान महावीर ने अहिंसा की जितनी सूक्ष्म व्याख्या की है वैसी अन्यत्र दुर्लभ है।

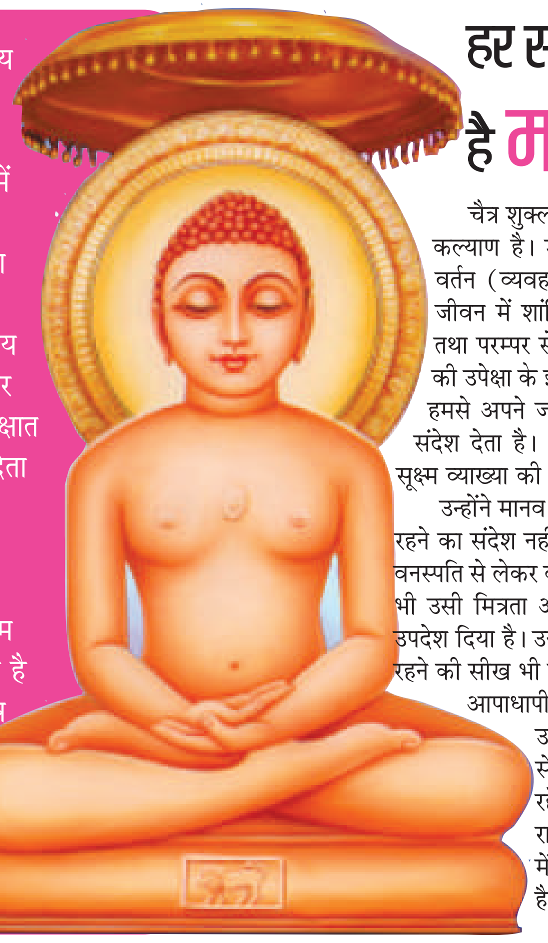

चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को भगवान महावीर का जन्म कल्याण है। उनके सिद्धांत बताते हैं कि वर्तमान के वर्तन (व्यवहार) को किस प्रकार से रखा जाए कि जीवन में शांति, मरण में समाधि, परलोक में सद्गति तथा परम्पर से परमगति पाई जा सके। मानवीय गुणों की उपेक्षा के इस समय में महावीर के कल्याण का दिन हमसे अपने जातीय भेद भुलाकर सत्य से साक्षात का संदेश देता है। भगवान महावीर ने अहिंसा की जितनी सूक्ष्म व्याख्या की है वैसी अन्यत्र दुर्लभ है।

उन्होंने मानव को मानव के प्रति ही प्रेम और मित्रता से रहने का संदेश नहीं दिया अपितु मिट्टी, पानी, अग्नि, वायु, वनस्पति से लेकर कीकीडे-मकोडे, पशु-पक्षी आदि के प्रति भी उसी मित्रता और अहिंसक विचार के साथ रहने का उपदेश दिया है। उनकी इस शिक्षा में पर्यावरण के साथ बने रहने की सीख भी है। आज जिस हिंसात्मक वातावरण और आपाधापी के बीच बच्चे बढ हो रहे हैं उसके कारण उनमें संयम का अभाव है। यह पीढी लक्ष्य से भटक रही है। ऐसे वातावरण में बडे हो रहे बच्चों से अपेक्षा रखना कि वे नैतिक राह पर चलेंगे ठीक नहीं। आज हमें समग्रता में महावीर की शिक्षाओं की बहुत जरूरत है ताकि हम इस धरा को सुंदर बना सकें।

हाथ में नहीं टिकता पैसा तो आजमाएं ये तरीके, होंगे मालामाल

मनी मैनजमेंट

आपको पैसा खर्च करने की आदत है तो ये जानकारियां आपके काम की हो सकती हैं,

1. कमाई कम और खर्च ज्यादा हो तो महीने के अंत में दोस्तों से उधार तक लेने की नौबत आ जाती है। इसलिए अपने खर्च की मॉनीटरिंग करना शुरू करें। इसके लिए अपने खर्चों को दो भागों में बांट दें। पहला आवश्यकतानुसार खर्च करें, दूसरा जो चीजें आप चाहते हैं उसकी लिस्ट बनाएं। इस प्रकार आपको खर्चों को मैनेज करने में मदद मिलेगी।

2. किसी भी नए काम को शुरू करने के लिए धन की जरूरत होती है, लेकिन आप अक्सर अच्छे मुहूर्त की आस में काम शुरू नहीं करते। इससे आपका काम अटका रह जाता है और पैसे भी खर्च हो जाते हैं। ऐसे में जब आपके पास धन हो तभी इन्वेस्ट करें समय बर्बाद न करें।

3. एक दूसरे से आगे निकलने और आकर्षक दिखने के चक्कर में आप अपने खर्चों पर नियंत्रण नहीं कर पाते हैं और लक्जरी लाइफस्टाइल फॉलों करने के लिए कई बार आप कर्ज लेने से भी नहीं हिचकिचाते हैं। ऐसी आदतों से बचें। घर या बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज लिया जाए तो ठीक है।

4. कई लोग बिना जानकारी के स्टॉक मार्केट में पैसा लगा देते हैं जिससे उन्हें नुकसान का सामना करना पड़ जाता है। अगर आप भी बिना जानकारी के इस तरह पैसा खर्च कर देते हैं तो ये इन्वेस्टमेंट नहीं है। इससे बचें।

5. ये निश्चय कर लें कि हर महीने नियमित तौर पर कमाए हुए धन का कुछ निश्चित हिस्सा बचा कर रखना है। अगर कोशिश करेंगे तो कुछ समय बाद आप महसूस करेंगे कि आपको बचत करने की आदत हो गई है।

6. अगर व्यापार में हैं तो रिस्क लेने से न घबराएं। कई बार रिस्क न लेना ही रिस्क साबित होता है। इसलिए, परिस्थितियों का अच्छे से विश्लेषण करें और अगर आपको लगता है तो इन्वेस्टमेंट जरूर करें।

7. क्रेडिट कार्ड यूज करते हैं और अपने बिल्स या दूसरे ड्यूज को ड्यू डेट के बाद पे करते हैं तो ऐसी आदत से बचें। समय पर ड्यूज को पे करने से फिजूल खर्च करने की आदत से बचेंगे।

8. अगर सिगरेट, शराब या अन्य किसी नशे की लत लगी है तो इनसे बचें, इन पर पैसा खर्च तो होता ही है, साथ ही आपकी सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। इसलिए नशे पर खर्च करने की बजाय पैसे जमा करें, जो भविष्य में आपकी जरूरतों में काम आएगा।

घंटों कंप्यूटर पर काम के बाद भी आप रह सकते हैं तरोताजा

स्वास्थ्य

कम्प्यूटर आज की जिंदगी की जरूरत बन गया है। ऑफिर हो या घर हम सब बिना कम्प्यूटर के नहीं जी सकते हैं। यही वजह है कि कम्प्यूटर पर काम करते हुए थकान हो जाने के बावजूद भी कम्प्यूटर पर काम करते रहते हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि कम्प्यूटर पर काम को जारी रखते हुए किस तरह से हम अपने काम को सौ प्रतिशत दे सकते हैं। अगर आपके साथ भी यही समस्या है कि आप कम्प्यूटर पर बहुत ज्यादा काम के बोझ के कारण होने वाली थकान के चलते ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं तो यहां आपको कुछ ऐसे टिप्स हम देने जा रहे हैं जिनसे आप कम्प्यूटर पर घंटो काम करने के बावजूद भी खुद को तरोताजा महसूस कर सकते हैं।

पहली बात यह कि बेवजह कम्प्यूटर का इस्तेमाल न करें।

- कम्प्यूटर पर कार्य करते समय कुर्सी सही डिजाइन की होनी चाहिए।
- कुर्सी में पूरी पीठ हत्थे पर होनी चाहिए ताकि बैठते समय कमर, पीठ और हाथों को सहारा मिले।
- की-बोर्ड और माउस को 90 डिग्री के कोण पर मुड़ी कोहनी की सीध में रखें, बेहतर होगा की-बोर्ड थोड़ा ढलान पर हों।
- जांघे जमीन के समांतर टखने समकोण पर मुड़े हो, जरूरत पड़ने पर पैरों को फुट रेस्ट सहारा दें।
- कम्प्यूटर पर कार्य करते समय फोन को कंधों और गर्दन से दबाकर बात न करें।
- देर तक टेलीफोन से बात करने के लिए हेडफोन का इस्तेमाल करें।
- कार्य करते समय शरीर ढीला रखें और मन को शांत रखें।
- की-बोर्ड माउस का इस्तेमाल कम करने के लिए आवाज पहचान कर कार्य करने वाले सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- मॉनीटर की चमक, परावर्तन कम करने के लिए एण्टीग्लेमर कोटिंग या ग्लास लगाएं।

इस तरह इस्तेमाल करें व्हाट्स एप व फेसबुक

अगर आप लंबे लेख अपने स्मार्टफोन पर नहीं पढ़ते हैं तो कम से कम ट्विटर, व्हाट्स एप और फेसबुक के पोस्ट के लिए तो अपने फोन का ही सहारा लेते ही होंगे। लेकिन अगर आप रात में स्क्रीन पर कुछ पढ़ रहे हैं तो स्क्रीन से निकलने वाली तेज रोशनी आपकी आंखों को नुकसान पहुंचा सकती हैं इसलिए उसे कम करना बहुत जरूरी है। अगर रात के अंधेरे में आप पढ़ रहे हैं तो स्क्रीन की ब्राइटनेस कम कर दें। एंड्रॉयड स्मार्टफोन में ब्राइटनेस कम करना आसान है। बस स्क्रीन के ऊपर से नीचे की तरफ स्वाइप कीजिए और उसके बाद ब्राइटनेस को कम करना बहुत आसान है। अगर आपके पास आईफोन है, तो उसके लिए उसके सेटिंग्स में जाइए और फिर एक्सेसिबिलिटी सेटिंग में। उसके बाद अगर जूम को ऑन कर लेंगे तो स्क्रीन पर बड़े अक्षरों में पढ़ना बहुत आसान हो जाएगा। उसके बाद तीन उंगलियां इस्तेमाल करके दो बार स्क्रीन पर 'टैप' कीजिए। इसके बाद आपके स्क्रीन पर एक मेन्यू भी दिखाई देगा। वहां पर 'चूज फिल्टर' में 'लो लाइट' चुन लीजिए। बस उसके बाद आपका आईफोन कम लाइट में पढ़ने के लिए तैयार है। इसके लिए एक शॉर्टकट तैयार करने के लिए फिर एक्सेसिबिलिटी सेटिंग में जाइए और फिर एक्सेसिबिलिटी शॉर्टकट चुनिए। वहां पर 'जूम' चुन लीजिए। इसके बाद जब भी अपने होम बटन को आप तीन बार दबाएंगे तो आपका फोन जूम मोड में होगा। उसके बाद तीन बार फिर से होम बटन को दबाएंगे तो अपने रेगुलर मोड में फोन वापस आ जाएगा।

तकनीक

सच्चा और अच्छा मित्र बनना है तो अपनाएं यह गुण

व्यक्तित्व विकास

अगर आप चाहते हैं, कि आपका कोई बहुत अच्छा दोस्त हो, या आप किसी के खास दोस्त बन सकें, तो आपको कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना चाहिए, जो आपकी दोस्ती की उम्र को बढ़ा देती हैं। जरूर पढ़ें यह खास बातें -

1 दोस्ती के लिए एक बात हमेशा पता होना चाहिए, कि यह रिश्ता विश्वास, प्यार, त्याग और शेयरिंग पर टिका होता है। अगर आप अपने अंदर इन खूबियों को महसूस करते हैं, तो बेशक आपकी दोस्ती लंबी चलने वाली है।

2 देने की कला होने के साथ, पाने की उम्मीद न रखना बहुत महत्वपूर्ण है। क्योंकि उम्मीद पूरी नहीं होने पर नकारात्मक भावना प्रबल हो जाती है। इसके लिए मानसिक रूप से हमेशा तैयार रहें। 3 खुद से ज्यादा दूसरों को अहमियत दें, इससे आप किसी के लिए में आसानी से जगह बना सकते हैं। इसके साथ ही न कहने का तरीका भी आना चाहिए।

4 मुस्कुराहट को अपने जीवन में स्थान दें। मुसकुराता चेहरा सभी को आकर्षित करता है, और दोस्ती करने के लिए प्रेरित करता है

5 दोस्ती निभाना और विश्वास को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। अगर आपको यह कला आती है, तो खूबसूरत दोस्ती के लिए तैयार रहें।

6 अहम को त्यागकर, किसी की भावनाओं को समझना हर किसी के बस की बात नहीं होती। इसके लिए रिश्ता निभाने का जज्बा चाहिए.इस बात का ध्यान रहना चाहिए।

7 हर पल किसी की मदद के लिए तैयार रहना, ईश्वर का एक उपहार है। अगर आपको यह उपहार मिला है, तो उससे अपनी दोस्ती के रि?श्ते के सजाएं।

8 सच्चा दोस्त अपने साथी को हर अच्छाई और बुराई के साथ स्वीकार करता है, आपमें भी यह गुण होन चाहिए, तभी आप एक अच्छे दोस्त बन सकते हैं।

9 सामने वाले के अच्छे गुणों की प्रशंसा की से प्रोत्साहित करना और अवगुणों को शालीनता के साथ समझाना, एक अच्छे दोस्त की पहचान होती है। अगर आप भी ऐसे हैं, तो बेहतर दोस्त हो सकते हैं।

10 हर हाल में दोस्त का साथ देना, और बुरे वक्त में उसका साथ न छोड़ना, यह काम एक सच्चा दोस्त ही कर सकता है। अगर आप यह कर सकते हैं, तो दोस्ती की दुनिया में आपका स्वागत है।

सेल्फी पर ज्यादा लाइक चाहिए, तो 11 तरीके अपनाएं

चल बेटा सेल्फी ले ले रे ....बजरंगी भईजान फिल्म का यह गाना तो आपने सुना ही होगा। सेल्फी यानि फोन के कैमरे से खुद की बेहतरीन फोटो खींचना, जरूर आपकी जिंदगी का भी अहम हिस्सा बन चुका होगा। सोशल मीडिया पर भी आप ऐसी कई तरह की सेल्फी देखते होंगे, जिन्हें सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। लिहाजा आपके मन में भी तो यह बात आती होगी के आपकी सेल्फी को भी लोग ज्यादा से ज्यादा लाइक करें। आपके मन की इसी को को जानते हुए हम बता रहे हैं, सेल्फी लेने के 11खास तरीके, जिससे आप भी सोशल मीडिया पर छा सकते हैं।

सबसे पहले तो अपने मन से यह बात निकल फेंकिए कि मेकअप करने से सेल्फी ज्यादा अच्छी आएगी या कुछ ही रंगों में आपकी सेल्फी अच्छी आती है...फलां-फलां बातें। अब एक बार यह सोचकर देखिए कि आप सेल्फी को इतनी दिलचस्प कैसे बना सकते हैं, कि लोग उसे देखें और पसंद करें। चलिए इस बारे में बात करते हैं -

1 पहले बात करते हैं समूह सेल्फी की। जब भी आप दोस्तों या परिवार के साथ सामूहिक सेल्फी ले रहे हैं, तो कोशिश कीजिए हर कोई अपने अलग अंदाज में दिखाई दे। सीधे खड़े होकर सेल्फी लेने के बजाए अलग-अलग तरह से खड़े होकर या कुछ लोग बैठकर सेल्फी लें।

2 समूह में सेल्फी लेते समय हर कोई अपने चेहरे पर अलग-अलग गहरे भाव दिखाएगा, तो देखने वाला कुछ देर तक इस तस्वीर को जरूर देखेगा और पसंद भी करेगा।

3 आप अपनी सेल्फी ले रहे हैं, तो अपने दोस्तों से पीछे की तरफ खड़े होकर अलग-अलग या अजीबो-गरीब प्रतिक्रिया देने के लिए कहें। इस तरह से देखने वाला पहले आपकी तस्वीर को देखने पर पीछे के किरदारों को भी ध्यान से देखेगा।

5 अगर आपने कोई नई चीज खरीदी है और उसे सेल्फी के जरिए दुनिया को दिखाना चाहते हैं, लेकि?न यह दिखावा आपको ठीक नहीं लगता तो एक काम कीजिए। आप अपनी इस सेल्फी में अपने किसी खास दोस्त को भी शामिल कर लिजिए। ऐसे में किसी को अंदाजा भी नहीं होगा कि आप दिखावा कर रहे हैं, और लोग आपकी दोस्ती की तस्वीर को पसंद भी करेंगे।

4 अगर आप व्यक्तिगत रूप से अपनी सेल्फी ले रहे हैं, तो इस बात पर ध्यान दें, कि या तो आप खुद को खास तरह से पेश करें या फिर आपके पीछे का क्षेत्र ध्यान खींचने वाला हो।

6 अगर दोस्तों का समूह बना है, और कुछ रोमांचक करना चाहते हैं तो सेल्फी में कुछ अलग करें। आप सभी एक घेरे में खड़े होकर अपने पैरों की सामूहिक तस्वीर ले सकते हैं। इसके बाद सभी दोस्तों को टैग करके यह तस्वीर फेसबुक पर डालें। यह तस्वीर आपको और अन्य लोगों में खुद को एवं एकदूसरे को पहचानने का रोमांच पैदा करेगी।

7 इसी तरह से अगर आप चाहें तो पैरों की जगह हाथ, या सभी के चेहरे का एक तरफा हिस्सा सेल्फी में लें सकते हैं। इस तरह से कई नए तरीके आजमाकर आप अपनी सेल्फी को रोमांचक बना सकते हैं।

8 यह जरूरी नहीं है कि सेल्फी लेते समय आपके चेहरे पर मेकअप लगा हुआ हो। इसकी जगह प्रकृतिक रूप से आप जैसे हैं , उसे ही अपने कैमरे में कैद करें। और मुस्कान के साथ-साथ चेहरे पर अन्य भाव-भंगिमाएं बनाकर देखें। इस तरह से आप सारी तस्वीरों को एक साथ लगा दें। यह जरूर पसंद की जाएगी।

9 यह भी जरूरी नहीं कि सेल्फी के लिए पहले से कोई तैयारी की जाए। आप चाहें हर एक दोस्त के पास जाकर अचानक कोई सेल्फी लें। अपनी भी ऐसे अचानक सेल्फी लें। कई बार अचानक ली गई तस्वीरों में आपके भाव बेहद गहराई लिए होते हैं। इसे लोग तो पसंद करेंगे ही, आप भी कुछ समय बाद देखेंगे तो आपको पसंद आएगी।

10 अगर आपको लगता है कि आपका चेहरे सेल्फी में मोटा या बदसूरत लगता है, तो आप कैमरे को सामने रखने के बजाए, बगल में रखें। दाईं या बाईं ओर से तस्वीर लें। इसो आपका चेहरा मोटा नहीं लगेगा और नैन नक्श साफ तौर पर दिखाई देंगे।

11 सेल्फी को और भी प्रभावी बनाने के लिए आप इसे काले सफेद या अन्य रंगों में बदल सकते हैं। फोन में इसके लिए विकल्प मौजूद होते हैं। आप चाहें तो पूरी तस्वीर को काला-सफेद कर, केवल आंखों और होंठों को रंगने वाला विकल्प आजमा सकते हैं। यह प्रभाव बेहतरीन होगा।

मोबाइल तकनीक

जानिए कैसे मनता है देश में लोकप्रिय हिंदू त्योहार 'दशहरा'

भारत में समय-समय पर विविध सास्कृतिक रंग खिलते हैं। उत्सव से सराबोर इस संस्कृति में भारतीय जनमानस कभी भी झूम उठता है। उसने इसके बहाने भी खोज रखे हैं। उत्सवप्रिय भारत के प्रमुख त्योहारों में दशहरे का भी अपना विशिष्ट स्थान है।

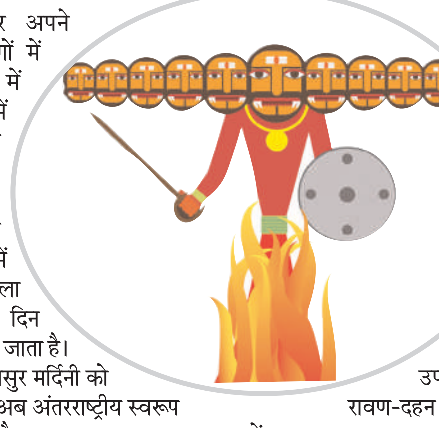

त्योहार

यह त्योहार अपने विविध रंगों में सारे भारत में दिखता है जिनमें सबसे खास रंग कुल्लू, हिमाचल प्रदेश और मैसूर कर्नाटक के हैं। इसके अलावा भी भारत में नौ दिन चलने वाला दुर्गोत्सव दशहरे के दिन अपने चरम पर पहुंच जाता है। मैसूर में तो मां महिषासुर मर्दिनी को समर्पित यह त्योहार अब अंतरराष्ट्रीय स्वरूप में तब्दील हो चुका है। बस्तर का दशहरा :- बस्तर में दशहरे मां दंतेश्वरी की आराधना को समर्पित एक पर्व रूप में मानते हैं। मां दंतेश्वरी बस्तर के निवासियों की आराध्य देवी हैं, जो दुर्गा का ही एक रूप हैं। बस्तर में दशहरा का त्योहार श्रावण मास की अमावस से आश्विन मास की शुक्ल त्रयोदशी तक चलता है। इसका समापन अश्विन शुक्ल त्रयोदशी को ओहाड़ी पर्व से किया जाता है।

गुजरात का दशहरा

गुजरात में भी दशहरे को नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ दिनों तक यहां पारंपरिक नृत्य गरबा की धूम होती है। गरबा नृत्य इस उत्सव की शान होता है। इसमें पुरुष एवं स्त्रियां संगीत की लय पर घूम-घूम कर नृत्य करते हैं। देवी मां की आरती के बाद डांडिया रास का आयोजन पूरी रात चलता है।

महाराष्ट्र में दशहरा

महाराष्ट्र में दशहरे का उत्सव नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा को समर्पित होता है और दसवें दिन मां सरस्वती की पूजा की जाती है। इस दिन मां सरस्वती के तांत्रिक चिह्नों की पूजा करते हैं। किसी भी चीज को प्रारंभ करने के लिए खासकर विद्या आरंभ करने के लिए यह दिन काफी शुभ माना जाता है। महाराष्ट्र के लोग इस दिन विवाह, गृह-प्रवेश एवं नए घर खरीदने का शुभ मुहूर्त समझते हैं। पंजाब का दशहरा :- पंजाब में दशहरा के पर्व को नवरात्रि के नौ दिन के रूप में मनाया जाता है। अष्टमी और नवमी के दिन मां दुर्गा जी की उपासना की जाती है और दशमी के दिन रावण-दहन तथा मेलों का आयोजन होता है।

बंगाल, ओडिसा और असम का दशहरा

यहां यह पर्व दुर्गा पूजा के रूप में ही मनाया जाता है। संपूर्ण बंगाल में पांच दिनों के लिए मनाया जाता है। ओडिसा व असम में इसे चार दिन तक मनाया जाता है। यहां देवी दुर्गा की मूर्ति तैयार करवाई जाती है और भव्य सुशोभित पंडालों में स्थापित की जाती है। षष्ठी के दिन दुर्गा जी का पूजन एवं प्राण प्रतिष्ठा आदि का आयोजन किया जाता है। इसके उपरांत सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी के दिन प्रातः और सायंकाल दुर्गा पूजा होती है। दशमी के दिन विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। स्त्रियां देवी के माथे पर सिंदूर चढ़ाती हैं, और एक दूसरे को सिंदूर लगाती हैं। एक प्रकार से सिंदूर की होली खेली जाती है, इसके पश्चात देवी की प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए ले जाया जाता है।

तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश,कर्नाटक का दशहरा

देश के दक्षिण राज्य तमिलनाडु आंध्रप्रदेश और कर्नाटक में दशहरा नौ दिनों का मनाया जाता है। देवी लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की पूजा की जाती है। यहां दशहरा शिक्षा या कोई भी नया कार्य जैसे संगीत और नृत्य सीखने के लिए शुभ समय होता है। कर्नाटक में मैसूर का दशहरा विशेष उल्लेखनीय है।

दिवाली साजसज्जा : कैसे करें घर का कायाकल्प

अगर आप अपने सिटिंग अरेंजमेंट या फिर कमरों के एक जैसे इंटीरियर से ऊब गए हैं और इसमें कुछ बदलाव करना चाहते हैं तो यह एकदम सही समय है, क्योंकि दीपावली आने वाली है और आप मामूली बजट में भी अपने घर में कुछ फेरबदल करके उसका कायाकल्प कर सकते हैं। दीपावली का पर्व यानि उमंग और खुशियों भरा माहौल और इसे बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है हमारा घर। इस त्यौहार के लिए घर की सफाई , रंगरोगन और उसकी साज-सज्जा का भी खासा महत्व है। पूरे घर का इंटीरियर कराना तो हर एक के बस की बात नहीं है लेकिन परदे, वाल पेंट्स, डेकोरेटिव आइटम , फर्नीचर, कालीन, सिटिंग अरेंजमेंट आदि में बदलाव कर घर के इंटीरियर को दीपावली के लिए सजाया जा सकता है और इससे नएपन का अहसास भी होगा। इसके लिए बाजार में सभी सामान कई रेंज में उपलब्ध हैं। देअविवि के इंटीरियर डेकोरेशन विभाग की प्रमुख नूपुर नामजोशी के अनुसार घर में कई छोटे-छोटे बदलाव करके उसे आकर्षक व पहले से अलग बनाया जा सकता है। इसके लिए लोअर सिटिंग अरेजमेंट भी एक अच्छा विकल्प है। साथ ही लाइटिंग, पेंट्स, कारपेट, इंडोर प्लांट, कुशन्स, कर्टन, कैंडल, वुडन पार्टीशन आदि की मदद से घर को नए ढंग से संवारा जा सकता है।

इस तरह करें घर का कायाकल्प

बदलिए कलर कॉम्बीनेशन : अगर इस दीपावली पर घर में रंगरोगन कराने की सोच रहे हैं तो फिर से वही कलर कराने के बजाए पूरा कलर काम्बीनेशन चेंज कर दें। कमरे की सभी दीवारों में अब एक जैसा कलर कराने का ट्रेंड खत्म-सा हो गया है। अब तो इन्हें अलग -अलग शेड से रंगा जाता है। इससे कमरे में काफी डिफरेंट लुक आता है। अगर बजट कम है तो आप जरूरत के मुताबिक अपने ड्राइंग रूम की किसी एक दीवार को बाकी से अलग कंट्रास्ट कलर से पेंट कराकर नएपन का अहसास कर सकते हैं। घर के सभी कमरों में यह प्रयोग किया जा सकता है। अगर पूरा घर पेंट करा रहे हैं तो हर कमरे का रंग संयोजन अलग रखें। डार्क शेड्स को लाइट शेड्स में और लाइट की जगह पर डार्क शेड्स कराने से कमरा नया लगने लगेगा। आजकल ब्रांडेड कंपनियों के पेंट्स के इमल्सन की डिमांड ज्यादा है। इसकी कीमत 100 से 350 रुपए लीटर के बीच है। वहीं कंपनियों के डिस्टेंपर तो और भी कम कीमत 55 से 100 रुपए प्रति किलो में मिल जाएंगे। वहीं डिजायनर पेंट्स या ग्लाइटर कुछ महंगे हैं, इनकी कीमत कलर के अनुसार 660 से 900 रुपए के बीच है। पर्याप्त रोशनी पाने व कमरे को खूबसूरत बनाने के लिए कमरे की चार दीवारों में से एक दीवार को डार्क कलर से पेंट करवाना चाहिए। अगर कमरा बड़ा है तो दो दीवारों में यह प्रयोग किया जा सकता है। इन दिनों पेस्टल कलर काफी डिमांड में हैं। सनराइज कलर के साथ क्रीम या ऑफ व्हाइट, रेड के साथ लाइट पिंक कलर का कॉम्बीनेशन अच्छा लगता है ।

परदों से निखारिए इंटीरियर

आकर्षक परदे किसी भी घर की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं, अगर घर को पेंट कराने की जरूरत नहीं है तो सिर्फ परदे बदलकर और उसी के अनुरूप दीवान सेट बिछाकर घर को दीवाली के लिए सजाया जा सकता है।

आजकल कॉटन के अलावा नेट, सिल्क, टिश्यू, ब्रासो टाइगर, क्रश आदि के परदे पसंद किए जा रहे हैं। नेट के परदे सबसे लेटेस्ट हैं, इनकी रेंज 400 रुपए से शुरू है जबकि टिश्यू सिल्क की कीमत 300 रुपए से शुरू है। नेट के प्लेन परदे के साथ बीच में एक सिल्क या टिश्यू का परदा लगाकर खिड़की-दरवाजों को नया लुक दिया जा सकता है ।

संपादकीय

सुखना अब 'रामसर'

यह सुखद ही है कि अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चंडीगढ़ की सुखना झील के महत्व को स्वीकारा गया है। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार सुखना वेटलैंड को 'रामसर साइट' का दर्जा मिलना चंडीगढ़ के लिये गर्व की बात है। लेकिन यह सम्मान मिलना हमारी जवाबदेही को भी बढ़ाना वाला भी है। साथ ही मानकीकरण, एक ऐसे पारिस्थितिकीय तंत्र को संरक्षित करने की तत्काल आवश्यकता पर बल देता है- जो इसके तल पर गाद जमा होने, जल भंडारण क्षमता घटने तथा बढ़ते पर्यावरणीय दबावों के कारण हमारे सामने चुनौती पैदा कर रहा है। वहीं दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय पहचान पाने वाला शहर का यह पहला वेटलैंड यानी आर्द्रभूमि, केवल सरकारी उपलब्धि का प्रतीक मात्र बनकर नहीं रह जाना चाहिए। अब जरूरत इसकी मूल समस्याओं को दूर करने की होगी। उल्लेखनीय है कि यह 'रामसर' नाम ईरान के एक शहर के नाम से आया है, जहां इसे वर्ष 1971 में आर्द्रभूमि पर एक अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन में अपनाया गया था। निस्संदेह, सुखना केवल मनोरंजन का एक स्थान मात्र नहीं है। इसका पारिस्थितिकीय स्वास्थ्य शिवालिक जलग्रहण क्षेत्र, आसपाल के जंगलों और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों पर निर्भर करता है। इस व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र को बचाए बिना केवल झील का संरक्षण करना एक अदूरदर्शी कदम होगा। यहां यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिल जाने से ही पारिस्थितिकीय अस्तित्व की गारंटी नहीं मिल जाती है। विगत में देश के अन्य भागों के अनुभव हमें एक चेतावनी देने का काम करते हैं। पूर्वी कोलकाता के वेटलैंड्स बढ़ती जनसंख्या के चलते अतिक्रमण और तेजी से विस्तार लेते शहरीकरण की समस्या का सामना कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कश्मीर की वुलर झील का जल क्षेत्र सिमट रहा है। उसकी स्थिति समय के साथ खराब हुई है। कमोबेश ऐसी ही समस्या ओडिशा की चिल्का झील की भी है, जो गाद जमा होने की चुनौती से जूझ रही है। ऐसे में चंडीगढ़ प्रशासन को आने वाले समय में सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिये दूरगामी नीतियों का अनुपालन करना होगा। अब शासन-प्रशासन को ध्यान देना चाहिए कि सुखना झील की जल भंडारण क्षमता, इसके तल में गाद जमने से लगातार कम हो रही है। वहीं दूसरी ओर जल स्तर में उतार-चढ़ाव और प्रदूषण का बढ़ना बताता है कि यहां निरंतर उपचारात्मक प्रयासों की जरूरत है। हम कभी-कभार गाद निकालने की कवायद करके समस्या का समाधान नहीं कर सकते। वास्तव में मिट्टी का संरक्षण, जल निकासी, चैनलों की सुरक्षा, वैज्ञानिक जल प्रबंधन और प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिये एकीकृत रणनीति बनाने की जरूरत होगी। वहीं रामसर का दर्जा मिलने का यह मतलब कदापि नहीं है कि यहां निर्माण कार्य नहीं हो सकते, या इससे फंडिंग की गारंटी मिलती है। हमें यह भी नहीं मान लेना चाहिए कि यह दर्जा मिलने से पारिस्थितिक नुकसान को रोका जा सकता है। निस्संदेह, प्रशासन को सुरक्षा उपायों को लागू करने के लिये गंभीर प्रयास करने होंगे। इसके साथ ही जैव विविधता और पानी की गुणवत्ता की निगरानी के लिये पहल करनी चाहिए। इसके अलावा संरक्षण योजनाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ लागू करना चाहिए। ध्यान रहे कि सुखना झील का जलग्रहण क्षेत्र चंडीगढ़ के बाहरी इलाके तक फैला हुआ है। इसलिए पंजाब और हरियाणा के साथ समन्वय भी उतना ही जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि कोई भी आर्द्रभूमि, पारिस्थितिकीय तंत्र के लिये हमारी अत्यंत महत्वपूर्ण धरोहर होती है। इसके संरक्षण का असली मानक यह होगा कि झील का परिदृश्य अधिक स्वस्थ हो, उसकी जल भंडारण क्षमता बहाल की जाए और साथ ही वन्यजीवों के फलने-फूलने के लिये अनुकूल वातावरण बन सके। विश्वास किया जाना चाहिए कि सुखना के संरक्षण से अब हर साल आने वाले प्रवासी पक्षियों की संख्या में वृद्धि होगी। साथ ही ईको टूरिज्म को भी बढ़ावा मिल सकेगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि सुखना झील के अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र में उभरने से दुनियाभर के पर्यावरण और पक्षियों के प्रेमियों की आवक बढ़ सकती है। निस्संदेह, इससे चंडीगढ़ शहर की पहचान बढ़ेगी और ईको-टूरिज्म बढ़ने से रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार सुखना वेटलैंड को 'रामसर साइट' का दर्जा मिलना चंडीगढ़ के लिये गर्व की बात है। लेकिन यह सम्मान मिलना हमारी जवाबदेही को भी बढ़ाना वाला भी है। साथ ही मानकीकरण, एक ऐसे पारिस्थितिकीय तंत्र को संरक्षित करने की तत्काल आवश्यकता पर बल देता है- जो इसके तल पर गाद जमा होने, जल भंडारण क्षमता घटने तथा बढ़ते पर्यावरणीय दबावों के कारण हमारे सामने चुनौती पैदा कर रहा है। वहीं दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय पहचान पाने वाला शहर का यह पहला वेटलैंड यानी आर्द्रभूमि, केवल सरकारी उपलब्धि का प्रतीक मात्र बनकर नहीं रह जाना चाहिए। अब जरूरत इसकी मूल समस्याओं को दूर करने की होगी। उल्लेखनीय है कि यह 'रामसर' नाम ईरान के एक शहर के नाम से आया है, जहां इसे वर्ष 1971 में आर्द्रभूमि पर एक अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन में अपनाया गया था। निस्संदेह, सुखना केवल मनोरंजन का एक स्थान मात्र नहीं है। इसका पारिस्थितिकीय स्वास्थ्य शिवालिक जलग्रहण क्षेत्र, आसपाल के जंगलों और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों पर निर्भर करता है। इस व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र को बचाए बिना केवल झील का संरक्षण करना एक अदूरदर्शी कदम होगा। यहां यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि सिर्फ अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिल जाने से ही पारिस्थितिकीय अस्तित्व की गारंटी नहीं मिल जाती है। विगत में देश के अन्य भागों के अनुभव हमें एक चेतावनी देने का काम करते हैं। पूर्वी कोलकाता के वेटलैंड्स बढ़ती जनसंख्या के चलते अतिक्रमण और तेजी से विस्तार लेते शहरीकरण की समस्या का सामना कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कश्मीर की वुलर झील का जल क्षेत्र सिमट रहा है। उसकी स्थिति समय के साथ खराब हुई है। कमोबेश ऐसी ही समस्या ओडिशा की चिल्का झील की भी है, जो गाद जमा होने की चुनौती से जूझ रही है।

कुछ अलग

कर्म से शतायु

वेदों के मूर्धन्य विद्वान और स्वतंत्रता सेनानी पंडित श्रीपाद दामोदर सातवलेकर जब 90 वर्ष से अधिक आयु के हो चुके थे, तब भी वे गुजरात के पारडी (वलसाड) स्थित अपने आश्रम में स्वाध्याय, वेदों के अनुवाद और लेखन का कार्य स्वयं करते थे। आयु के इस पड़ाव पर उनका शरीर शिथिल हो चुका था और आंखें भी कमजोर होने लगी थीं। एक दिन उनके एक युवा शिष्य ने उनकी जर्जर स्थिति देखकर बहुत श्रद्धा और विनय से कहा— 'गुरुदेव, आपने जीवनभर वेदों की अमूल्य सेवा की है। अब आपका शरीर विश्राम मांगता है। आप लेखन और पठन का यह भारी कार्य हम युवाओं पर छोड़ दें और आराम करें।' पंडित सातवलेकर ने कलम नीचे रखी, मंद-मंद मुस्कुराए और बोले— 'बेटा, इस शरीर को ईश्वर ने सेवा और कर्म के लिए दिया है, विश्राम के लिए नहीं। जिस दिन मेरी कलम रुक जाएगी, उस दिन मेरा जीवन निरर्थक हो जाएगा। वेद कहते हैं कर्म करते हुए ही सौ वर्ष जीने की इच्छा करो।

विशाल औद्योगिक परियोजनाओं, आधुनिक तकनीक, विदेशी निवेश और ऊंची प्रति व्यक्ति आय से नहीं किया जा सकता

सामाजिक सुरक्षा का कवच और समावेशी विकास का उजाला

किसी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मूल्यांकन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, विशाल औद्योगिक परियोजनाओं, आधुनिक तकनीक, विदेशी निवेश और ऊंची प्रति व्यक्ति आय से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा मिले, श्रमिक को अपने भविष्य के प्रति विश्वास हो, वृद्धावस्था अभाव का पर्याय न बने और बीमारी किसी परिवार को आर्थिक संकट के गर्त में न धकेल दे। सामाजिक सुरक्षा इसी मानवीय विकास का आधार है। यह केवल सरकारी सहायता की व्यवस्था नहीं, बल्कि नागरिकों के सम्मान, आत्मविश्वास, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक न्याय का ऐसा आधारस्तंभ है, जिस पर एक सशक्त एवं समावेशी राष्ट्र का निर्माण होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले वर्षों में जनकल्याणकारी योजनाओं के विस्तार के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा को व्यापक बनाने की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। इन पहलों ने करोड़ों लोगों को विभिन्न प्रकार की आर्थिक, स्वास्थ्य, खाद्य और सामाजिक सहायता से जोड़ने में भूमिका निभाई है। हालांकि, बदलती आर्थिक परिस्थितियों और विशाल श्रमबल की आवश्यकताओं को देखते हुए अभी इस दिशा में बहुत कुछ किया जाना शेष है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सामाजिक सुरक्षा का दायरा वर्ष 2015 के 19 प्रतिशत से बढ़कर 64.3 प्रतिशत यानी 94 करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुंच गया है। यह विस्तार बताता है कि सामाजिक संरक्षण अब देश की विकास संबंधी प्राथमिकताओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। लेकिन सामाजिक सुरक्षा की सफलता का आकलन केवल लाभार्थियों की संख्या से नहीं होना चाहिए। वास्तविक प्रश्न यह है कि कितने लोगों को आवश्यकता के समय पर्याप्त सहायता मिलती है, कितने परिवार बीमारी और बेरोजगारी के संकट से उबर पाते हैं तथा कितने श्रमिक बुढ़ापे में सम्मानपूर्वक जीवन जीने की स्थिति में हैं। योजनाओं की व्यापकता के साथ उनकी पर्याप्तता, गुणवत्ता और निरंतरता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा मिले, श्रमिक को अपने भविष्य के प्रति विश्वास हो, वृद्धावस्था अभाव का पर्याय न बने और बीमारी किसी परिवार को आर्थिक संकट के गर्त में न धकेल दे। सामाजिक सुरक्षा इसी मानवीय विकास का आधार है। यह केवल सरकारी सहायता की व्यवस्था नहीं, बल्कि नागरिकों के सम्मान, आत्मविश्वास, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक न्याय का ऐसा आधारस्तंभ है, जिस पर एक सशक्त एवं समावेशी राष्ट्र का निर्माण होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले वर्षों में जनकल्याणकारी योजनाओं के विस्तार के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा को व्यापक बनाने की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। इन पहलों ने करोड़ों लोगों को विभिन्न प्रकार की आर्थिक, स्वास्थ्य, खाद्य और सामाजिक सहायता से जोड़ने में भूमिका निभाई है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में सामाजिक सुरक्षा का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि यहां श्रमबल का बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र से जुड़ा है। उपलब्ध श्रम संबंधी आंकड़ों के अनुसार, देश के कुल श्रमबल में लगभग 87 प्रतिशत हिस्सेदारी असंगठित क्षेत्र की है। खेतों में काम करने वाले किसान-मजदूर, निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, रेहड़ी-पटरी वाले, छोटे दुकानदार, दैनिक वेतनभोगी और विभिन्न सेवाओं से जुड़े कामगार देश की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। लेकिन इनमें से बड़ी संख्या के पास नियमित वेतन, भविष्य निधि, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दुर्घटना सुरक्षा जैसी सुविधाएं नहीं हैं। रोजगार मिलने और छिनने के बीच उनका जीवन अक्सर अनिश्चितता से घिरा रहता है। ऐसे में सामाजिक सुरक्षा को केवल संगठित क्षेत्र तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। इसकी पहुंच उन हाथों तक भी सुनिश्चित करनी होगी, जो देश की उत्पादन व्यवस्था और सेवा अर्थव्यवस्था को अपने श्रम से संचालित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने जनधन खातों, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, आधार आधारित पहचान और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के माध्यम से सरकारी सहायता को लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए एक व्यापक व्यवस्था विकसित की है। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने बैंकिंग सुविधाओं से वंचित लोगों को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने में योगदान दिया है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण ने अनेक योजनाओं में बिचौलियों की भूमिका कम करने और सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के खातों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त किया है। इन व्यवस्थाओं ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन को अधिक पारदर्शी बनाने की संभावनाएं मजबूत की हैं। स्वास्थ्य सुरक्षा सामाजिक संरक्षण का सबसे संवेदनशील पक्ष है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने पात्र परिवारों को अस्पताल में भर्ती होकर उपचार कराने के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना योजना के माध्यम से स्वास्थ्य कवरेज के दायरे में लाने की पहल ने वृद्धावस्था में चिकित्सा संबंधी चिंताओं को कम करने का प्रयास किया है। फिर भी सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय बढ़ाने, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सशक्त बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और दवाओं तथा जांच की लागत कम करने की आवश्यकता बनी हुई है। गंभीर बीमारी के कारण किसी परिवार की वर्षों की बचत समाप्त हो जाना या उसे कर्ज लेने के लिए विवश होना सामाजिक सुरक्षा की अपूर्णता को उजागर करता है। स्वास्थ्य सुविधाएं तभी प्रभावी सुरक्षा कवच बनेंगी, जब उपचार की उपलब्धता के साथ उसकी वहनीयता भी सुनिश्चित होगी। आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसी पहलें अलग-अलग वर्गों की आवश्यकताओं को संबोधित करती हैं। पीएम-किसान के माध्यम से पात्र किसान परिवारों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता मिलती है। अटल पेंशन योजना असंगठित क्षेत्र के लोगों को वृद्धावस्था में नियमित आय की व्यवस्था से जोड़ने का प्रयास करती है। जीवन ज्योति बीमा और सुरक्षा बीमा योजनाएं क्रमशः जीवन बीमा तथा दुर्घटना बीमा के माध्यम से परिवारों को संभावित आर्थिक संकट से बचाने में सहायक हैं। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना, जिसे पीएम-पोषण के नाम से जाना जाता है, विद्यालयों में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के माध्यम से पोषण और शिक्षा से जुड़े सामाजिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाती है। श्रमिकों की दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा की दृष्टि से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) का दायरा बढ़ाने संबंधी कदम भी महत्वपूर्ण हैं। उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार, 17 सितंबर 2026 से अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा के लिए मासिक वेतन सीमा 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये किए जाने का प्रावधान है। यदि इसका क्रियान्वयन निर्धारित स्वरूप में होता है, तो लगभग 51 लाख अतिरिक्त कर्मचारी अनिवार्य भविष्य निधि व्यवस्था के दायरे में आ सकते हैं। यह बदलाव उन कर्मचारियों के लिए विशेष महत्व रखता है, जिनका वेतन बढ़ने के कारण वे पुरानी सीमा के बाहर रह जाते थे। भविष्य निधि में नियमित अंशदान से सेवानिवृत्ति के लिए बचत का आधार तैयार होता है, जबकि लागू प्रावधानों के अनुसार पेंशन और बीमा संबंधी सुविधाएं भी परिवार को आर्थिक सहारा प्रदान कर सकती हैं। हालांकि, इस विस्तार के साथ कर्मचारियों की वर्तमान हाथ में आने वाली आय, नियोक्ताओं की लागत और छोटे उद्यमों की वित्तीय क्षमता के बीच संतुलन बनाना भी आवश्यक होगा।

देश दुनिया से

बहुधर्मी भारत में महकती रहे साझा संस्कृति

सारे मोहल्ले में त्योहार का माहौल है। दुर्गापूजा की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। यहां के युवा पूरे ज़ोर-शोर से लगे हुए हैं—इस संकल्प के साथ कि कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के इस मोहल्ले का नाम है अलीमुद्दीन स्ट्रीट। मुस्लिम-बहुल इलाके में सालों से दुर्गापूजा की तैयारियां इसी जोश-खरोश के साथ होती थीं। फिर मनमुटाव की कुछ घटनाएं हुईं और पूजा का यह क्रम टूट गया था। पांच साल पहले फिर शुरू हो गया और अब यह जोश साल-दर-साल बढ़ता ही दिख रहा है। विशेषता यह भी है कि तैयारियों में आगे बढ़कर हाथ बंटाने वालों में ज़्यादातर युवा मुसलमान हैं। यहां पूजा पूरे विधि-विधान से होती है—और हिंदू-मुसलमान मिलकर करते हैं! साझा संस्कृति का यह दृश्य कोलकाता के इसी मोहल्ले में नहीं दिख रहा। आस-पास के इलाकों में न जाने कब से यह परंपरा चली आ रही है। दुर्गापूजा के अवसर पर पूरे बंगाल में ऐसे दृश्य दिख जाते हैं। हल्दिया में मां दुर्गा की प्रतिमा बनाने वालों में मुस्लिम कारीगर सबसे आगे हैं। और यह काम पूरी श्रद्धा के साथ होता है। हिंदू पड़ोसियों के साथ मिल-जुलकर अल्पना सजाती मुस्लिम महिलाएं दिख जाना तो एक आम बात है। मुर्शिदाबाद में तो मां दुर्गा की पूजा की शुरुआत ही मुस्लिम परिवार के चढ़ावे से होती है। अस्सी प्रतिशत और बीस प्रतिशत की राजनीति के माहौल में, जहां पहने हुए कपड़ों के आधार पर व्यक्ति को पहचानने की बातें की जाती हैं, वहां भाईचारे के इस तरह के दृश्य सुख देने वाले हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में इस तरह के दृश्य दिख जाना कोई आश्चर्य की बात नहीं है। हां, कम ज़रूर दिखते हैं अब ऐसे दृश्य, पर यह 'कम' भी बड़ा आश्वासन देने वाला है। बहुधर्मी देश है हमारा। शायद ही दुनिया का कोई और देश होगा, जहां सभी धर्मों को मानने वाले लोग सदियों से एक साथ रहते आए हों। और इस साथ-साथ का मतलब कोलकाता का मुस्लिम-बहुल इलाका, अलीमुद्दीन स्ट्रीट, समझा रहा है। लेकिन हकीकत यह भी है कि धार्मिक भाईचारे की यह गंगा-जमुनी परंपरा अक्सर टूटती भी दिख जाती है। कष्ट होता है यह देखकर। सारे देश में मनाया जाता है दुर्गापूजा का यह त्योहार। पूरे दस दिन तक गरबा कार्यक्रमों की धूम रहती है। कोलकाता की अलीमुद्दीन स्ट्रीट जैसे दृश्य देश के दूसरे महानगर, मुंबई, में भी दिख जाते हैं। सभी धर्मों के मानने वालों का गरबा में हिस्सा लेना एक सामान्य बात थी। पचास साल पहले जब मैं मुंबई आया था, तो पहली बार मैंने गरबा के एक शानदार कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। आयोजन देखने वालों में मैंने मुसलमानों को भी देखा था। किसी के आने-जाने पर प्रतिबंध नहीं था। पर पिछले एक अर्से में इस परंपरा में भी बदलाव आया है। खुलेआम कहा जा रहा है कि गैर-हिंदुओं को इसमें भाग नहीं लेना चाहिए। देश के एक वरिष्ठ राजनेता ने तो स्पष्ट घोषणा कर दी है कि यदि संप्रदाय विशेष के लोगों को गरबा में भाग लेना है, तो उन्हें 'घर-वापसी' करनी होगी। ऐसे सामाजिक-धार्मिक कार्यक्रम में असामाजिक तत्वों की घुसपैठ को रोकने की बात तो समझ आती है, पर यह कहना कहां तक उचित है कि गैर-हिंदू ही असामाजिक तत्व हैं? और फिर इस बात का क्या तुक है कि 'घर-वापसी' करने वाला असामाजिक तत्व नहीं रहेगा? आवश्यकता इस बीमार सोच को बदलने की है कि धर्म के आधार पर व्यक्ति की नीयत को समझा जा सकता है। घर-वापसी वाली यह बात अब अक्सर होने लगी है। इसमें कोई संदेह नहीं कि देश के अधिकांश मुसलमानों के पूर्वज हिंदू थे, पर इस तर्क का क्या आधार है कि फिर से हिंदू धर्म अपनाने से कोई असामाजिक तत्व बेहतर इंसान बन जाएगा? धर्म के आधार पर व्यक्ति को अच्छा-बुरा इंसान मानने-बनाने की मानसिकता को बदलने की आवश्यकता है। बरसों पहले एक फिल्म देखी थी, जिसमें एक बच्चे को गाना सुनाकर यह बताया जा रहा था कि उसकी सही पहचान उसका इंसान होना ही है— 'तू हिंदू बनेगा, न मुसलमान बनेगा/इंसान की औलाद है, इंसान बनेगा।' यह इंसान होना ही व्यक्ति की सच्ची और पहली पहचान है। कोई भी व्यक्ति हिंदू या मुसलमान होने से पहले 'कुछ' तो था। इस 'कुछ' को समझने की आवश्यकता है। यही 'कुछ' व्यक्ति के इंसान होने की पहचान है। आज आवश्यकता इस पहचान को बनाए रखने की है—'मंदिर-मस्जिद तो बाद के हैं/हम उससे पहले भी तो थे/हम उससे पहले जो भी थे/उस सच को ज़िंदा रखना है।' आज इस 'सच' को समझने की आवश्यकता है—यह सच हमें बताता है कि हमारा हिंदू या मुसलमान होना, अथवा सिख या ईसाई होना, एक संयोग मात्र है। मेरा जन्म जिस परिवार में हुआ, वह मेरे धर्म का आधार बन जाता है, पर व्यक्ति के इंसान होने और इंसान बने रहने की कोशिश करनी पड़ती है। जब कोई मुसलमान पूरी निष्ठा और आस्था के साथ मां दुर्गा की मूर्ति बनाता है, तो वह अपने इंसान होने का प्रमाण दे रहा होता है और यही बात उस हिंदू मां पर भी लागू होती है, जो अपने बेटे को ताजिए के जुलूस में ले जाकर उसकी बेहतरी की दुआ करती है।

आप का नज़रिया

मर्ज का वाजिब खर्च

अक्सर मरीजों द्वारा उपचार के दौरान मनमाने दाम वसूलने और कीमतों में पारदर्शिता के अभाव के आक्षेप लगाये जाते रहे हैं। ये केवल पांच सितारा अस्पतालों के संदर्भ में ही नहीं है, क्लिनिकों, सरकारी अस्पतालों में उपचार के दौरान उपचार खर्च में पारदर्शिता के अभाव का जिक्र होता है। जो अकसर कमजोर वर्गों व निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों के लिये रोग से बड़ा सिरदर्द बन जाता है। इस समस्या के मद्देनजर ही केंद्र सरकार ने सभी राज्यों सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि अस्पतालों और क्लीनिकों में स्वास्थ्य सेवाओं के शुल्क प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएं। निस्संदेह, इसे सरकार की ओर से एक अधिक पारदर्शी और मरीजों के अनुकूल व्यवस्था बनाने की दिशा में यह स्वागत योग्य कदम कहा जा सकता है। अकसर देखने में आता है कि इलाज के लिये आने वाले मरीजों को उपचार में होने वाले खर्च की स्पष्ट जानकारी नहीं होती। इसमें दो राय नहीं कि परामर्श शुल्क, जांच यानी डायग्नोस्टिक टेस्ट, इलाज की प्रक्रियाओं और अस्पताल में उपलब्ध करायी जाने वाली सुविधाओं के बारे में स्पष्ट जानकारी होने से मरीजों को सही फैसला लेने में मदद मिलेगी। साथ ही वे अचानक सामने आने वाले वित्तीय बोझ से बच सकेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मुख्य सचिवों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि नियमों का पालन हो रहा है या नहीं। दरअसल, क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स (पंजीकरण और विनियमन) अधिनियम, 2010 और क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स(केंद्र सरकार) नियम 2012 के तहत अस्पतालों और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के लिये यह अनिवार्य किया गया है कि वे अपनी सेवाओं और सुविधाओं के शुल्क को ऐसी जगह प्रदर्शित करें, जहां मरीज व उनके तिमारदार आसानी से देख सकें। सेवाओं व सुविधाओं की फीस अंग्रेजी और स्थानीय भाषा में लिखी होनी चाहिए। हालांकि, इससे बचाव के को लेकर सरकारी व निजी अस्पतालों के संचालकों की दलील है कि उपचार की कीमतों की तय सीमा निर्धारित किए जाने से उपचार की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। दरअसल, कई प्राइवेट अस्पताल व क्लिनिकों के संचालक इन निर्देशों को लागू करने के बाबत तमाम तरह के किंतु-परंतु गिनाते हैं। उनकी दलील है कि इन नियमों को लागू करने से उपचार की आर्थिक व्यवहार्यता कमजोर हो सकती है। जिसके चलते उपचार की परिचालन लागत, बुनियादी ढांचे और क्लिनिकल विशेषज्ञता में अंतर को नजरअंदाज किया जा सकता है। निस्संदेह, इन चिंताओं पर विचार तो जरूर किया जाना चाहिए, लेकिन इन्हें कीमतों से जुड़ी जरूरी जानकारी छिपाने का बहाना नहीं बनाया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि एक अच्छी सुविधाओं वाले प्राइवेट अस्पताल और सरकारी अस्पताल की लागत संरचना में अंतर होना स्वाभाविक है। लेकिन फिर भी, मरीजों को इलाज के लिये सहमति देने से पहले यह जानने का अधिकार तो होना ही चाहिए कि उनकी जेब कितनी ढीली होने वाली है। इसके साथ ही देश में मेडिकल या आयुष वीजा पर आने वाले अंतर्राष्ट्रीय मरीजों के लिये केंद्र सरकार का 'पैकेज रेट' पर जोर देना भी काफी महत्वपूर्ण है। जिससे विदेशी मरीजों से मनमाने चार्ज न वसूले जा सकें। देश में बढ़ते मेडिकल टूरिज्म के विस्तार के लिये भी यह जरूरी है कि उपचार की लागत में पारदर्शिता बनी रहे। इससे देश की विश्वसनीयता भी बढ़ सकती है। निश्चित रूप से उपचार शुल्क में पारदर्शिता लाने से इससे जुड़े तमाम विवाद कम हो सकते हैं। राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को अब नियमित निरीक्षण, शिकायत दर्ज करने की सहज-सुलभ व्यवस्था और नियमों का लगातार पालन न करने पर उचित दंड के जरिये इन निर्देशों को अमल में लाना चाहिए।

केंद्र सरकार ने सभी राज्यों सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि अस्पतालों और क्लीनिकों में स्वास्थ्य सेवाओं के शुल्क प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएं। निस्संदेह, इसे सरकार की ओर से एक अधिक पारदर्शी और मरीजों के अनुकूल व्यवस्था बनाने की दिशा में यह स्वागत योग्य कदम कहा जा सकता है। अकसर देखने में आता है कि इलाज के लिये आने वाले मरीजों को उपचार में होने वाले खर्च की स्पष्ट जानकारी नहीं होती। इसमें दो राय नहीं कि परामर्श शुल्क, जांच यानी डायग्नोस्टिक टेस्ट, इलाज की प्रक्रियाओं और अस्पताल में उपलब्ध करायी जाने वाली सुविधाओं के बारे में स्पष्ट जानकारी होने से मरीजों को सही फैसला लेने में मदद मिलेगी। साथ ही वे अचानक सामने आने वाले वित्तीय बोझ से बच सकेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मुख्य सचिवों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि नियमों का पालन हो रहा है या नहीं। दरअसल, क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स (पंजीकरण और विनियमन) अधिनियम, 2010 और क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स(केंद्र सरकार) नियम 2012 के तहत अस्पतालों और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के लिये यह अनिवार्य किया गया है कि वे अपनी सेवाओं और सुविधाओं के शुल्क को ऐसी जगह प्रदर्शित करें, जहां मरीज व उनके तिमारदार आसानी से देख सकें। सेवाओं व सुविधाओं की फीस अंग्रेजी और स्थानीय भाषा में लिखी होनी चाहिए। हालांकि, इससे बचाव के को लेकर सरकारी व निजी अस्पतालों के संचालकों की दलील है कि उपचार की कीमतों की तय सीमा निर्धारित किए जाने से उपचार की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।

दृष्टिकोण

महिला खिलाड़ियों के लिए बने मजबूत खेल नीति

जापान के आयाची नागोया में हाल ही में संपन्न हुए बीसवें एशियाई खेलों में हरियाणा की महिला खिलाड़ियों द्वारा जीते गए ढेर सारे मेडल प्रमाण हैं कि पिछले दिनों खेल जगत में सामने आई संस्थागत यौन शोषण की घटनाओं के बावजूद उनके हौसले बुलंद हैं। यह इसलिए संभव हो पाया कि प्रदेश की सिविल सोसायटी अपनी बेटियों के न्याय के संघर्ष में साथ खड़ी रही। चाहे वह कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण का मामला हो या प्रदेश के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह का, या फिर सिस्टम का रवैया। गर्व व खुशी का विषय है कि हमने बेटियों के खेल कैरियर को प्रतिक्रियावादी ताकतों की बलि नहीं चढ़ने दिया। उल्लेखनीय है कि 2026 एशियाई खेलों में हरियाणा ने कुल 32 पदकों का योगदान किया, जिनमें 14 स्वर्ण, 9 रजत तथा 9 कांस्य पदक शामिल हैं। इन 14 स्वर्ण में से 8 सिर्फ महिलाओं ने जीते, जिनमें दो व्यक्तिगत तथा 6 टीम गेम में जीते गए। यह सराहनीय उपलब्धि है। गौर करने लायक है कि हरियाणा की बेटियों की प्रतिभा-प्रदर्शन का दायरा भी निरंतर बढ़ रहा है। अब वे केवल कुश्ती, बॉक्सिंग या कबड्डी आदि ताकत-आधारित खेलों में ही जीत हासिल नहीं कर रही हैं, बल्कि मानसिक स्थिरता, एकाग्रता, प्रतिक्रिया नियंत्रण, सटीकता आदि की जरूरत वाले खेलों, जैसे तीरंदाजी, निशानेबाजी, स्केट्स, एमएमए, गोल्फ और क्रिकेट में भी धाक जमा रही हैं। इसका अर्थ है कि अब 'बेटियों को मजबूत बनाओ, खेल-कूद में आगे लाओ' आदि महिला आंदोलन द्वारा गढ़े गए नारों का महत्व अभिभावक समझ रहे हैं। वहीं अब केंद्र सरकार के नारे 'बेटी

बचाओ, बेटी पढ़ाओ और बेटी खिलाओ' को चरितार्थ करने की जरूरत है। इन नारों को चरितार्थ करने का मतलब है कि एक महिला खेल नीति बनाई जाए, जिसका सरोकार महिला खिलाड़ियों के आसपास विभिन्न स्तरीय खेल सुविधाओं का निर्माण करना हो। क्योंकि खेल लड़कियों के जीवन में मनोरंजनकारी व स्वास्थ्यवर्धन की गतिविधि ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास-वर्धन की गतिविधि भी हैं। आजकल मेडल विजेता युवतियों को जो सम्मान दिया जाता है, उससे राज्य के गिरते लिंगानुपात पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। महिला खेल गतिविधियों पर ज्यादा से ज्यादा बजट लगाने की जरूरत है। खेल के मैदान, कोचिंग सुविधा और खेल का सामान पंचायत स्तर पर उपलब्ध करवाया जाए। हालांकि जिस क्षेत्र में जिस खेल की ज्यादा प्रतिभा नजर आए, उस पर अवश्य ध्यान दिया जाए। अच्छी खेल सुविधाएं शहरों तक सीमित हैं परंतु खेलों में तुलनात्मक रूप से ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी ज्यादा है। अतः खेल सुविधाओं का ढांचा उनके आसपास उपलब्ध करवाना महिला खेल नीति का सरोकार हो। कुछ गांवों में खेल स्टेडियम हैं, मगर कोच, ग्राउंडमैन आदि नियुक्त नहीं। दूसरी तरफ, अगर हम पिछले यानी 2023 के एशियाई खेलों में जीते गए मेडल और अभी 2026 में हमारे देश द्वारा जीते गए मेडल (107: 85) की तुलना करें, तो हमारी जीत में भारी गिरावट दर्ज होती है। इससे हमें कुछ सबक सीखने की जरूरत है। हमें अपने खेल के नजरिए में आमूल-चूल परिवर्तन की जरूरत है। अभी हमारा पूरा जोर कुछ प्रतिभावान खिलाड़ियों को छांटकर खेल आयोजनों से ठीक पहले उन्हें प्रशिक्षित करने पर है। जबकि दुनिया में खेल शक्ति के रूप में उभर रहे देशों का अनुभव लोकप्रिय खेल-संस्कृति निर्मित करने पर है, जहां खेलों के केंद्र में स्वस्थ नागरिक समाज का निर्माण है, न कि मेडल जीतना। वे हर आयुवर्ग के अनुसार खेल का मूलभूत ढांचा खड़ा करना, जिसमें खेल मैदान, कोचिंग, खेल-सामान आदि का प्रबंधन शामिल है।

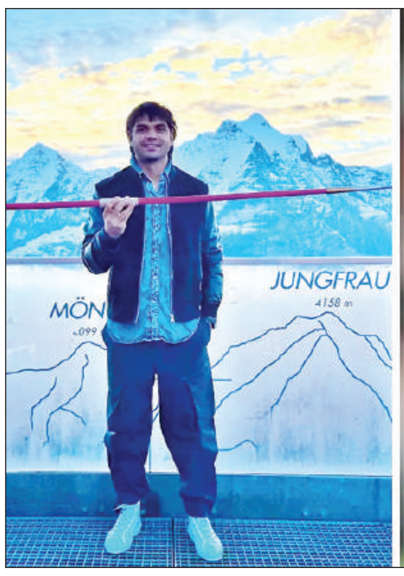

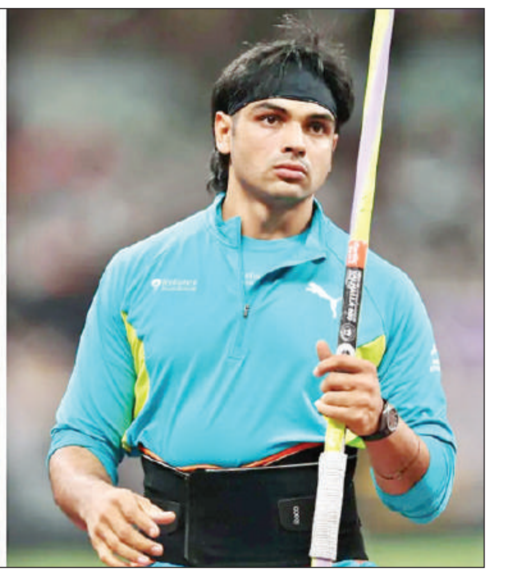

नीरज चोपड़ा की नजरें 2028 में होने वाले लास एंजिल्स ओलंपिक पर लगीं

नई दिल्ली

भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का लक्ष्य 2028 में होने वाले लास एंजिल्स ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करना है। इसी को देखते हुए नीरज अपनी चोट से उबरने के बाद अगले एक साल में खेल में फिर से शीर्ष पर अपनी जगह बनाना चाहते हैं।

फिट नहीं होने के कारण वह एशियाई खेलों में भी भाग नहीं ले पाये थे। ट्रेनिंग के दौरान टखने की लिगामेंट में चोट लगने के बाद से ही वह खेलों से बाहर चल रहे हैं। एशियाई खेलों के अलावा वह इस सीजन के बाकी सभी महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से भी बाहर हैं।

बड़े टूर्नामेंटों से बाहर होने की निराशा के बावजूद, नीरज का ध्यान पूरी तरह से भविष्य पर केंद्रित है। उन्होंने अपनी वापसी की प्रक्रिया को लेकर कहा, ओलंपिक में अभी कुछ समय है। जिसके लिए अब मैं वापसी करने की प्रक्रिया में हूँ। मेरा पूरा ध्यान अगले साल एक मजबूत वापसी करने और उस तरह का प्रदर्शन देने पर है, जिसका मैंने लक्ष्य रखा है। उनका मानना है कि सही तैयारी और उचित पुनर्वास के साथ, वह अगले साल मैदान पर एक नए और बेहतर अंदाज़ में वापसी कर सकेंगे।

नीरज ने इसके साथ ही हाल ही में संपन्न हुए एशियाई खेलों में युवा भाला फेंक खिलाड़ियों यश वीर सिंह और रोहित यादव के शानदार प्रदर्शन की भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि उनकी और साथी खिलाड़ी किशोर जेना की गैर-मौजूदगी में इन युवा खिलाड़ियों का पदक जीतना, भारत में भाला फेंक में उभरती हुई प्रतिभाओं की बढ़ती संख्या और उनकी गहराई को स्पष्ट रूप से दिखाता है।

इन खेलों में यश वीर ने पुरुषों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में रजत पदक और रोहित ने कांस्य पदक हासिल कर न केवल व्यक्तिगत रूप से उपलब्धि हासिल की, बल्कि यह भी साबित किया कि भारत के पास जैवलिन में एक मजबूत बेंच स्ट्रेंथ है। यह प्रदर्शन ऐसे समय में आया जब देश अपने दो शीर्ष जैवलिन सितारों की अनुपस्थिति से जूझ रहा था, जिससे इसकी महत्ता और बढ़ जाती है।

नीरज ने युवा एथलीटों के प्रदर्शन पर अपनी खुशी और गर्व व्यक्त करते हुए कहा, मुझे लगता है कि यशवीर और रोहित ने बहुत शानदार प्रदर्शन किया। पिछले एशियाई खेलों में हमने दो पदक जीते थे। वहीं इस बार, किशोर और मेरे न होने के बावजूद, हम फिर भी दो पदक जीतने में कामयाब रहे।

इन नए, युवा खिलाड़ियों का सामने आना भारत के लिए एक बहुत ही सकारात्मक संकेत है, जो दिखाता है कि हमारे यहाँ प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं और साथ ही, उन्हें चोटों से बचकर रहने और खेल का पूरा आनंद लेने की महत्वपूर्ण सलाह भी दी।

न्यूज ब्रीफ

मेजर लीग साकर : मेसी ने चार मिनट में दागे दो गोल; इंटर मियामी ने अटलांटा यूनाइटेड को 3-1 से हराया

अटलांटा। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबालर लियोनेल मेसी ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए चार मिनट के भीतर दो गोल दागे, जिससे इंटर मियामी ने मेजर लीग साकर के 2026 सत्र में अटलांटा यूनाइटेड को 3-1 से हरा दिया। यह मुकाबला पूर्वी सम्मेलन के तहत खेला गया। इस जीत के साथ इंटर मियामी पूर्वी सम्मेलन की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर बना हुआ है। टीम शीर्ष पर काबिज नैशविले से 11 अंक पीछे है। मियामी की नियमित सत्र में यह 15वीं जीत रही। मियामी की आक्रामक तिकड़ी मेसी, लुइस सुआरेज और जर्मन बेरतेरामे ने जीत में अहम भूमिका निभाई। बेरतेरामे ने हाफ टाइम से ठीक पहले गोल करके मियामी को बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में मेसी ने चार मिनट के भीतर दो गोल दागकर टीम की बढ़त मजबूत कर दी। सुआरेज ने मुकाबले में दो गोल करने में मदद की। अटलांटा यूनाइटेड की ओर से स्थानापन्न खिलाड़ी फैब्रिस पिकाल्ट ने मुकाबले के अंतिम क्षणों में पेनल्टी पर गोल किया। इससे मियामी का लगातार दो मुकाबलों में गोल नहीं खाने का सिलसिला टूट गया। टीम ने इससे पहले लगातार दो मैचों में विरोधी टीम को गोल करने से रोका था। हालांकि, मियामी ने अंतत: 3-1 से जीत दर्ज कर तीन अंक अपने नाम किए।

भारत-वेस्टइंडीज टी20 सीरीज ड्रा: कप्तान श्रेयस अय्यर ने गेंदबाजों पर फोड़ा ठीकरा, छलका दर्द

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज 2-2 की बराबरी पर खत्म हुई, जिसका पांचवां और निर्णायक मुकाबला बारिश के कारण रद्द करना पड़ा। इस परिणाम से भारतीय खेमा निराश है, और कप्तान श्रेयस अय्यर ने सीधे तौर पर गेंदबाजों के प्रदर्शन पर सवाल उठाए हैं। मैच रद्द होने के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने स्वीकार किया कि यदि टीम ने कुछ मैचों में अपनी गेंदबाजी में और अनुशासन दिखाया होता, तो सीरीज का नतीजा कुछ और हो सकता था। उन्होंने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में कहा कि टीम दूसरे और चौथे मुकाबले में बेहतर गेंदबाजी कर सकती थी, जहां परिणाम भारत के पक्ष में नहीं रहे। हालांकि, श्रेयस अय्यर ने सीरीज के दौरान टीम के जुझारू रवैये और आक्रामक मानसिकता की सराहना भी की। उन्होंने साफ किया कि भारतीय टीम भविष्य में भी इसी आक्रामक सोच के साथ मैदान पर उतरेगी और अपनी शैली में कोई बदलाव नहीं करेगी। यह टिप्पणी टीम की रणनीति और भविष्य के दृष्टिकोण को स्पष्ट करती है, लेकिन यह भी दर्शाती है कि कप्तान मौजूदा प्रदर्शन से पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं।

वैभव के साथ नाइंसाफी पर बोले कप्तान श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली । भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच टी20 मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर रही, लेकिन इस सीरीज में टीम इंडिया के युवा ओपनर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को एक भी मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला। यह स्थिति एक बार फिर युवा प्रतिभाओं को मौके मिलने की बहस को जन्म दे रही है। सीरीज का आखिरी मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका, जिसके बाद टीम इंडिया के कप्तान श्रेयस अय्यर से वैभव सूर्यवंशी को लेकर सवाल पूछा गया। अय्यर ने इस मामले पर खुलकर अपनी बात रखी। वैभव को मौका न दिए जाने को लेकर अय्यर ने कहा, मैं बस वैभव सूर्यवंशी से यही कहता रहता हूं कि तुम्हें अपने मौके जरूर मिलेंगे। अगर तुम अपने प्रोसेस पर लगातार काम करते रहो, अपना माइंडसेट सकारात्मक रखो और मौका न मिलने के बारे में ज्यादा मत सोचो, तो बेहतर होगा। कभी-कभी आपको इंतजार करना पड़ता है। हमारे पास दो शानदार ओपनर हैं, जिन्होंने हमें वर्ल्ड कप जिताया है और जो लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। अय्यर का यह बयान संकेत देता है कि टीम प्रबंधन वैभव की प्रतिभा से वाकिफ है, लेकिन मौजूदा टीम संयोजन में उनके लिए जगह बना पाना मुश्किल हो रहा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में टीम इंडिया के लिए अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने पारी की शुरुआत की थी। हालांकि, इस सीरीज में अभिषेक कुछ खास प्रभावी नहीं रहे, लेकिन संजू सैमसन ने जरूर खुद को साबित किया। यही कारण है कि वैभव को एक भी मैच में मौका नहीं मिल पाया। टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर ने भी कुछ मौकों पर वैभव को फिलहाल इंतजार करने की सलाह दी है, जिससे स्पष्ट है कि उन्हें भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन अभी उनकी बारी नहीं आई है।

सुनील गावस्कर ने की हार्दिक पांड्या की तारीफ, कहा-उनकी जगह लेना संभव नहीं

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि टीम प्रबंधन हार्दिक पांड्या का विकल्प तलाशने में जरूरत से ज्यादा जुट जाता है, जबकि उनके जैसे खिलाड़ी की जगह लेना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर हार्दिक की क्षमता वाला खिलाड़ी नहीं मिलता है, तो टीम को किसी दूसरे खिलाड़ी को अलग भूमिका के लिए तैयार करना चाहिए।

गावस्कर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज से मिली सीख, नमन धीर की बल्लेबाजी और भारतीय टीम के स्पिन गेंदबाजी संयोजन पर भी अपनी राय रखी।

जियोस्टार के कार्यक्रम हायर क्रिकेट लाइव में गावस्कर के साथ अभिषेक नायर, चेतेश्वर पुजारा और आकाश चोपड़ा ने भी पांच मैचों की टी20 सीरीज पर चर्चा की। भारत और वेस्टइंडीज के बीच बेंगलुरु में खेला गया पांचवां और निर्णायक मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। मैच में केवल 7.4 ओवर का खेल हो सका और सीरीज 2-2 से बराबर रही।

गावस्कर ने कहा, हमें गेंदबाजी देखने का मौका नहीं मिला। यह देखना दिलचस्प होता कि नौ ओवर के इस मुकाबले में भारतीय गेंदबाज कैसा प्रदर्शन करते। इस सीरीज से एक सीख यह मिलती है कि भारत को अपनी गेंदबाजी में कम से कम चार नियमित गेंदबाजों के साथ उतरना चाहिए। पांचवें और छठे गेंदबाज की भूमिका ऐसे आलराउंडर निभा सकते हैं, जो बल्लेबाजी भी कर सकें।

उन्होंने कहा, नमन धीर जैसे खिलाड़ी बल्लेबाजी में ज्यादा सक्षम हैं, लेकिन दो-तीन ओवर गेंदबाजी भी कर सकते हैं। अक्षर पटेल अपने चार ओवर पूरे कर सकते हैं। कभी-कभी हम हार्दिक पांड्या का विकल्प तलाशने में कुछ ज्यादा ही जुट जाते हैं। हार्दिक पांड्या की जगह कोई नहीं ले सकता। अगर उनकी क्षमता वाला खिलाड़ी नहीं मिल रहा है, तो ऐसे खिलाड़ी के साथ आगे बढ़ना चाहिए, जो थोड़ी अलग भूमिका निभा सके। नमन धीर यही काम कर रहे हैं। वह अपने ओवर अच्छी तरह डाल रहे हैं और इस मैच में उन्होंने जिस तरह बल्लेबाजी की, वह भी शानदार थी।

गावस्कर ने कहा कि आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों को शामिल करने के चक्कर में गेंदबाजी कमजोर नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, जब आप आठवें नंबर तक बल्लेबाजी रखने के लिए अपनी गेंदबाजी से समझौता करते हैं, तो टीम कमजोर हो जाती है और इसी वजह से हार का सामना करना पड़ सकता है।

नमन धीर की बल्लेबाजी से प्रभावित पुजारा

पूर्व भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 मुकाबले में नमन धीर की नाबाद 24 रन की पारी की सराहना की। धीर ने केवल छह गेंदों में ये रन बनाए।

पुजारा ने कहा, जिस सहजता से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह खास है। उन्होंने छह गेंदों का सामना किया और उनमें से केवल दो पर एक-एक रन लिया। बाकी गेंदों पर चौके और छक्के लगाए। नौ ओवर तक सीमित मुकाबले में उनका स्ट्राइक रेट 400 रहा। इस स्थिति में उतरकर हर गेंद पर चौका या छक्का लगाने के लिए काफी तैयारी की जरूरत होती है।

उन्होंने कहा, उन्हें बल्लेबाजी करते देखकर लगता है कि वह इसे बहुत आसान बना देते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। जब आप इस क्रम पर बल्लेबाजी करने उतरते हैं, तो सोचने का समय नहीं होता। ऐसे में केवल पांच या छह गेंदों का सामना करके 24 रन बना लेना शानदार प्रदर्शन है।

अभिषेक नायर ने सीरीज को 2-2 से बराबर रहने को बताया उचित

अभिषेक नायर ने कहा कि दोनों टीमों ने पूरी सीरीज में अच्छा क्रिकेट खेला और ऐसे में 2-2 से बराबरी पर समाप्त होना उचित परिणाम रहा।

उन्होंने कहा, जिस तरह यह सीरीज आगे बढ़ी, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि कई मायनों में इसका 2-2 से समाप्त होना सही है, क्योंकि दोनों टीमों ने बहुत अच्छा क्रिकेट खेला। यह दुर्भाग्यपूर्ण होता अगर पूरी सीरीज का फैसला नौ ओवर के मुकाबले से होता। दोनों टीमों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और सीरीज का 2-2 से समाप्त होना बताता है कि मुकाबला कितना कड़ा रहा।

नायर ने कहा कि घरेलू मैदान पर भारत के लिए यह सीरीज आसान नहीं रही और वेस्टइंडीज को अपने प्रदर्शन पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सात ओवर के मुकाबले में भारत को अपनी जीत की उम्मीद रही होगी, लेकिन अच्छी सीरीज का अंत बराबरी के साथ होना भी उचित रहा।

बांग्लादेश दौरे के लिए वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम में शमर स्प्रिंगर शामिल, कीमो पाल बाहर

नई दिल्ली

वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए अपनी टीम में बदलाव किया है। तेज गेंदबाजी आलराउंडर कीमो पाल निजी और पारिवारिक कारणों से स्वदेश लौटेंगे। उनकी जगह शमर स्प्रिंगर को टीम में शामिल किया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने इसकी पुष्टि की।

28 वर्षीय स्प्रिंगर वेस्टइंडीज के लिए तीन एकदिवसीय और 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं, लेकिन उन्हें अभी टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करना है। उन्होंने 23 प्रथम श्रेणी मैचों में 32.59 की औसत से 1,043 रन बनाए हैं और 27.87 की औसत से 58 विकेट लिए हैं। स्प्रिंगर ने 2026 वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में बारबाडोस की ओर से बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने चार मैचों में 50.20 की औसत से 251 रन बनाए। हालांकि, गेंदबाजी में उनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत साधारण रहा और उन्होंने आठ पारियों में 42 की औसत से सात विकेट लिए।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने बताया कि कीमो पाल के संभावित विकल्प के रूप में ओजे शील्ड्स और नियाल स्मिथ के नामों पर भी विचार किया गया था, लेकिन चोट के कारण वे चयन की दौड़ से बाहर हो गए।

वेस्टइंडीज की टीम इस दौरे पर नियमित सफेद गेंद के कप्तान शाई होप के बिना भी उतरेगी। उन्हें आराम दिया गया है। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को कार्यभार प्रबंधन के तहत टीम से बाहर रखा गया है। शुरुआत में जोसेफ की जगह ही कीमो पाल को टीम में शामिल किया गया था।

स्प्रिंगर और पाल दोनों भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज की सीमित ओवरों की सीरीज का हिस्सा थे। भारत दौरे का समापन शनिवार को बेंगलुरु में पांचवां टी20 मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के साथ हुआ। वेस्टइंडीज ने तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 1-2 से गंवाई, जबकि पांच मैचों की टी20 सीरीज 2-2 से बराबर रही।

ऐसा रहेगा बांग्लादेश दौरे का कार्यक्रम

वेस्टइंडीज की टीम 22 से 24 अक्टूबर तक ढाका में तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। इसके बाद पहला टेस्ट 28 अक्टूबर से 1 नवंबर तक मीरपुर में होगा, जबकि दूसरा टेस्ट 5 से 9 नवंबर तक सिलहट में खेला जाएगा।

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की संशोधित टीम:

रोस्टन चेज (कप्तान), जोमेल वारिकन (उपकप्तान), जोशुआ बिशप, जान कैंपबेल, तेगनारायण चंद्रपाल, जोशुआ डा सिल्वा (विकेटकीपर), जस्टिन ग्रीव्स, केवम हाज, अमीर जांगू (विकेटकीपर), शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, केमार रोच, जेडन सील्स, शमर स्प्रिंगर और केविन विकहम।

एशियाई पैरा खेल : भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने की खिलाड़ियों से मुलाकात, बढ़ाया हौसला

नागोया। जापान में आयोजित एशियाई पैरा खेलों में हिस्सा ले रहे भारतीय खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने भारतीय दल के सदस्यों से मुलाकात की। अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व कर रहे पैरा खिलाड़ियों के समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की। भारतीय दूतावास के प्रतिनिधिमंडल में उप मिशन प्रमुख आर. मधु सुदन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मामलों के काउंसलर डा. यशवंत देव पंवार, अटैशे अक्षय और दूतावास की स्थानीय कर्मचारी काया कांडा शामिल थीं। इस मुलाकात के दौरान भारतीय पैरा खिलाड़ियों का समर्थन करने के महत्व पर जोर दिया गया। अधिकारी खिलाड़ियों के खेल कौशल के साथ-साथ उनके संघर्ष, दृढ़ संकल्प और जज्बे से भी प्रभावित दिखे। अधिकारियों के प्रोत्साहन से प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे भारतीय दल का मनोबल बढ़ा। भारतीय खिलाड़ी विभिन्न स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतर रहे हैं। ऐसे में दूतावास के अधिकारियों की यह मुलाकात अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे भारतीय खिलाड़ियों के प्रति समर्थन और प्रोत्साहन का प्रतीक रही।

दिल्ली हाफ मैराथन 2026 : मताता ने तोड़ा कोर्स रिकार्ड भारतीय धावकों में शैलेश और अंकिता रहे अव्वल

नई दिल्ली

केन्या के चार्ल्स मताता ने रविवार को दिल्ली हाफ मैराथन में पुरुषों की एलीट दौड़ का कोर्स रिकार्ड तोड़ते हुए खिताब अपने नाम किया, जबकि इथियोपिया की वुडिनेश अलेमु ने महिलाओं की एलीट दौड़ में पहला स्थान हासिल किया। भारतीय धावकों में पुरुष वर्ग में शैलेश कुशवाहा और महिला वर्ग में अंकिता ध्यानी ने शीर्ष स्थान हासिल किया।

मताता ने 58 मिनट 52 सेकेंड का समय लेकर दौड़ पूरी की। उन्होंने 2020 में इथियोपिया के अमेदेवोर्क वालेलेग्न के बनाए 58 मिनट 53 सेकंड के रिकार्ड को एक सेकेंड से पीछे छोड़ दिया। इस उपलब्धि के लिए मताता को विजेता की 27 हजार अमेरिकी डालर की पुरस्कार राशि के अलावा 12 हजार डालर का अतिरिक्त बोनस भी मिलेगा।

मताता के जुड़वां भाई एलेक्स मताता ने 2025 में 59 मिनट 50 सेकेंड के समय के साथ यह खिताब जीता था। इस बार पुरुषों की एलीट दौड़ में केन्या के धावकों का दबदबा रहा। सैमवेल न्यामाई मेलू ने 59 मिनट 24 सेकेंड के समय के साथ दूसरा और स्टेनली वाइथाका म्बुरू ने 59 मिनट 33 सेकेंड के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

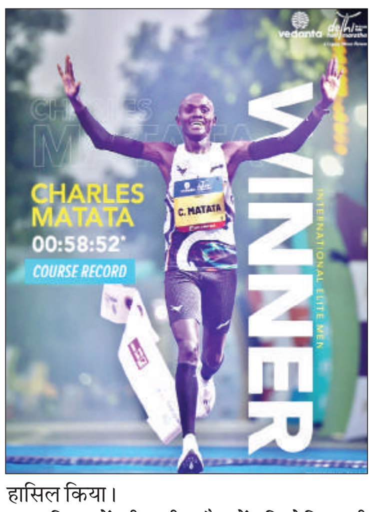

महिलाओं की एलीट दौड़ में इथियोपिया की वुडिनेश अलेमु ने एक घंटा छह मिनट 35 सेकेंड में दौड़ पूरी कर खिताब जीता। केन्या की सेलाह बुसिनेई एक घंटा सात मिनट एक सेकेंड के समय के साथ दूसरे और सिंथिया चेलांगत चेपक्वोनी एक घंटा सात मिनट 32 सेकेंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

शैलेश और अंकिता भारतीय धावकों में अव्वल - पुरुषों की भारतीय एलीट श्रेणी में शैलेश कुशवाहा ने एक घंटा पांच मिनट पांच सेकेंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। गौरव माथुर एक घंटा पांच मिनट 11 सेकेंड के समय के साथ दूसरे और हेमंत कुमार एक घंटा पांच मिनट 37 सेकेंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

महिलाओं की भारतीय एलीट श्रेणी में अंकिता ध्यानी ने एक घंटा 12 मिनट 46 सेकेंड में दौड़ पूरी कर शीर्ष स्थान हासिल किया। सोनिया एक घंटा 14 मिनट 56 सेकेंड के समय के साथ दूसरे और भागीरथी एक घंटा 15 मिनट 51 सेकेंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

2.75 लाख डालर से अधिक की पुरस्कार राशि - दिल्ली हाफ मैराथन 2026 में कुल दो लाख 75 हजार 732 अमेरिकी डालर की पुरस्कार राशि रखी गई थी। पुरुष और महिला एलीट दौड़ के विजेताओं को 27-27 हजार अमेरिकी डालर मिले। भारतीय एलीट पुरुष और महिला श्रेणियों में शीर्ष तीन धावकों को क्रमश: साढ़े तीन लाख, ढाई लाख और डेढ़ लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

भारतीय टीम का न्यूजीलैंड दौरा: 12 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की लंबी क्रिकेट सीरीज का पूरा शेड्यूल

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की रोमांचक टी20 सीरीज को 2-2 की बराबरी पर खत्म करने के बाद अब एक नए और बड़े दौरे के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम इंडिया अब न्यूजीलैंड की चुनौतीपूर्ण धरती पर कदम रखने जा रही है, जहां अक्टूबर से दिसंबर 2026 तक एक लंबा और ऐतिहासिक सीरीज खेली जानी है।

इस दौरे पर दोनों टीमों के बीच कुल 12 मुकाबले खेले जाएंगे, जिसमें पांच टी20, पांच वनडे और दो टेस्ट मैचों की सीरीज शामिल है। कीवी टीम के खिलाफ यह महामुकाबला 22 अक्टूबर से शुरू होकर 1 दिसंबर 2026 तक चलेगा, जिससे पहले दोनों टीमें जनवरी 2026 में भारत दौरे पर आमने-सामने आ चुकी हैं।

न्यूजीलैंड दौरे की शुरुआत सबसे पहले पांच मैचों की रोमांचक टी20 सीरीज के साथ होगी, जो 22 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 के बीच खेली जाएगी। इस फार्मेट का पहला मुकाबला 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल मैदान पर खेला जाएगा, जिसके बाद ठीक दो दिन बाद यानी 24 अक्टूबर को इसी मैदान पर दूसरा टी20 मैच आयोजित होगा। सीरीज का तीसरा मुकाबला 27 अक्टूबर को वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमें आकलैंड के ऐतिहासिक ईडन पार्क का रुख करेंगी जहां 30 अक्टूबर को चौथा टी20 मुकाबला खेला जाएगा। टी20 श्रृंखला का पांचवां और अंतिम मैच 1 नवंबर को हेमिल्टन के सेडन पार्क में खेला जाएगा, जिसके साथ ही सीरीज का यह पहला चरण समाप्त हो जाएगा। सभी टी20 मैच भारतीय समयानुसार रात 12:00 बजे शुरू होंगे।

टी20 मुकाबलों के बाद दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का रोमांच शुरू होगा, जो 4 नवंबर से 15 नवंबर 2026 तक खेली जाएगी। वनडे श्रृंखला का आगाज 4 नवंबर को आकलैंड के ईडन पार्क में होगा, हालांकि भारतीय समयानुसार यह मैच एक दिन पहले यानी 3 नवंबर की शाम 6:00 बजे शुरू होगा। इसके बाद दूसरा वनडे 7 नवंबर को वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में खेला जाएगा (भारतीय समयानुसार 6 नवंबर शाम 6:00 बजे)। सीरीज का तीसरा मुकाबला 10 नवंबर को हेमिल्टन के सेडन पार्क में (भारतीय समयानुसार 9 नवंबर शाम 6:00 बजे) होगा। इसके बाद बचे हुए दोनों वनडे मुकाबले माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान पर खेले जाएंगे। चौथा वनडे 13 नवंबर को (भारतीय समयानुसार 12 नवंबर शाम 6:00 बजे) और पांचवां तथा अंतिम वनडे 15 नवंबर को (भारतीय समयानुसार 14 नवंबर शाम 6:00 बजे) खेला जाएगा।

दौरे का सबसे रोमांचक और अंतिम चरण दो मैचों की बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज होगी, जो 19 नवंबर से 1 दिसंबर 2026 के बीच खेली जाएगी। पारंपरिक लाल गेंद के इस मुकाबले का पहला टेस्ट मैच 19 से 23 नवंबर के बीच वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व मैदान पर आयोजित होगा, जिसकी शुरुआत भारतीय समयानुसार 18 नवंबर की दोपहर 2:00 बजे से हो जाएगी।

वहीं इस ऐतिहासिक दौरे का समापन दूसरे टेस्ट मैच के साथ होगा, जो 27 नवंबर से 1 दिसंबर के बीच क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल मैदान पर खेला जाएगा और यह मैच भारतीय समयानुसार 26 नवंबर की दोपहर 2:00 बजे शुरू होगा। न्यूजीलैंड की उछालभरी पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों के लिए यह एक कड़ी चुनौती होगी, और यह लंबी सीरीज आगामी महीनों में क्रिकेट जगत में किस टीम का दबदबा कायम रहता है, यह तय करेगी।

निजामाबाद शहर में नवनिर्मित विशिष्ठ ज्वेलरी के उद्घाटन समारोह में भाग लेते हुए निजामाबाद शहरी क्षेत्र के पूर्व विधायक श्री गणेश बिगाला। इस अवसर पर उन्होंने ज्वेलरी के संचालकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि निजामाबाद शहर का व्यापारिक क्षेत्र में निरंतर विकास होना और नए व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के केंद्र के रूप में उभरना खुशी की बात है।

हांगकांग में डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव हिंदी सेवा सम्मान से सम्मानित

हैदराबाद, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद की हिंदी एवं संस्कृत विदुषी, साहित्यकार और शोधकर्ता डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव को हांगकांग में आयोजित 13वें अंतरराष्ट्रीय हिंदी अधिवेशन में हिंदी सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। भाषा सहोदरी हिंदी (पंजीकृत) द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस अधिवेशन में उन्होंने वैश्विक स्तर पर अनुवाद में हिंदी की दशा और दिशा विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया तथा हिंदी के वैश्विक प्रचार-प्रसार और अनुवाद की संभावनाओं पर विचार व्यक्त किए।अधिवेशन में चीन के क्वांगवोंग विदेशी भाषा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विवेक मणि त्रिपाठी, हांगकांग पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय की डॉ. गीता भावनानी तथा श्री शक्ति अकादमी, हांगकांग की अध्यक्षा निशा झावेरी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संयोजिका अनामिका मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता द कॉसुल (कॉमर्स एंड आईटीओयू) के अधिकारी मेघनाथ गावित ने की। अधिवेशन में भारत के विभिन्न राज्यों से आए 35 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर भाषा सहोदरी हिंदी की पत्रिका का विमोचन भी किया गया। डॉ. श्रीवास्तव को मिला सम्मान हैदराबाद के हिंदी साहित्य जगत के लिए गौरव का विषय है।

वरिष्ठ हिंदी विद्वान सोनाजी देवीदास का निधन

हैदराबाद, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी के वरिष्ठ विद्वान, राजभाषा सेवी एवं अनुवादक सोनाजी देवीदास (81) का 17 अक्टूबर, 2026 को निधन हो गया। वे भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की हिंदी शिक्षण योजना में वरिष्ठ प्राध्यापक रहे। हिंदी और अंग्रेजी में दक्ष देवीदास ने लाखों पृष्ठों का अनुवाद किया तथा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उनकी अंतिम यात्रा 19 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे हिमायत नगर स्थित निवास से निकलेगी। अंतिम संस्कार दोपहर 3 से 4 बजे के बीच पुराना पुल श्मशान वाटिका में होगा।

पुराने कपड़ों का संग्रहण शिविर जारी

हैदराबाद, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में पहनने योग्य पुराने कपड़ों के संग्रहण के लिए सिद्दिअंबर बाजार स्थित बाहेती भवन में शिविर जारी है। इस आशय की जानकारी समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

उन्होंने बताया कि शिविर प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक चलेगा। समिति की ओर से सभी समाज बंधुओं से अपील की गई है कि वे अपने परिवार के सभी सदस्यों के पहनने योग्य पुराने कपड़ों को संग्रहण शिविर स्थल पर लाकर जमा कराने का कष्ट करें, ताकि इन कपड़ों का जरूरतमंद लोगों के लिए उपयोग किया जा सके।

समिति का उद्देश्य उपयोगी पुराने कपड़ों को एकत्रित कर उन्हें जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने में सहयोग करना है। अक्सर घरों में ऐसे कपड़े रखे रहते हैं, जिनका उपयोग परिवार के सदस्य नहीं करते, जबकि वे किसी अन्य जरूरतमंद व्यक्ति के काम आ सकते हैं। ऐसे कपड़ों का दान जरूरतमंदों को राहत देने के साथ-साथ कपड़ों के पुनः उपयोग को भी प्रोत्साहित करता है।

कपड़े दान करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि वे साफ-सुथरे, पहनने योग्य और अच्छी स्थिति में हों। बच्चों, महिलाओं और पुरुषों के कपड़े अलग-अलग व्यवस्थित करके देने से उनके वितरण में सुविधा होती है। फटे हुए, अत्यधिक खराब या अनुपयोगी कपड़ों के बजाय ऐसे वस्त्र दान करें, जिन्हें जरूरतमंद व्यक्ति सम्मानपूर्वक पहन सके।

राजस्थानी जागृति समिति ने समाज के सभी बंधुओं से इस सेवा कार्य में सहयोग करने तथा अधिक से अधिक परिवारों को कपड़े दान के लिए प्रेरित करने की अपील की है।

समिति के अनुसार, समाज के लोगों के सामूहिक सहयोग से जरूरतमंदों की सहायता करने और सेवा भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

रविवार को शिवर में विभिन्न संस्थानों के पदाधिकारियों ने भाग लिया जिनका शॉल व साफा से सम्मान किया गया। सभी ने शिविर की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में रविवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के समर्पित सदस्य जगत नारायण अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और जरूरतमंदों की सेवा करना ही मानव जीवन की सबसे बड़ी सार्थकता है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा न केवल दूसरों के जीवन में खुशियां लाती है, बल्कि मनुष्य को आत्मिक संतोष और ईश्वर की कृपा का अनुभव भी कराती है।

कार्यक्रम में महेश अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता और कमल मूंदड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

बिजली की मांग को लेकर बीआरएस ने किया कैंडल मार्च

मंचेरियाल, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल विधानसभा क्षेत्र के लक्षेट्टीपेट कस्बे में बीआरएस के राज्य नेता नडपल्ली विजित कुमार के नेतृत्व में किसानों के साथ विशाल कैंडल मार्च निकालकर कृषि कार्यों के लिए 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति की मांग की गई।

इस अवसर पर विजित कुमार ने कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि अघोषित बिजली कटौती से किसानों को परेशानी हो रही है। बिजली के उतार-चढ़ाव से मोटरें जल रही हैं और ट्रांसफार्मर खराब हो रहे हैं, जबकि सिंचाई के अभाव में फसलें सूख रही हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर के कार्यकाल में किसानों को 24 घंटे मुफ्त बिजली देने का उल्लेख करते हुए सरकार से निर्बाध बिजली, सूखी फसलों के लिए मुआवजा तथा खराब मोटरों और ट्रांसफार्मरों की मरम्मत की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर बीआरएस किसानों के साथ मिलकर विधायकों, मंत्रियों और मुख्यमंत्री के आवासों का घेराव करेगी। कार्यक्रम में लक्षेट्टीपेट, दंडेपल्ली मंडलों के बीआरएस नेताओं, कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

टाइगर...

संदेश में लॉरेंस बिश्नोई के खिलाफ बोलने वाले अन्य लोगों को भी धमकाया गया है। हालांकि, इस ऑडियो की प्रामाणिकता और हमले से इसके संबंध की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

अनिल पंडित पर दावे

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, अनिल पंडित हरियाणा के पानीपत जिले के रायर कलां गांव का रहने वाला बताया जाता है। रिपोर्टों में दावा किया गया है कि वह वर्ष 2022 में दुबई गया और बाद में कथित तौर पर अवैध रास्ते से अमेरिका पहुंचा। उसका नाम लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जोड़ा जाता रहा है। गुरु रंधावा के जिम के बाहर गोलीबारी, हरियाणवी गायक दिलेर खरकिया की गाड़ी पर फायरिंग और पानीपत में रंगदारी मांगने के मामलों में भी उसके नाम से जुड़े दावे सामने आए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, उसके खिलाफ 10 मामले दर्ज हैं और उसके विरुद्ध लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया गया था। इन दावों की आधिकारिक स्थिति की पुष्टि पुलिस से होना बाकी है।

शिंदे की चेतावनी

घटना के बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने गोलीबारी की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि हमलावरों को ढूंढकर गिरफ्तार किया जाएगा और उन्हें उन्हीं की भाषा में जवाब दिया जाएगा। शिंदे ने कहा कि मुंबई पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए कई टीमें बनाई हैं और इस हमले के पीछे जो भी होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

शिंदे ने बताया कि उन्होंने टाइगर श्रॉफ और उनके पिता जैकी श्रॉफ से फोन पर बात की है। उन्होंने अभिनेता को आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ है और उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि मुंबई में आम नागरिकों और फिल्मी सितारों की सुरक्षा पुलिस तथा सरकार की जिम्मेदारी है और इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं होगी। मुंबई में पहले हुई गैंगवार की घटनाओं का जिक्र करते हुए शिंदे ने कहा कि पुलिस ऐसी घटनाओं पर काबू पाने में सक्षम रही है। मुंबई में दहशत फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि गोली चलाने वालों को पकड़कर उनकी ही भाषा में जवाब दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गोलीबारी की घटना के बाद मुंबई पुलिस आयुक्त से फोन पर बात कर मामले की जानकारी ली। उन्होंने पुलिस को त्वरित जांच करने और घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों के अनुसार, फडणवीस ने टाइगर श्रॉफ से भी फोन पर बात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि आरोपियों का जल्द से जल्द पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अभिनेता से कहा कि सरकार उनके साथ है।

शेलार ने जाना हाल

महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार ने भी टाइगर श्रॉफ के परिवार से फोन पर बात कर उनका हाल जाना। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि फायरिंग किसने की और इसके पीछे क्या कारण था।

रोहित पवार ने घेरा

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार ने टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग की घटना को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि टाइगर इस हमले में सुरक्षित रहे, लेकिन यदि कलाकारों और बड़े नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है, तो आम लोगों की सुरक्षा का क्या होगा?

रोहित पवार ने दावा किया कि महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति काफी बिगड़ गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री से गृह विभाग की जिम्मेदारी किसी दूसरे विधायक को सौंपने की अपील की, ताकि राज्य के लोग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें।

पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। सोशल मीडिया पर हमले की जिम्मेदारी लेने वाले संदेशों, कथित ऑडियो और गिरोह से जुड़े दावों की भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही हमले के पीछे की वास्तविक वजह और आरोपियों की भूमिका स्पष्ट हो सकेगी।

घुसपैठ नाकाम...

इसी सतर्कता के चलते केरन सेक्टर के जुमागुंड इलाके में दो पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराया गया।

सेना के मुताबिक, जुमागुंड में तड़के करीब तीन बजे तीन से चार संदिग्धों की हलचल देखी गई थी। इनमें से दो को मार गिराया गया, जबकि अन्य संदिग्धों की तलाश में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। जुमागुंड बेहद ऊंचाई पर स्थित इलाका है, जो दो दिन पहले हुई बर्फबारी के कारण पूरी तरह बर्फ से ढक गया है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तानी आतंकी इसी स्थिति का फायदा उठाकर घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। आतंकियों ने बर्फ में छिपने के लिए सेना जैसी सफेद वर्दी पहन रखी थी, जिसे ङ्गस्नो कैमोफ्लाजफ कहा जाता है। इस तरह की सफेद वर्दी का इस्तेमाल बर्फीले और ऊंचाई वाले इलाकों में तैनात सैनिक करते हैं। यह पोशाक बर्फ में घुल-मिल जाती है, जिससे किसी व्यक्ति को पहचानना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा, यह कड़ाके की ठंड से भी बचाव करती है।

आतंकियों और उनके मददगारों की धरपकड़ के लिए पुंछ, राजौरी, कुपवाड़ा, उरी, गुरेज, केरन, माछेल और तंगधार जैसे क्षेत्रों में गश्त बढ़ा दी गई है। सुरक्षाबलों ने नियंत्रण रेखा से लेकर भीतरी इलाकों, कस्बों और शहरों तक कई स्तरों पर चौकसी और जांच तेज कर दी है, ताकि घुसपैठ की किसी भी कोशिश को नाकाम किया जा सके।

फ्रांस...

घटना के बाद कर्मचारियों ने इमारत को हुए नुकसान का आकलन किया। प्रदर्शनों के बाद हुई हिंसा के दौरान गिरफ्तारियों के साथ पुलिसकर्मियों और आपातकालीन सेवाओं के कर्मचारियों के घायल होने की खबरें भी सामने आईं। रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार तक गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या करीब 1,800 बताई गई। हालांकि, हिंसा की वजहों को लेकर ट्रंप का बयान मुख्य रूप से आव्रजन पर केंद्रित रहा, जबकि प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगें महंगाई, सार्वजनिक सेवाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी थीं।

ट्रंप से पहले अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी फ्रांस में अशांति को पश्चिमी देशों की उदारवादी नीतियों, आव्रजन और बहुसंस्कृतिवाद से जोड़कर देखा था। वेंस ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि विविधता और सहानुभूति के नाम पर पश्चिमी उदारवादियों ने दूसरे देशों के लोगों को फ्रांस और अन्य देशों में आने दिया, लेकिन समाज में उनके रहने और सांस्कृतिक अनुकूलता से जुड़े बुनियादी सवालों की अनदेखी की। इससे पहले ट्रंप ने फ्रांस में जारी अशांति पर तंज कसते हुए वहां की क्रांति में शामिल होने की बात भी कही थी। फ्रांस में प्रदर्शनों के बीच अमेरिकी नेतृत्व की इन टिप्पणियों ने आव्रजन, सामाजिक एकीकरण और पश्चिमी देशों की नीतियों को लेकर जारी बहस को फिर से चर्चा में ला दिया है।

दुनिया में ...

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के लिए यह चुनाव उनका कार्यकाल समाप्त होने से पहले एक बड़ी चुनौती बन गया है।

फ्रांस में छात्र आंदोलन पिछले महीने पेरिस में स्थानीय स्तर पर शुरू हुआ था, जो धीरे-धीरे पूरे देश में फैल गया। फ्रांस-24 को जानकारी देते हुए फ्रांसीसी आंतरिक मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि घटती क्रय शक्ति के खिलाफ हुए प्रदर्शनों में करीब 5.5 लाख लोगों ने हिस्सा लिया, जिनमें पेरिस की सड़कों पर 1.10 लाख लोग उतरे थे। इस दौरान कई जगहों पर हिंसक झड़पें भी हुईं।

बेल्जियम: फीस वृद्धि का विरोध

पड़ोसी देश बेल्जियम में भी ऐसे ही हालात देखने को मिल रहे हैं। सार्वजनिक खर्चों में कटौती और घरेलू खर्चों में बढ़ोतरी के बीच छात्रों ने उच्च शिक्षा तथा विश्वविद्यालयों में पंजीकरण शुल्क बढ़ाने का विरोध किया है। ब्रसेल्स और लिएज में प्रदर्शनकारियों तथा पुलिस के बीच हुई झड़पों के बाद पुलिस को पानी की बौछारों वाली तोपों का इस्तेमाल करना पड़ा।

पुर्तगाल: वेतन और मकान संकट

पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में हजारों लोगों ने बढ़ती महंगाई, कम वेतन और किफायती मकान मिलने में हो रही मुश्किलों के खिलाफ मार्च निकाला। लिस्बन और कई अन्य शहरों में वर्ष 2017 के बाद से संपत्ति की कीमतें दोगुनी से अधिक हो चुकी हैं, जबकि किराए में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। इससे कम आय वाले परिवारों और युवा कामगारों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है।

इटली: महंगाई से परेशानी

इटली में भी यूरोप के दूसरे हिस्सों जैसे हालात देखने को मिल रहे हैं। मिलान में स्थिर वेतन, महंगाई और रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने में आ रही दिक्कतों को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किए। इस दौरान झड़पों की खबरें भी सामने आईं, हालांकि इटली में प्रदर्शन फ्रांस के मुकाबले छोटे थे।

अल्बानिया और तुर्किये: बढ़ता असंतोष

अल्बानिया में छात्र विश्वविद्यालयों की बदतर स्थिति, पढ़ाई पर बढ़ते खर्च और स्नातक होने के बाद रोजगार के अवसरों की कमी को लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। 13 अक्टूबर को राजधानी तिराना में शिक्षा मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन हिंसक हो गया। छात्रों ने इमारत पर ईंटें और कंक्रीट के टुकड़े फेंके, जिसके जवाब में पुलिस ने कार्रवाई की। वहीं, तुर्किये में पिछले महीने पेंशनभोगियों और मजदूर संगठनों ने लगातार बढ़ती महंगाई तथा अपर्याप्त पेंशन भुगतान के खिलाफ प्रदर्शन किए। राजधानी अंकारा में संवैधानिक अदालत के बाहर जमा हुए पेंशनभोगियों ने सम्मान के साथ जीवन जीने के अपने अधिकार की मांग की।

अर्जेंटीना: शिक्षा नीति पर नाराजगी

लैटिन अमेरिकी देश अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में बजट में भारी कटौती करने वाले राष्ट्रपति जेवियर माइली की उच्च शिक्षा नीति के खिलाफ इस सप्ताह की शुरुआत में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। संसद के बाहर हजारों विश्वविद्यालयी छात्रों, कर्मचारियों और श्रमिक संगठनों के सदस्यों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की शुरुआत शांतिपूर्ण रही, लेकिन कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया। माइली के सत्ता में आने के बाद शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता में कटौती के मुद्दे पर यह पांचवां बड़ा विरोध प्रदर्शन है।

अमेरिका: ट्रंप के खिलाफ रैलियां

संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ ङ्गनो किंग्सफ नेटवर्क ने देशभर के शहरों में रैलियां आयोजित कीं। इनका उद्देश्य मध्यावधि चुनावों में लोगों को जल्दी मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करना था। हालांकि, इन रैलियों को गैर-दलीय बताया गया, लेकिन ये ट्रंप की नीतियों से असंतुष्ट लोगों के पिछले दो वर्षों से जारी विरोध का हिस्सा भी थीं।

भारत: मतदाता सूची पर सवाल

भारत में भी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ प्रदर्शन जारी हैं। ऐसे में विभिन्न देशों में महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, आवास और सरकारी नीतियों से जुड़े मुद्दों पर विरोध देखने को मिल रहा है। लोग अपनी मांगों और अधिकारों को लेकर आवाज उठा रहे हैं।

मंदिर सील...

रामलीला मंदिर को डेरा इस्माइल खान की ऐतिहासिक और धार्मिक विरासत का हिस्सा माना जाता है। ईटीपीबी ने डेरा इस्माइल खान में करीब 400 इमारतों को सांस्कृतिक विरासत की संपत्तियों के रूप में चिह्नित किया है। ईटीपीबी पाकिस्तान सरकार का एक निकाय है, जो 1947 में विभाजन के बाद भारत चले गए लोगों की छोड़ी गई संपत्तियों और अल्पसंख्यक धार्मिक समुदायों की ट्रस्ट संपत्तियों का प्रबंधन करता है। इसके अंतर्गत कई हिंदू और सिख धार्मिक स्थल भी आते हैं। ऑल पाकिस्तान हिंदू राइट्स मूवमेंट के अध्यक्ष हारून सरब डायल ने उम्मीद जताई कि खैबर पख्तूनख्वा में मौजूदा गवर्नर शासन के दौरान हिंदू धार्मिक स्थलों को विशेष सुरक्षा दी जाएगी। उन्होंने 2013 से 2026 के बीच धार्मिक संपत्तियों पर अवैध कब्जे या उनकी बिक्री के आरोपों की भी पूरी जांच की मांग की।

पाकिस्तान ने 11 अक्टूबर को खैबर पख्तूनख्वा में गवर्नर शासन लागू किया था। इसके पीछे खराब कानून-व्यवस्था और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में सहयोग नहीं करने के आरोप बताए गए थे। यह प्रांत जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी की सरकार के अधीन था।

कई पुराने मंदिर

डेरा इस्माइल खान और आसपास के इलाकों में कई पुराने हिंदू धार्मिक और पुरातात्विक स्थल मौजूद हैं। पाकिस्तान के पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के मुताबिक, इनमें बिलोट शरीफ का मंदिर परिसर भी शामिल है, जिसे सातवीं से 11वीं सदी की शुरुआत के बीच का माना जाता है। पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने भी ईटीपीबी के कामकाज में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग की है। गुरुवार को जारी अपनी रिपोर्ट में आयोग ने कहा कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को अब भी कई तरह के अधिकारों के उल्लंघन, ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग, जबरन शादी और धर्म परिवर्तन तथा भेदभाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

रिपोर्ट में हिंदू और ईसाई लड़कियों के अपहरण और जबरन शादी के मामलों के साथ-साथ रोजगार में भेदभाव और अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों की अनदेखी किए जाने का भी उल्लेख किया गया है।

भारत...

इसके बाद 17 अक्टूबर को किरेन रिजिजू ने ङ्गसत्ता परिवर्तनफ की बात करने वालों पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा, बड़े आए ङ्गसत्ता परिवर्तनफ करने वाले! कान खोलकर सुन लो, भारत बांग्लादेश नहीं है!

उन्होंने आगे कहा कि भारतीय युवा मूर्ख नहीं हैं, बल्कि वे भारत का निर्माण करेंगे, उसे नष्ट नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि देश के युवा पदक जीत रहे हैं और कौशल विकास, नवाचार, नए उद्यम, प्रौद्योगिकी के साथ-साथ सांस्कृतिक क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहे हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 19 अक्टूबर, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्र डांडिया में आज महाआरती

एक करोड़ रुपये का चेक माधव ऑटिज्म फाउंडेशन को देंगे अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता

हैदराबाद, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आयोजित नौ दिवसीय अग्र डांडिया महोत्सव के अंतिम दिन आज, 19 अक्टूबर को क्लासिक 3 कन्वेंशन में हजारों भक्तों की उपस्थिति में माता की सामूहिक महाआरती की जाएगी।

जयंती महोत्सव के मुख्य मीडिया प्रभारी डॉ. दिलीप पंसारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रात ठीक 11:01 बजे महाआरती के तुरंत बाद ङ्गमानव सेवा, माधव सेवाफ के अंतर्गत समाज के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता द्वारा घोषित एवं सहयोग की गई एक करोड़ रुपये की राशि का चेक अग्रवाल समाज तेलंगाना की ओर से माधव ऑटिज्म फाउंडेशन को प्रदान किया जाएगा।

आज के इस भव्य आयोजन में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ फेम द ग्रेट खली, हिंदी फिल्मों की अभिनेत्रियां पायल राजपूत और नाजुक लोचन के साथ कुछ प्रमुख नायकों के हमशक्ल भी मेहमान कलाकार के रूप में उपस्थित होकर डांडिया-गरबा खेल रहे लोगों का उत्साहवर्धन करेंगे।

विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को मिलेगा पुरस्कार

नौ दिवसीय डांडिया-गरबा महोत्सव में प्रदर्शन के आधार पर किंग (पुरुष वर्ग, 36 से 60 वर्ष), क्वीन (महिला वर्ग, 36 से 60 वर्ष), प्रिंस (पुरुष वर्ग, 16 से 35 वर्ष), प्रिंसेस (महिला वर्ग, 16 से 35 वर्ष), फेयरी (बालिका वर्ग, 5 से 15 वर्ष) और एंजल (बालक वर्ग, 5 से 15 वर्ष) श्रेणियों के विजेताओं की घोषणा आज के कार्यक्रम में की जाएगी और उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।

प्रतियोगिताओं के विजेता सम्मानित

इससे पहले गत रात्रि डांडिया उत्सव में आयोजित बेस्ट डांडिया ड्रेस, बेस्ट गरबा ड्रेस, बेस्ट डांडिया प्लेयर, बेस्ट गरबा प्लेयर, बेस्ट नॉन-स्टॉप डांडिया प्लेयर एवं नॉन-स्टॉप डांडिया-गरबा प्लेयर जैसी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इनमें अविक, हित्वी, समक्ष, श्रोबित, साकेत, इवान्सी, माहीरा, पूर्वा, कार्तिक, प्रियांश, मुस्कान, कपिल, महिमा, वर्षा, ज्योति, विकास, विजय, कीर्ति, खुशी और अन्य प्रतिभागी शामिल रहे। बेस्ट नॉन-स्टॉप प्लेयर श्रेणी में मयंक, आयुषी एवं मनीष विजेता रहे। कनक, सीमा, नीवा, वेदिका, कशिश, रिया, सार्थक, उमेशा, कुश्वी, अंत्रा, वंशिका, सुमित्रा, दर्शिनी, नेहल, प्राची, दिव्या एवं ज्योति को भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी रहने पर पुरस्कृत किया गया।

विशेष थीम ङ्गफेस्टिवल ऑफ इंडियाफ प्रतियोगिता में रानी सत्ती दादी शाखा (रिंकू गर्ग की टीम) विजेता रही। विशेष बंपर पुरस्कार प्राची अग्रवाल को प्राप्त हुआ।

निधि अग्रवाल की विशेष उपस्थिति

इस अवसर पर टॉलीवुड अभिनेत्री निधि अग्रवाल की विशेष उपस्थिति ने कार्यक्रम की रौनक बढ़ा दी। उन्होंने उपस्थित लोगों के साथ सेल्फी लेकर सभी का उत्साह बढ़ाया। इसके साथ ही लोकप्रिय फिल्म ङ्गहनुमान अंशफ के कलाकार शोभिनव सत्या एवं अभिनेत्री पूर्णिमा तिवारी अपने निर्देशक विशाल चतुर्वेदी के साथ कार्यक्रम में उपस्थित रहे। भगवान श्रीराम एवं हनुमान जी के भजनों की मधुर प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया और कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में भाजपा नेत्री एवं हैदराबाद की पूर्व लोकसभा प्रत्याशी माधवी लता तथा अमित संघी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

निर्णायकों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

निर्णायकों के रूप में समाज की सचिव डॉ. सीमा जैन, सह सचिव प्रतीक नरसरिया, अग्र डांडिया के संयोजक प्रवीण अग्रवाल, सह संयोजक अल्का मिंडा, राजेश नरेड्डी, रितेश अग्रवाल एवं विकास अग्रवाल के साथ विशेष निर्णायक डी.वी. दिवाकर और श्रीमती रश्मि दिवाकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

समाज के पदाधिकारी एवं आयोजन समिति

डांडिया कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरगोविंद अग्रवाल, सचिव डॉ. सीमा जैन, सह सचिव प्रतीक नरसरिया और कोषाध्यक्ष सीए राज गोपाल अग्रवाल उपस्थित रहे।

डांडिया आयोजन समिति के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल (सीएसके), संयोजक प्रवीण अग्रवाल, सह संयोजक हर्ष सोन्थालिया, प्रीति अग्रवाल, डॉ. स्वाति गोयल और अल्का मिंडा के साथ-साथ नौ दिवसीय उत्सव में सदैव सक्रिय भूमिका निभाने वाले राजेश गोयल, राजेश नरेडी, विनोद सोन्थालिया, रितेश अग्रवाल एवं विकास अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

54वें रामायण मेले की तैयारियों का गोविंद नारायण राठी ने लिया जायजा

20 अक्टूबर को होगा रावण दहन एवं श्रीराम का राज्याभिषेक

हैदराबाद, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 54वें रामायण मेले के प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी ने नुमाइश मैदान का दौरा कर आयोजन की तैयारियों का जायजा लिया।राजस्थानी प्रगति समाज एवं एग्जीबिशन सोसाइटी दशहरा सम्मेलन समिति के तत्वावधान में आयोजित रामायण मेले के तहत 20 अक्टूबर को होने वाले रावण दहन एवं भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण किया गया।इस अवसर पर प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी के साथ गिरिधारी लाल दगा, मनोज जायसवाल, सुमित राठी एवं सलीम सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। गोविंद नारायण राठी ने संबंधित सदस्यों को तैयारियों से जुड़े कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि कार्यक्रम का आयोजन भव्य एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया जा सके।

ग्रीन पार्क कॉलोनी में अभिनेत्री मृणाली शीर्षत ने की दुर्गा पूजा

बतुकम्मा उत्सव में लिया भाग, महिलाओं को किया संबोधित

हैदराबाद, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
ग्रीन पार्क कॉलोनी स्थित दुर्गा माता पंडाल में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री मृणाली शीर्षत के आगमन से उत्सव का माहौल और भी उल्लासपूर्ण हो गया। अभिनेत्री ने दुर्गा माता के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं और महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान आयोजन प्रबंधन समिति की ओर से अभिनेत्री मृणाली शीर्षत को शॉल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। समिति ने उनका अभिनंदन करते हुए भारतीय संस्कृति, परंपराओं, गोशालाओं और धार्मिक आयोजनों के प्रति उनके जुड़ाव की सराहना की।

अभिनेत्री मृणाली शीर्षत ने इस अवसर पर समिति द्वारा आयोजित पारंपरिक बतुकम्मा उत्सव में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। तेलंगाना की सांस्कृतिक पहचान और महिला सहभागिता के प्रतीक इस उत्सव में उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम की रौनक बढ़ा दी। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने उनका स्वागत किया और उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर मृणाली शीर्षत ने महिलाओं को संबोधित करते हुए आपसी एकता बनाए रखने, सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण तथा सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया। उनके आगमन से कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई दिया।

ग्रीन पार्क कॉलोनी में आयोजित इस कार्यक्रम ने धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक सहभागिता का सुंदर संगम प्रस्तुत किया। दुर्गा पूजा और बतुकम्मा उत्सव जैसे आयोजनों के माध्यम से भारतीय परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने तथा समाज में सांस्कृतिक एकजुटता को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष अरविंद कमलेकर सहित प्रबंधन समिति के अन्य सदस्य और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अन्नसेवा से मिलता है आत्मसंतुष्टि का सुख : निर्मला केडिया

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ जारी है। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए निर्मला देवी केडिया ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना और उन्हें अन्न उपलब्ध कराना मानव जीवन का सबसे पुण्यदायी कार्य है। अन्नदान केवल भोजन कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जरूरतमंदों के प्रति संवेदना, प्रेम और मानवीय जिम्मेदारी निभाने का एक सशक्त माध्यम है।

उन्होंने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। जब हम किसी जरूरतमंद की सहायता करते हैं, तो उसके चेहरे पर आने वाली मुस्कान हमें आत्मिक संतोष प्रदान करती है। समाज में ऐसे सेवा कार्यों की निरंतरता बनी रहनी चाहिए, ताकि कोई भी जरूरतमंद स्वयं को अकेला महसूस न करे। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भाव से नियमित अन्नदान कर रहा है, वह समाज के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है। इस प्रकार के सेवा कार्यों से लोगों में परोपकार, करुणा और आपसी सहयोग की भावना मजबूत होती है।

निर्मला देवी केडिया ने कहा कि सेवा का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसे बिना किसी भेदभाव और स्वार्थ के किया जाए। अन्नदान ऐसा पुनीत कार्य है, जो मानवता को सर्वोपरि रखते हुए समाज के विभिन्न वर्गों को एक-दूसरे के करीब लाता है। सेवा के लिए धन से अधिक महत्वपूर्ण मन में समर्पण और दूसरों के दुख-दर्द को समझने की भावना है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंदों की सहायता करने का संकल्प ले, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

उन्होंने राधे-राधे ग्रुप के सभी सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास, आपसी विश्वास और सहयोग से ही सेवा कार्य निरंतर आगे बढ़ते हैं।

जब अनेक लोग एक नेक उद्देश्य के लिए एकजुट होते हैं, तो उनका छोटा-सा प्रयास भी बड़े सामाजिक बदलाव का आधार बन जाता है। ग्रुप का उद्देश्य केवल अन्नदान करना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा, संस्कार और मानवता के मूल्यों को मजबूत करना भी है।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, विमल किशोर सिंघी, जगत गुप्ता, कैलाश चंद केडिया, निर्मला देवी केडिया, भाकराम, कमला देवी, संजय गोयल एवं किरण गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाते हुए मानवता की सेवा के इस संकल्प को निरंतर आगे बढ़ाने की भावना व्यक्त की।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह नियमित अन्नदान कार्यक्रम इस संदेश को साकार करता है कि सेवा ही सच्चा धर्म है और जरूरतमंदों के मुख तक अन्न पहुंचाना ईश्वर की आराधना के समान है।

निस्वार्थ सेवा, समर्पण और सामूहिक सहयोग के माध्यम से ग्रुप समाज में मानवता और पर-ोपकार की भावना को निरंतर प्रोत्साहित कर रहा है।

सनतनगर लोधा में बतुकम्मा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने उत्साहपूर्वक बथुकम्मा खेला। माता को शांति और शांति के प्रतीक के रूप में बताया गया। कार्यक्रम में सभी को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता सपना गुप्ता, चैतन्य, मधु, रेखा, सुनीता, कंचन, जनक, प्रमिला एवं अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

भाग्यलक्ष्मी मंदिर

दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर चारमिनार स्थित श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर में दर्शन करते हुए तथा अष्टमी हवन में भाग लेते हुए लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, स्वामी कमलेश महाराज, रिद्धिश जागीरदार और मुकेश चौहान जैन। साथ में मंदिर की ट्रस्टी शशिकला एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पूज्य महासती विनयश्रीजी म.सा. का 41वाँ जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

हैदराबाद, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जैन श्री संघ, मलकपेट के तत्वावधान में बम्ब सिंघी भवन में चातुर्मास हेतु विराजित पूज्य महासती श्री राजमतीजी म. सा. ङ्गराजुलफ़, पूज्य महासती श्री विनयश्रीजी म. सा. एवं पूज्य महासती श्री जिव्याश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-3 के पावन सानिध्य में पूज्य महासती श्री विनयश्रीजी म. सा. का 41वाँ जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर आयोजित धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जैन समाज के श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पूज्यश्री के प्रति अपनी श्रद्धा, विनय एवं मंगलभावनाएँ प्रकट कीं। जन्मोत्सव समारोह में आकर्षक ग्रैंड एंट्री, प्रवचन, गुणगान एवं विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं। संजय सिंघवी, जैन महिला मंडल एवं श्रीमती प्रकाश बोहरा ने गीतिकाएँ प्रस्तुत कर पूज्यश्री के जन्मदिवस पर मंगलकामनाएँ प्रेषित कीं। वहीं, श्री जैन महिला मंडल एवं तेजस्वी बहू मंडल द्वारा प्रस्तुत नाटक ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। दक्षिण भारतीय थीम पर आधारित विशेष वेशभूषा कार्यक्रम ने समारोह में सांस्कृतिक रंग भर दिए।

कार्यक्रम का संचालन चातुर्मास प्रधान संयोजक पारस डोसी ने किया। राजस्थान के कुचेरा में विराजित उप प्रवर्तक पूज्य श्री साहिलमुनीजी म. सा. आदि ठाणा तथा हैदराबाद के खैरताबाद में विराजित युवा तपस्वी पूज्य श्री मुकेशमुनीजी म. सा. आदि ठाणा की ओर से शुभ संदेश प्राप्त हुए। संदेश में गुरुवर्या को जन्मदिन की शुभकामनाएँ देते हुए उनके जीवन के संयम की सुगंध, तपस्या की दिव्यता, त्याग की महिमा एवं धर्म आराधना की पवित्रता से निरंतर सुवासित रहने की मंगलकामना की गई।

संदेश में कहा गया कि इस पावन जन्मोत्सव पर हृदय की गहराइयों से यही मंगलभावना है कि पूज्यश्री के श्रीचरणों में श्रद्धा और भक्ति के सुमन सदैव अर्पित होते रहें। उनकी ज्ञानमयी वाणी से जिनशासन की महिमा जन-जन तक पहुँचती रहे, उनके प्रेरणादायी प्रवचनों से असंख्य हृदयों में धर्म के प्रति अनुराग जागृत हो तथा उनके पावन सानिध्य में श्रावक-श्राविकाएँ सम्यक् दर्शन, सम्यक् ज्ञान एवं सम्यक् चारित्र के पथ पर निरंतर अग्रसर होते रहें।

संदेश में आगे कहा गया
आपकी मुस्कान बने धर्म की पहचान,
आपका संयम बने आत्मकल्याण का सोपान।
आपकी वाणी से गूँजे जिनवाणी का संदेश,
आपके सानिध्य से महके धर्म और सद्भाव का परिवेश।

जन्मोत्सव के अवसर पर गौतम प्रसादी के लाभार्थी श्रीमान ज्ञानचंदजी, शीलाजी, रोहितजी, पायलजी, प्रनिलजी एवं नैतिकजी रांका परिवार रहे। लकी ड्रॉ में चाँदी के सिक्के गुप्त परिवार की ओर से प्रदान किए गए। विशेष वेशभूषा प्रतियोगिता के लिए रांका परिवार ने तीन पुरस्कार प्रदान किए। प्रतियोगिता के निर्णायक श्रीमती कविताजी भंडारी एवं श्रीमती राखीजी कांकरिया रहे। उनके निर्णयानुसार प्रथम पुरस्कार श्रीमती ममता टिकलिया, द्वितीय पुरस्कार श्रीमती त्रिशला कोठारी तथा तृतीय पुरस्कार श्री संजय सिंघवी को प्रदान किया गया।

इस अवसर पर लाभार्थी परिवारों एवं निर्णायकों को जैन श्री संघ, जैन महिला मंडल तथा तेजस्वी बहू मंडल के सदस्यों द्वारा दुपट्टा, माला, शॉल एवं साड़ी भेंट कर सम्मानित किया गया।

मंगलमय अवसर पर विभिन्न जैन संघों एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की विशेष उपस्थिति रही। श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, हैदराबाद से दिलीपकुमार धारीवाल, श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रमणोपासक संघ से किशोर मुथा, श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, ग्रेटर हैदराबाद से अशोक चाणोदिया, चैतन्यपुरी जैन श्री संघ से हर्ष मुणोत, कोरा श्री संघ से भरत मुथा तथा मारवाड़ी युवा मंच से सुरेश जैन सहित अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर पूज्यश्री के प्रति शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

इसी क्रम में खतरगच्छ युवक परिषद, हैदराबाद के सदस्यों ने रमेश पारख एवं प्रशांत श्रीश्रीमाल के नेतृत्व में सद्भावना यात्रा के अंतर्गत गुरुवर्या के दर्शन-वंदन का लाभ लिया। इस पहल से विभिन्न जैन संगठनों के बीच धार्मिक सौहार्द, सद्भावना एवं परस्पर आत्मीयता के भाव और सुदृढ़ हुए।

पूरे समारोह में भक्तिमय वातावरण बना रहा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने पूज्य महासती श्री विनयश्रीजी म. सा. के संयममय जीवन, धर्मनिष्ठा, तप-त्याग एवं आध्यात्मिक प्रेरणाओं के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनके प्रति मंगलकामनाएँ प्रकट कीं।

जैन श्री संघ, मलकपेट ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लाभार्थी परिवारों, निर्णायकों, कलाकारों, मंडलों, विभिन्न जैन संघों के प्रतिनिधियों तथा उपस्थित सभी श्रावक-श्राविकाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

अग्रवाल मानव सेवा संस्था द्वारा 50 परिवारों को राशन

17 माह से लगातार सेवा, दिवाली पर पूजा सामग्री भी वितरित

हैदराबाद, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा संस्था द्वारा हर माह की भांति अक्टूबर माह में भी 50 राशन किट वितरित किए गए। संस्था पिछले 17 महीनों से लगातार जरूरतमंद अग्रबंधु परिवारों को राशन किट उपलब्ध करा रही है।

संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी कि रविवार को हाईकोर्ट रोड स्थित मुरलीधर मंदिर में राशन किट वितरित किए गए। राशन के अतिरिक्त परिवारों के उपयोग में आने वाली अन्य वस्तुएं तथा दिवाली के त्योहार को ध्यान में रखते हुए कांस्य के दीपक एवं पूजा की थाली आदि भी वितरित की गईं। इन वस्तुओं के प्रायोजक श्रीमती सावित्रीदेवी आर. ए. अग्रवाल फाउंडेशन ट्रस्ट थे।

50 राशन किट के प्रायोजकों में मंगत राय जी राम कुमार जी परिवार के श्री राधेश्याम जी गुप्ता, श्री केदार नाथ जी अग्रवाल (ड्यूक्स परिवार), पुरुषोत्तम दास जी सुरेश कुमार जी पापड़िया (टंडन) तथा महेंद्र कुमार जी डाबलावाले शामिल रहे। मिठाई में सोन पपड़ी के प्रायोजक बजरंग लाल शर्मा थे।

पछले 17 महीनों से जरूरतमंद अग्रबंधु परिवारों को राशन किट वितरित किए जा रहे हैं। सर्दी के मौसम को ध्यान में रखते हुए नवंबर में राशन किट के साथ कंबल वितरित किए गए थे। दिसंबर में स्वेटर, जनवरी में संक्रांति त्योहार के अवसर पर साड़ियां तथा फरवरी में चटाइयां बांटी गईं। अन्य महीनों में प्लास्टिक की चौकी, पानी की बोतलें, रसोई की कड़ाही, प्लास्टिक की बाल्टी, मग, प्लास्टिक की बुट्टियां, स्टील के डिब्बे, अल्पाहार की प्लेटें आदि उपयोगी वस्तुएं वितरित की गईं।

उपस्थित सभी अग्रबंधुओं ने संस्था के इस सेवा कार्य की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में प्रायोजक श्री राधेश्याम गुप्ता, श्री विमल कुमार अग्रवाल, श्री महेंद्र कुमार डाबलावाले, श्री सुरेश कुमार टंडन, आर. ए. अग्रवाल एवं श्री बजरंग लाल शर्मा के अतिरिक्त संस्था के संस्थापक मुकुंद लाल अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, विनय जैन, श्रीमती संतोष अग्रवाल एवं बबीता अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कैलाश अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल एवं उनके परिवार ने सेवा प्रदान की।

मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि ऐसे अग्रबंधु परिवार, जिनकी मासिक आय 20 हजार रुपये से कम है तथा जो 10 हजार रुपये से कम किराए वाले मकान में रहते हैं, वे अपना आधार कार्ड एवं फोटो सीधे मोबाइल नंबर 9396222880 पर भेज सकते हैं।

ऐसे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए राशन किट की व्यवस्था की जाएगी।

हिन्दी महाविद्यालय में 18 अक्टूबर को फेंसिंग अकादमी का उद्घाटन हिन्दी महाविद्यालय समिति के सचिव शील कुमार जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर हिन्दी महाविद्यालय समिति के उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा, संयुक्त सचिव प्रदीप कुमार दत्त, कार्यकारिणी के सदस्य किशोर संचेती, महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. बाला कुमार, अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक जाधव, कन्हैय्या जी तथा अकादमी के प्रशिक्षु छात्र एवं कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

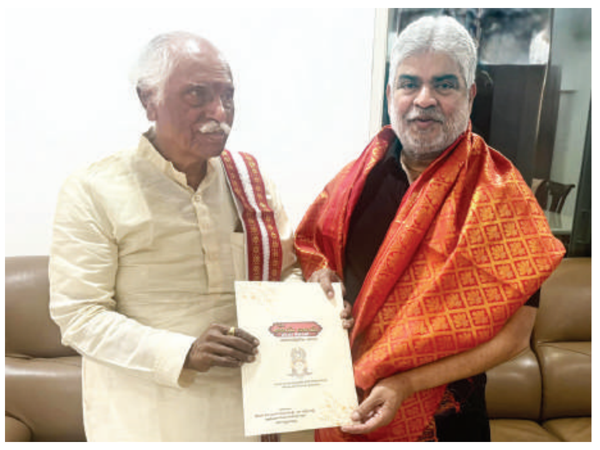

पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार को अलाई-बलाई 2026 कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया।

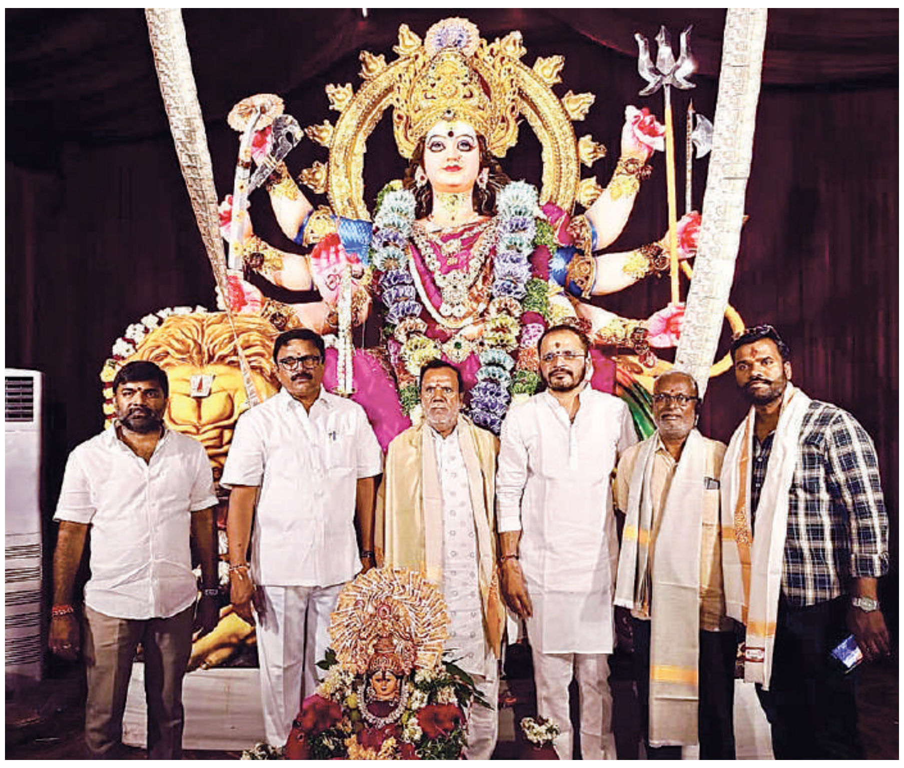

राजप्पा नगर कल्याण सोसाइटी के तत्वावधान में राजप्पा नगर में 9 दिवसीय शारदीय नवरात्र महोत्सव का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर माता की मूर्ति स्थापित की गई तथा विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एन.के. सिंह ने माता की पूजा-अर्चना की। उनके साथ सोसाइटी अध्यक्ष दीपावली सर्वन कुमार, दीपावली श्रीकांत, अमरजीत सिंह, दीपावली संदीप और आर.के. राय सहित अन्य लोग पूजा में शामिल हुए।

खिल्ला रामालय के लिए 35 करोड़ की लागत से बनेगा रोपवे

इंदूर, 18 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। निजामाबाद शहरी क्षेत्र के विधायक धनपाल सूर्यनारायण ने बताया कि ऐतिहासिक खिल्ला रामालय के लिए रोपवे मंजूर किया गया है। इसके निर्माण पर लगभग 35 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है और जल्द ही इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी।

रविवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में विधायक ने कहा कि छत्रपति शिवाजी के गुरु समर्थ रामदास द्वारा निर्मित खिल्ला रामालय ऐतिहासिक महत्व रखता है। इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना उनका लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि निजामाबाद के सांसद धर्मपुरी अरविंद के साथ उन्होंने केंद्र सरकार के मंत्रियों के समक्ष इस मंदिर के विकास का मुद्दा उठाया था। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और राज्य मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी को भी इस संबंध में कई बार पत्र दिए गए।

सामूहिक प्रयास से निरंतर आगे बढ़ रही राधे-राधे ग्रुप की अन्नसेवा : महेश अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि हम सभी के सामूहिक प्रयास, सहयोग और समर्पण से ही राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह सेवा कार्य निरंतर इतने व्यापक स्तर पर संचालित हो रहा है। किसी भी सामाजिक एवं सेवा कार्य की सफलता के पीछे एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि सभी सदस्यों के मिल-जुलकर किए गए प्रयासों का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सभी सदस्य निस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों में अपना योगदान दे रहे हैं। सभी के मन में सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना है। यही भावना ग्रुप को निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। अन्नसेवा केवल जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करने का एक पवित्र प्रयास है। भूखे को भोजन कराना, जरूरतमंद की सहायता करना और समाज में सेवा संस्कारों को मजबूत बनाना ही इस अभियान का मूल उद्देश्य है।

महेश अग्रवाल ने कहा कि जब समाज के लोग एक सकारात्मक उद्देश्य को लेकर एकजुट होते हैं, तो बड़े से बड़ा कार्य भी सहजता से पूरा किया जा सकता है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद इसी सामूहिक भावना के साथ सेवा के कार्यों को आगे बढ़ा रहा है। इस अभियान में प्रत्येक सदस्य का सहयोग महत्वपूर्ण है। सेवा के इस कार्य में तन, मन और धन से योगदान देने वाले सभी सदस्यों की सहभागिता ही ग्रुप की वास्तविक शक्ति है।

उन्होंने कहा कि सेवा का भाव केवल किसी एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। समाज में प्रेम, सद्भाव, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार योगदान देना चाहिए। राधे-राधे ग्रुप का प्रयास है कि सेवा के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जाए और समाज में निस्वार्थ सेवा की भावना को प्रोत्साहित किया जाए।इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय एवं जगन गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाते हुए सामूहिक सहयोग और समर्पण की भावना को मजबूत किया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह नियमित अन्नसेवा अभियान इस संदेश को साकार कर रहा है कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है और सामूहिक प्रयास से ही सेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाया जा सकता है।

श्री सिखवाल समाज, सिकंदराबाद में नवरात्रि की धूम रही। इस अवसर पर प्रसाद के लाभार्थी श्री नंद किशोर जी एवं श्री बंकट लाल जी पांडिया रहे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि तलसानी साई किरण यादव जी (यूथ आइकॉन एवं सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र प्रभारी) का समाज की ओर से शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर भागीरथ पांडिया, नटवर लाल व्यास, नंद किशोर जोशी जी, चंद्र प्रकाश तिवारी, विनोद उपाध्याय, गोपाल जी व्यास एवं घनश्याम जी व्यास उपस्थित रहे।

सिकंदराबाद के अशोक नगर, टकारा बस्ती में विधायक टी. पद्मा राव जी के निवास स्थान पर आयोजित माता के भव्य जागरण की कुछ झलकियां। इस अवसर पर भजन गायक नंद किशोर व्यास एवं उनकी टीम ने माता के भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.